संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष : 47 | अंक : 204 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका... साथ हमारा...

आर.एन.आई.नं. 35236/80

समाचार जगत

www.samacharjagat.com

जयपुर, शनिवार, 28 नवम्बर 2026, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष पंचमी संवत् 2083

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

सोने में मिलावट हो सकती है
जमीन में नहीं।

दैनिक भास्कर जयपुर 17-11-2026

भास्कर इन्वेस्टिगेशन रिपोर्टर ने चीन से मंगवाया रेनियम, मिलावट कराकर गहना बनवाया, 22 कैरेट की शुद्धता आई, जबकि 20 कैरेट होना था

सोने में अदृश्य मिलावट... 7.8 ग्राम सोने में एक ग्राम रेनियम पाउडर मिलवाया, बढ़कर 8.8 ग्राम हुआ, न हॉलमार्किंग मशीन पकड़ पाई, न ही कोई सुनार

आप जो सोना खरीद रहे हैं, क्या वह वाकई 100% शुद्ध है? या फिर आपकी गाढ़ी कमाई के गहनों में मिलाया जा रहा है चीन का एक ऐसा 'सीक्रेट पाउडर'... जिसे पकड़ पाना हॉलमार्किंग मशीनों के लिए भी नामुमकिन है? भास्कर ने पड़ताल की तो इसमें मिलावट का खुलासा हुआ। चीन के शेन्जेन शहर के एक चीनी एजेंट से यह पाउडर मंगाया गया।

जोधपुर में एक ज्वैलर्स के सहयोग से सोने में मिलाकर वजन बढ़ाया। फिर हॉलमार्क सेंटर पर जांच कराई तो मशीन इस पाउडर की मिलावट पकड़ ही नहीं पाई। यानी सोने में जितना यह मिलाया गया, उतना ज्यादा वजन का सोना बता दिया गया। सोने के कारोबार से जुड़ी तीन एसोसिएशन से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने भी स्वीकार किया कि चीनी पाउडर रेनियम को मिलाकर देश में सोना बिकने लगा है। ऐसे में ग्राहकों के साथ ठगी हो रही है। बता दें कि हमारे देश में रोज 2 हजार से 2200 किलो सोना बिकता है।

चीनी एजेंट से संपर्क किया तो भारत में ही दलाल बताए



Supplier of rhenium powder (Shenzhen - China)

पाउडर की मिलावट होने पर रिपोर्टर ने चीन के शेन्जेन शहर के एजेंट से बात की। उसने बताया, हमारे यहां रेनियम फैक्ट्री है। सोने में इसे 25% तक मिलाने पर भी यह पकड़ में नहीं आएगा। दाम पूछे तो बताया, दो तरह के रेनियम हैं। एक 3 हजार डॉलर का 100 ग्राम व दूसरा 3400 डॉलर का 100 ग्राम। भारत के कई शहरों में उसके डीलर हैं और यह आसानी से वहां मिल जाएगा। *(चीनी एजेंट के मोबाइल नंबर और उस पर हुई चैट भास्कर के पास है।)*

मुंबई से मंगवाया रेनियम

रिपोर्टर ने चीनी एजेंट के बताए अनुसार मुंबई, अहमदाबाद सहित अन्य जगह संपर्क किया। बाद में मुंबई में एक एजेंट से सैंपल के तौर पर एक ग्राम रेनियम ऑर्डर किया। उसने रेनियम के 5 हजार और 300 रुपए कूरियर चार्ज लेकर पैकेट जोधपुर भेजा।

आठ बनवाई, मशीन मिलावट नहीं पकड़ पाई



रेनियम मिला दाने।

रेनियम मिला गहना।

रेनियम मिलने के बाद उसे सोने में मिलाने को लेकर प्रयोग कराए। 7.830 ग्राम 24 कैरेट वाली शुद्ध सोने में 1 ग्राम पाउडर मिलवाया। इससे वजन 8.830 ग्राम हो गया। इसका टेस्ट कराया गया तो यह 24 कैरेट सोना निकला। ज्वैलर ने 22 कैरेट की ज्वैलरी बनाने के लिए इसमें 0.75 ग्राम धातु मिक्स की और 9.580 ग्राम की देसी आठ (राजस्थानी राजपूती गहना) तैयार कराई।

हॉलमार्क सहित 6 जांच कराई, चांदी-तांबा-जस्ता मिला पर रेनियम नहीं



जांच रिपोर्ट

1 91.6% **हॉलमार्किंग टी** : रेनियम मिक्स ज्वैलरी की जांच कराई। यहां 92K916 का हॉलमार्क जली हो गया। यह 22 कैरेट सोने के लिए है।

2 **ग्रांडेड शोरूम में 22 कैरेट गोल्ड बताया** : सरदारपुरा की रोड स्थित एक ग्रांडेड ज्वैलरी शोरूम की मशीन में भी इसे 22 कैरेट की आठ बताया। बेचने पर 22 कैरेट के हिसाब से 1.17 लाख रुपए देने और एग्रीमेंट कर खरीदारी करने पर 1.23 लाख रुपए का ऑफर दिया।

3 93.70% **सोना और चांदी** : नई सड़क स्थित शोरूम में कैरेट मशीन से जांच कराई। यहां 93.70% सोना, 5.39% चांदी व 0.90% तांबे की पुष्टि हुई। रेनियम का उल्लेख नहीं। शेष | पेज 6

पूरी खबर का वीडियो

देखने के लिए अपने मोबाइल फोन से इस QR कोड को स्कैन करें।

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

10 लाख की छूट
सिर्फ़ 3 दिन बाकी

FLAT STARTS
~~74 Lacs~~ @64 Lacs

KOTHI STARTS
~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

दिसंबर तक 2 करोड़ की होगी कोठी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	ACTUAL PRICE	CLEARANCE SALE PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	74 Lacs	64 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	84 Lacs	74 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	92.5 Lacs	82.5 Lacs
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.18 Cr	1.08 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.41 Cr	1.31 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.85 Cr	1.75 Cr

KEDIA® | 1800-120-2323

info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

न्यूज गैलरी

छात्रा से दुष्कर्म मामले में बस ड्राइवर को 20 साल का कठोर कारावास

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. स्कूल बस ड्राइवर के नवीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के मामले में पोक्सो एक्ट मामलों की विशेष कोर्ट में जज अलका बंसल ने अभियुक्त 25 वर्षीय अर्जुन लाल को 20 साल की सश्रम जेल एवं 1.20 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई। चाकसू थाना पुलिस ने 14 अक्टूबर, 2025 को अभियुक्त को गिरफ्तार किया था। विशेष लोक अभियोजक रचना मान ने राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए बताया कि प्रकरण के अनुसार पीड़िता नवीं कक्षा की छात्रा थी और स्कूल बस से आती-जाती थी। अभियुक्त स्कूल बस का ड्राइवर था। इसी का फायदा उठाकर अभियुक्त ने छात्रा को बहला-फुसलाया और 01 और 28 सितंबर को पीड़िता को बहला-फुसलाकर ले जाकर उसके साथ ज्यादती की। घटना के बाद छात्रा गुमसुम रहने लगी। पिता के पूछने पर पीड़ित छात्रा ने घरवालों को आप-बीती बताई थी। जिसकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने 14 अक्टूबर, 2025 को अभियुक्त को गिरफ्तार कर बाद जांच कोर्ट में चालान पेश किया। एसपीपी रचना मान ने 12 गवाहों के बयान एवं 26 दस्तावेज प्रदर्शित करवाकर कहा कि पीड़िता के बयान पूरी तरह से विश्वसनीय हैं और मेडिकल साक्ष्य से उनकी पुष्टि होती है। अभियुक्त ने विश्वास का दुरुपयोग किया है। स्कूल बस ड्राइवर होने के नाते बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर थी, लेकिन उसने ही विश्वास को तोड़ दिया। ऐसे में उसे कठोर सजा दी जाए। बाद विचारण कोर्ट ने मौखिक, दस्तावेजी एवं मेडिकल साक्ष्य से अपराध प्रमाणित मानते हुए उपरोक्त सजा सुनाई।

पुलिसकर्मियों को मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक एवं डीजीपी डिस्क प्रशस्ति रोल मिलेंगे

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. राजस्थान पुलिसकर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा एवं सराहनीय कार्यों के लिए मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक एवं डीजीपी डिस्क प्रशस्ति रोल से सम्मानित किया जाएगा। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (अपराध शाखा) बिपिन पांडेय द्वारा जारी आदेश के अनुसार मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक के लिए शान्तनु कुमार सिंह (उप महानिरीक्षक पुलिस) का चयन किया गया है। इसी प्रकार डीजीपी डिस्क प्रशस्ति रोल के लिए पांच पुलिसकर्मियों का चयन किया गया है। इनमें सहायक निदेशक अभियोजन भंवर कुलदीप राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अदिति कांवत, पुलिस उप अधीक्षक निसार खान, उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार शर्मा एवं हेड कांस्टेबल नंबर 38 शाहिद अली शामिल हैं। इन्हें 14 दिसंबर 2026 को सुबह 11 बजे पुलिस मुख्यालय में सम्मानित किया जाएगा।

विद्युत निगमों में कनिष्ठ अभियंता-प्रथम की ऑनलाइन परीक्षा 29 व 30 को

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा पांच विद्युत निगमों में कनिष्ठ अभियंता-प्रथम के कुल 869 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षाएं 29 एवं 30 नवम्बर को 12 जिलों में आयोजित की जा रही हैं। पदों में इलेक्ट्रिकल के 727, मैकेनिकल के 110 और सिविल के 32 पद शामिल हैं। कनिष्ठ अभियंता-प्रथम की ऑनलाईन भर्ती परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थियों के कॉल लेटर विद्युत निगमों की वेबसाईट पर अपलोड कर दिए गए हैं जहां से वे अपने कॉल लेटर डाउनलोड कर सकते हैं। पूर्व में 19 नवंबर को उनकी परीक्षा की तिथि व समय और परीक्षा केन्द्र के जिले की सूचना जारी की गई थी। इस संबंध में अभ्यर्थियों को उनके मोबाईल नम्बर एवं ई-मेल द्वारा भी सूचित कर दिया गया है। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए विद्युत निगमों के अधिशाषी/सहायक अभियन्ता एवं समकक्ष स्तर के अधिकारियों को निगमों के प्रतिनिधि के तौर पर एवं साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों को भी विशेष रूप से सभी परीक्षा केन्द्रों पर तैनात किया गया है। परीक्षा केन्द्रों के औचक निरीक्षण के लिए उच्चाधिकारियों को सम्मिलित करते हुए 'विशेष सतर्कता दलों' का भी गठन किया गया है।

बीएड छात्र से घूस लेने के मामले में तत्कालीन प्रधानाध्यापक को 3 साल की जेल

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. बीएड इंटर्नशिप में नियमित हाजरी लगाने की एवज में घूस लेने के मामले में एसीबी मामलों की विशेष अदालत में जज राजेन्द्र शर्मा ने मोरीजा-चौमूं में स्थित राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत स्कूल के तत्कालीन प्रधानाध्यापक शिवकुमार योगी को दोषसिद्ध करते हुए 03 साल की जेल एवं 1200 रुपए के अर्थदण्ड सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक आलोक रवि एवं शालिनी गौतम ने राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अदालत को बताया कि शिक्षा शास्त्री का प्रशिक्षणार्थी चीथवाड़ी निवासी प्रहलाद जाट ने इस मामले की एसीबी में 15 जनवरी, 2020 को शिकायत दी थी। प्रहलाद स्कूल में 96 दिन की इंटर्नशिप कर रहा था। उस दौरान स्कूल में नियमित रूप से उपस्थित रहना था। आरोप था कि तत्कालीन प्रधानाध्यापक शिवकुमार योगी ने नियमित हाजरी लगाने की एवज में प्रशिक्षणार्थी से घूस की मांग की। बाद में एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई कर 27 जनवरी, 2020 को 1200 रुपए लेने के अपराध में प्रधानाचार्य को गिरफ्तार किया था। तत्कालीन संस्कृत शिक्षा निदेशक भास्कर शर्मा ने 22 सितम्बर, 2022 को उसके खिलाफ मुकदमा चलाने की अभियोजन स्वीकृति जारी की थी।

बिना बताए घर से अधेड़ व्यक्ति लापता



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. पवनपुरी बैनाड, रोड झोटवाड़ा निवासी जगत सिंह विष्ट बताये बिना घर से लापता हो गया। पुलिस के अनुसार जगत सिंह गत 26 नवम्बर को घर से बताये बिना कहीं चले गए थे। उनको रिश्तेदार व अन्य कई जगह तलाश की किया, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। उनकी उम्र करीब 57 वर्ष है। जो कि मानसिक रूप से कमजोर हैं। कद पांच फीट चार इंच, रंग गोरा व दुबला पतला शरीर है। उसने हल्के पीले रंग की शर्ट व पेन्ट पहन रखी है। थाना खोरा बीसल पर गुमशुदगी दर्ज की गई है।

70 लाख रुपए कीमत के भूखंड के फर्जी दस्तावेज किए थे तैयार

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के तीन संविदाकर्मी गिरफ्तार

कमीशन पर बनाए पट्टा-लीज डीड

समाचार जगत न्यूज



जयपुर. जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने शुक्रवार को राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के तीन संविदाकर्मियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 70 लाख रुपए कीमत के भूखंड के फर्जी दस्तावेज बनाए थे। आरोपियों ने कमीशन के लालच में इस वारदात को अंजाम दिया।

डीसीपी (ईस्ट) रंजीता शर्मा ने बताया कि जालसाजी में आरोपी प्रवीण उज्जैनिया (32) निवासी टैगोर नगर करतारपुरा, अशोक कुमार बैरवा (43) निवासी जेडीए कॉलोनी झालाना डूंगरी और विकास कुमार जाट (30) निवासी खेतड़ी बबाई झुंझुनूं को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

कम्प्यूटर ऑपरेटर, गार्ड और पीओन हैं तीनों कर्मचारी : जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में आरोपी प्रवीण कम्प्यूटर ऑपरेटर, अशोक कुमार बैरवा पीओन और विकास कुमार कर्मचारी गार्ड के पद पर है। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के तीनों आरोपी संविदा पर लगे हुए हैं। हाउसिंग बोर्ड के एक भूखंड के फेक डॉक्यूमेंट (पट्टा-लीज डीड) बनवाए थे। 70 लाख रुपए कीमत के भूखंड पर तीनों आरोपियों ने मिलकर कमीशन पर पट्टे बनाकर दिए।

दो आरोपी पहले हो चुके गिरफ्तार : पुलिस के अनुसार जवाहर सर्किल थाने में परिवादी नरेंद्र कुमार गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया कि राजस्थान आवासन मंडल की ओर से आवासीय भूखंड आवंटित किया गया था। मैंने भूखंड के एवज में नियमित और एकमुश्त रकम जमा करवाई थी।

मेरे जाली सिग्नेचर और पुरानी फोटो का यूज कर फेक इकरारनामा, मुख्त्यारनामा और वसीयतनामा तैयार कर और झूठे गवाहों व मंडल के कर्मचारियों की मिलीभगत से साजिश कर भूखंड का नियमितिकरण और पट्टा/लीज डीड अपने हक में कर बेचान करवा ली गई। 13 मई-2026 को पुलिस की ओर से मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

पुलिस जांच के बाद मामले में आरोपी गोपाल लाल मीणा और विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने राजस्थान आवासन मंडल में संविदा पर कार्यरत अपने साथी अशोक कुमार बैरवा, विकास कुमार व प्रवीण उज्जैनिया का नाम सामने आया। तीनों संविदा कर्मचारियों को डिटेन कर पूछताछ कर गिरफ्तार किया गया।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक- 4856 दिनांक :- 26.11.2026

जाहिर आम-सूचना

श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कैलाश चन्द को आवास/फ्लैट संख्या 85/406 (LIG), (क्षेत्रफल 50.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर सांगानेर जयपुर में आवंटन किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1174 दिनांक 30.04.1993 को जारी किया गया। तदोपरान्त मूल आवंटी श्री राजेन्द्र कुमार के निवेदन पर उक्त आवंटन में कार्यालय आदेश क्रमांक 4002 दिनांक 13.07.1993 के द्वारा उनके पिता श्री कैलाश चन्द पाराशर पुत्र श्री दुर्गा लाल पाराशर का नाम जोड़ा गया। उक्त आवास का भौतिक कब्जा पत्र दिनांक 26.10.1993 को श्री राजेन्द्र कुमार एवं श्री कैलाश चन्द पाराशर को सुपुर्द किया गया। श्री कैलाश चन्द पाराशर मृत्यु दिनांक 13.03.1995 को हो जाने उपरान्त उनकी पत्नी श्रीमती कैलाशी देवी पत्नी श्री कैलाश चन्द पाराशर द्वारा पंजीकृत हकत्याग आधार पर उक्त आवास के 1/2 हिस्से पर स्वयं का नाम दर्ज करने के आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्रीमती कैलाशी देवी पत्नी श्री कैलाश चन्द पाराशर द्वारा आवासन मण्डल में श्री कैलाश चन्द पाराशर कि मृत्यु उपरान्त उक्त आवास का 1/2 हिस्सा पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास को हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती कैलाशी देवी पत्नी श्री कैलाश चन्द पाराशर का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त -प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नगर निगम जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड़, जयपुर)
क्र.एफ 13(1)उपा. आयोजना प्रथम/जनानें/2026/515 दि: 26.11.2026

सार्वजनिक विज्ञप्ति

विषय : राजस्थान नगरीय क्षेत्र (भू-उपयोग परिवर्तन) नियम 2010 के नियम 4 (1) के अन्तर्गत आपत्तियां/सुझाव आमंत्रित करने हेतु विज्ञप्ति।

नगर निगम, जयपुर में निम्नानुसार कॉलम-2 में वर्णित भूखण्ड धारक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से व्यवसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन चाहा गया है, जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम, भूखण्ड संख्या योजना का नाम	भूखण्ड का क्षेत्रफल व उपयोग	मास्टर प्लान-2025 अनुसार भू-उपयोग	जोनल विकास प्लान अनुसार भू-उपयोग	आवेदक द्वारा चाहा गया भू-उपयोग
1	2	3	4	5	6
1.	श्री सौरभ केडिया एवं श्री गौरव केडिया पुत्रान श्री राजेन्द्र कुमार केडिया मू० सं० ए-26-बी, बनीपार्क जयपुर	4788.12 वर्गगज (129.17 वर्गगज समर्पित भूमि के पश्चात)	व्यवसायिक	व्यवसायिक	व्यवसायिक

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन के संबंध में कोई आपत्ति/सुझाव हो तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन की अवधि तक अपनी आपत्ति/सुझाव कारणों सहित नगर निगम जयपुर के आयोजना शाखा प्रथम (मुख्यालय) में प्रस्तुत कर सकते हैं। (योगेश कुमार सौंटोलिया),
अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक, नगर निगम जयपुर

तूंगा में रामफूल और बस्सी में लालाराम बने प्रधान

उपप्रधान का चुनाव आज

तूंगा में कांग्रेस ने 7 वोटों से दर्ज की जीत, बस्सी में भाजपा प्रत्याशी को 4 वोटों से हराया





बस्सी, समाचार जगत न्यूज़. पंचायत समिति प्रधान पद के चुनाव शुक्रवार को बस्सी और तूंगा में शांतिपूर्ण संपन्न हुए। रिटर्निंग अधिकारी एवं बस्सी एसडीएम दीपक सिंह खटाना ने बताया कि शुक्रवार को प्रधान पद के लिए नामांकन प्रक्रिया के बाद दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक मतदान हुआ। इसके तुरंत बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किए गए। रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक कलेक्टर बस्सी शिप्रा जैन ने बताया कि तूंगा पंचायत समिति में कांग्रेस प्रत्याशी रामफूल चंद बैरवा को 11 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी आरती देवी को 4 वोट मिले। इस प्रकार बैरवा 7 वोटों से जीतकर रामफूल चंद प्रधान निर्वाचित हुए। वहीं बस्सी पंचायत समिति में कांग्रेस के लालाराम सैनी को 21 और भाजपा के रामफूल शर्मा को 17 वोट मिले। लालाराम सैनी 4 वोटों से जीतकर प्रधान बने। रिटर्निंग अधिकारी ने दोनों नवनिर्वाचित प्रधानों को शपथ दिलाई। चुनाव के दौरान दोनों पंचायत समितियों के बाहर पुलिस का कड़ा सुरक्षा बंदोबस्त रहा। जीत के बाद समर्थकों में उत्साह देखने को मिला और ग्रामीणों ने नवनिर्वाचित प्रधानों का स्वागत किया। शनिवार को उप प्रधान पद के लिए चुनाव होगा।

जनगणना में एससी-एसटी की तरह ओबीसी के लिए भी हो अलग श्रेणी

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य एवं ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य राजेन्द्र सेन ने कहा है कि जातिवार जनगणना को विफल करने का खेल शुरू हो चुका है। वर्तमान जनगणना प्रक्रिया में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की तरह अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए ना तो अलग श्रेणी का स्पष्ट प्रावधान दिखाई दे रहा है, ना ही सभी जातियों की सूची और ना ही जातिवार गणना के लिए अलग कोड की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर इस त्रुटि को दुरुस्त कराने की मांग की है। सेन ने कहा कि यदि जनगणना एवं हाउस लिस्टिंग की प्रक्रिया में ओबीसी वर्ग और उसकी विभिन्न जातियों का अलग-अलग उल्लेख नहीं किया गया तो देश में पिछड़े वर्गों की वास्तविक जनसंख्या का सही आकलन संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी का सिद्धांत तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक जाति और वर्ग की वास्तविक जनसंख्या के आंकड़े सामने आएंगे। बिना सटीक जातिगत आंकड़ों के सामाजिक न्याय, समान अवसर और संसाधनों में न्यायपूर्ण हिस्सेदारी की बात अधूरी रहेगी।

10 हजार का इनामी भूमाफिया गिरफ्तार

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. जामडोली थाना पुलिस ने एक साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी भूमाफिया को गुरुवार रात गिरफ्तार किया है। एक साल से पुलिस 5 मामलों में वांटेड भूमाफिया की तलाश कर रही थी। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीसीपी (ईस्ट) रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अजीत सिंह उर्फ जीतू (33) आरकेपुरम कॉलोनी बस्सी का रहने वाला है। जामडोली में महेश विहार नाम से कॉलोनी में 1500 वर्गगज विवादित भूमि को जानते हुए आरोपी ने अपने प्रॉफिट के लिए दूसरे व्यक्ति से खरीदी। जामडोली थाने में आरोपी अजीत सिंह उर्फ जीतू के खिलाफ 5 मामले दर्ज हुए। मामला दर्ज होने का पता चलने पर आरोपी भूमाफिया अजीत सिंह फरार हो गया।

नाम परिवर्तन

मैंने अपनी नाबालिग पुत्री का नाम काशवी से बदलकर काशवी खत्री पुत्री हितेश खत्री कर दिया है। भविष्य में उसे इसी नाम से जाना व पहचाना जावे। निवासी- 39-A, राधा निकुंज प्रथम, इस्कॉन मंदिर रोड, मानसरोवर, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त किशनपोल जोन, नगर निगम जयपुर
(बड़ी चौपड़, पुराना पुलिस मुख्यालय, जलेबी चौक, जयपुर)
क्रमांक- F-52/DC/KPZ/2026/1439 दिनांक- 25.11.2026

"सार्वजनिक आपत्ति सूचना"

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मुकुल कटारिया पुत्र सुधीर कटारिया ने मकान नं. 181, 182 हल्दियों का रास्ता जौहरी बाजार जयपुर का 69-क, के तहत स्वायत शासन विभाग राजस्थान के आदेश क्रमांक 7062 दिनाक 15.11.2022 के अनुसार आवेदन पत्र के साथ स्वामित्व संबंधित दस्तावेजों की फोटो प्रतियां प्रस्तुत कर उक्त सम्पति का स्वयं का क्षेत्रफल 62.73 वर्गगज का 69-क के तहत पट्टा चाहा है। उक्त मकान के संबंध में किसी व्यक्ति सरकारी/गैर सरकारी संस्था भवन / दुकान के अन्य हिस्सेदार, मालिकों या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करे। बाद मियाद गुजरने के आवेदन का नियमानुसार निस्तारण कर दिया जावेगा।
उपायुक्त, किशनपोल जोन, नगर निगम जयपुर

कार्यालय नगर निगम जयपुर
(सेक्टर 4, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के पास, जवाहर नगर, जयपुर)
क्रमांक :- जसअ/2026/324 दिनांक: 23.11.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 52/2026-27

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से अधिशाषी अभियन्ता आदर्श नगर जोन से सम्बन्धित विकास कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.raj.nic.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जाकर पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है। जिसका यूबीएन नम्बर JMC2627WSOB00867 है।
नोट : अवकाश घोषित होने पर कार्यालय खुलने की आगामी तारीख मानी जाये।
अधिशाषी अभियन्ता (आदर्श नगर जोन)
राज.संवाद/सी/26/13797 नगर निगम जयपुर।

कार्यालय नगर निगम जयपुर
(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास, सांगानेर जयपुर)
E-mail :- eesanganerzone01@gmail.com
क्रमांक :- जसअ/2026/325 दिनांक: 26.11.2026

निविदा सूचना संख्या 53-54/2026-27

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि. अभि. (सांगानेर जोन) से संबंधित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in & www.jaipurmc.org पर देखी जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number JMC2627WSOB00871 से JMC2627WSOB00872 है।
अधिशाषी अभियंता
सांगानेर जोन
राज.संवाद/सी/26/13798 नगर निगम जयपुर

विकास भी, विरासत भी रहेगी थीम, मुख्य सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा

प्रवासी राजस्थानी दिवस के लिए 7 हजार 500 प्रवासियों ने कराया पंजीकरण



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देश-विदेश में बसे प्रवासियों और निवेशकों में उत्साह है। अब तक 7500 से अधिक लोगों ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पंजीकरण करा चुके है। दिवस के छह विशेष सत्र में पर्यटन, शहरी विकास, उद्योग, ऊर्जा, माइनिंग और प्रवासी राजस्थानी संवाद में विकसित राजस्थान-2027 की थीम के अनुरूप भविष्य की तस्वीर नजर आएगी।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजन को लेकर तैयारियों की समीक्षा की और सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय में सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि इस आयोजन में 'विकास भी, विरासत भी' की झलक दिखाई देनी चाहिए। राजस्थान की भव्य विरासत और विकास को विभिन्न माध्यमों से प्रदर्शित किया जाए। प्रवासियों को अपनापन महसूस हो और वे अच्छी यादों के साथ वापस लौटें। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान विशिष्ट अतिथियों के वीवीआईपी मूवमेंट, सुरक्षा, प्रोटोकॉल, आवास, परिवहन और अतिथि सत्कार की विशेष व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही जयपुर शहर के सौंदर्यीकरण के तहत सफाई अभियान, सड़कों की मरम्मत, रोशनी की व्यवस्था और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों के सुधार का कार्य भी समय पर पूरा कर लिया जाए।

दूसरा प्रवासी राजस्थानी दिवस आगामी 10 दिसंबर को आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत 8 दिसंबर को झुंझुनूं के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में शेखावाटी हेरिटेज मीट और 9 दिसंबर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रवासी सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। 10 दिसंबर को जयपुर के जेईसीसी में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। प्रवासियों को आमंत्रित करने के लिए कोलकाता, भुवनेश्वर, बेंगलुरु और गुवाहाटी में 'प्रवासी राजस्थानी मीट' का आयोजन भी किया गया है।

आयुक्त एवं विशिष्ट शासन सचिव, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी कार्य विभाग (DoRA) तथा आयुक्त, राजस्थान फाउंडेशन डॉ. मनीषा अरोड़ा ने बताया कि पवेलियन का एक और खास आकर्षण 'माई स्टैम्प' पर्सनलाइज्ड काउंटर होगा। यहां विजिटर्स अपनी फोटो को राजस्थान की थीम और खास डिजाइन वाले डाक टिकटों पर लगवा सकेंगे। इन खास डाक टिकटों की शीट मौके पर ही प्रिंट करके दी जाएगी, जिसे विजिटर्स अपने साथ यादगार के रूप में ले जा सकेंगे। 'शेयर योर प्राइड थ्रू इंडिया पोस्ट' नाम से होने वाली एक्टिविटी विजिटर्स को एक नया और खास अनुभव देगी। हाथ से चिट्ठी लिखने की पुरानी परंपरा को फिर से जीवंत करने के लिए पवेलियन में 'पोस्टकार्ड टू होम' सेक्शन भी होगा। यहां विजिटर्स राजस्थान की विरासत, कला और खूबसूरत जगहों की तस्वीरों वाले पोस्टकार्ड चुन सकेंगे, अपने परिवार और दोस्तों के लिए संदेश लिख सकेंगे और पवेलियन में रखे पारंपरिक लेटर बॉक्स के जरिए पोस्ट भी कर सकेंगे।

डाक टिकटों के जरिए दिखेगी राजस्थान की समृद्ध विरासत

प्रवासी राजस्थानी दिवस 2026 के अवसर पर डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट, राजस्थान सर्कल की ओर से 10 दिसंबर को सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में एक खास एक्सपिरियंशियल पवेलियन लगाया जाएगा। आने वाले विजिटर्स डाक टिकटों के माध्यम से प्रदेश के इतिहास, कला और संस्कृति को जानने के साथ-साथ पारंपरिक डाक सेवाओं और आधुनिक सुविधाओं का अनुभव कर सकेंगे। पवेलियन का एक खास आकर्षण फिलैटेलिक गैलरी होगी, जहां राजस्थान से जुड़ी अनूठी डाक टिकटों को प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही, प्रवासी राजस्थानी दिवस 2026 को समर्पित एक विशेष पोस्टल कवर का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी दिसम्बर, 2026

294 आवासीय/व्यावसायिक एवं अन्य भूखण्ड



93 व्यावसायिक भूखण्ड

01 खसरा नं. 288, ग्राम चैनपुरा, जवाहर सर्किल तहसील सांगानेर, जयपुर (एयरपोर्ट के नजदीक)
10 आदिनाथ सरोवर-ए योजना, जयपुर
01 अनिरूद्ध एनक्लेव योजना जयपुर
03 चेतन विहार, जयपुर
09 दीनदयाल नगर, जयपुर
01 डायमण्ड सिटी योजना जयपुर
01 गनक एन्क्लेव योजना, जयपुर
01 गोविंदपुरा करधनी डी-ब्लॉक स्कीम, जयपुर
02 हनुमान नगर एच जयपुर
01 हनुमान वाटिका-ए-1 योजना, जयपुर
05 हरित विहार, योजना, जयपुर
03 हर्ष वाटिका योजना, जयपुर
01 रामचन्द्रपुरा योजना तह. सांगानेर ERCP योजना, जयपुर
01 आकृति एन्क्लेव-ए योजना, जयपुर
02 खुशी संसार योजना, जयपुर
07 कृष्णा सिटी, जयपुर
01 नाथू लाल करोल एन्क्लेव योजना, जयपुर
01 गोल्डन रेजीडेंसी स्कीम, जयपुर RERA Regi. No. RAJP/2023/2595
03 रियासत निर्वाणा (निजी खातेदार) योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJP/2025/3487
04 संतोष विला ब्लॉक-बी स्कीम, जयपुर
01 शौर्य नगर योजना, जयपुर
02 श्रीनाथ एन्क्लेव तहसील-बस्सी जयपुर
01 दी ग्रेटर जगतपुरा योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJP/2024/2926
02 दी रिंग एवेन्यू ब्लॉक-बी स्कीम, जयपुर
02 दी रियासत रेजीडेंसी योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJP/2022/2033
01 टाईम्स ईस्टेट फेज-।।, जयपुर RERA Regi. No. RAJP/2024/3671
21 वेस्ट वे हाईटस (जेडीए योजना), जयपुर
04 यमुना विहार जयपुर RERA Regi. No. RAJP/2025/3622
01 गोविंदम आश्रम योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJP/2024/3315

68 मिश्रित उपयोग भूखण्ड

03 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खण्डवास जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - सिरोली जयपुर
05 रिंग रोड परियोजना ग्राम - गोनेर जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - लखेसरा जयपुर
04 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खटवाडा जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - चिमनपुरा जयपुर
02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - पीपला जयपुर
08 रिंग रोड परियोजना ग्राम - मुहाना जयपुर
02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - अधरावाला जयपुर
05 रिंग रोड परियोजना ग्राम - अभयपुरा जयपुर
09 रिंग रोड परियोजना ग्राम - बदनपुरा जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - मनोरियावाला जयपुर
08 रिंग रोड परियोजना ग्राम - सीतारामपुरा जयपुर
02 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खेडी गोकुलपुरा जयपुर
04 रिंग रोड परियोजना ग्राम - खेतपुरा जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - लक्ष्मीपुरा जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - सूरजपुरा जयपुर
03 रिंग रोड परियोजना ग्राम - श्यामपुरा बुहारिया जयपुर
03 रिंग रोड परियोजना ग्राम - अजयराजपुरा जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - प्रहलादपुरा जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - दादिया जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - बुरथल जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम - शिवदासपुरा जयपुर

88 आवासीय भूखण्ड

57 अभिनव विहार विस्तार, जयपुर
03 आदित्य विहार योजना, जयपुर
01 आनन्द विहार जयपुर
02 आनन्द लोक-1 जयपुर
01 अनुपम विहार योजना, जयपुर
01 अटल योजना जयपुर
01 बगरू ग्रीन योजना जयपुर
11 दीनदयाल नगर योजना जयपुर
01 फ्लेटेड हाउसिंग योजना मनोहरपुरा, जयपुर RERA Regi. No. RAJP/2023/2588
01 पटेल नगर योजना, जयपुर
01 पत्रकार कॉलोनी, जयपुर
01 स्वर्ण विहार जयपुर
02 विप्र विहार जयपुर
05 यस विहार जयपुर

15 ग्रुप हाउसिंग

04 अनुपम विहार योजना, जयपुर
11 हरित विहार योजना, जयपुर

सर्विस याई 04 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, जयपुर
गोदाम 10 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, जयपुर
07 निर्मित दुकान 04 अण्डपास, (एस.एम.एस. अस्पताल से ट्रोमा सेंटर) जयपुर; 03 विद्याधर नगर सेक्टर-1 जयपुर
06 दुकान भूखण्ड 01 आनन्द विहार योजना जयपुर; 03 विद्याधर नगर सेक्टर-8 जयपुर; 02 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, जयपुर
संस्थानिक भूखण्ड 02 रामचन्द्रपुरा योजना, जगतपुरा जयपुर RERA Regi. No

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष : 47 | अंक : 204 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका... साथ हमारा...

समाचार जगत

आर.एन.आई.नं. 35236/80

www.samacharjagat.com

जयपुर, शनिवार, 28 नवम्बर 2026, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष पंचमी संवत् 2083

@ पृष्ठ 8

लैथम-ब्लंडेल के अर्धशतक से कीवी संभले



न्यूज गैलरी

'वोट चोर, गद्दी छोड़' वाला वीडियो हटाने की याचिका खारिज

नयी दिल्ली, (वार्ता). 'भारत समिट 2026' के दौरान इतालवी नेता जियाकोमो फिलिबेक के 'वोट चोर, गद्दी छोड़' वाले वीडियो को सोशल मीडिया से हटाने की याचिका उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता ने अन्य उपलब्ध विकल्पों (जैसे सक्षम अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज करना) को आजमाने की बजाय सीधे अनुच्छेद 32 के तहत उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया। याचिकाकर्ता ने कहा कि वे किसी दंडात्मक कार्रवाई की मांग नहीं कर रहे हैं बल्कि न्यायालय से अनुरोध करते हैं कि इन वीडियो को हटाने का निर्देश दिया जाए। इसके साथ ही तेलंगाना सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा जाए कि ऐसे कार्यक्रमों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों के भाषणों को विनियमित किया जाए। पीठ ने हालांकि मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने कहा, "आपको पहले यह मुद्दा उठाना शेष पृष्ठ 4 पर

भाजपा की बैठक में शामिल हुए मोदी

नई दिल्ली (वार्ता). उत्तर प्रदेश सहित देश के सात राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने और देशभर में पार्टी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दो दिवसीय बैठक यहां शुक्रवार को शुरू हुई। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हो रही यहां के पूसा में हो रही पार्टी पदाधिकारियों की इस बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पहुंचे। मोदी और श्री नवीन ने दीप जलाकर इस बैठक की शुरुआत की। उद्घाटन सत्र की की अध्यक्षता नवीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष कर रहे हैं। इस बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पार्टी अध्यक्ष और संगठन प्रभारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना और जमीनी स्तर पर जनता से जुड़ाव बढ़ाना है। प्रधानमंत्री की मौजूदगी को इस लिहाज से अहम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक मोदी बैठक के दौरान पदाधिकारियों के साथ बातचीत कर संगठन की शेष पृष्ठ 4 पर

मिर्च मसाला



मौसम विभाग ने दी चेतावनी : प्रदेश में कम रहेगी दृश्यता, यातायात रहेगा प्रभावित

दो दिन तक कंपकंपाएगी शीतलहर, कोहरा भी बरपाएगा कहर

नई दिल्ली, (वार्ता). पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित उत्तर एवं पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में अगले दो दिनों तक घना कोहरा छाए रहने के आसार है।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को आगाह किया कि दृश्यता कम होने से हवाई, रेल और सड़क यातायात प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा पूर्वी राजस्थान में शीतलहर चलने और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है। विभाग ने शुक्रवार सुबह जारी मौसम बुलेटिन में कहा कि 27 और 28 नवंबर को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली तथा पूर्वी एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने की प्रबल आसार हैं। हिमाचल प्रदेश में 30 नवंबर तक ऐसी ही स्थिति

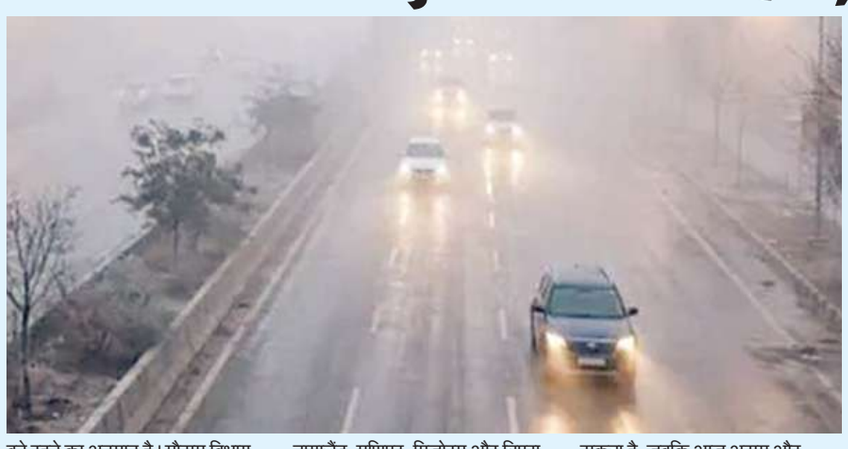

बने रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, 27 और 28 नवंबर को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ हिस्सों में भी घना कोहरा छा सकता है, जबकि आज असम और मेघालय में भी कोहरे के आसार हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि रात और सुबह के समय दृश्यता कम रहने से हवाई अड्डों का संचालन, रेल सेवाएं और राजमार्गों पर यातायात प्रभावित हो सकता है। इससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ सकता है।

मौसम विभाग ने यात्रियों को सलाह दी है कि यात्रा पर निकलने से पहले विमानन कंपनियों, रेलवे और राज्य परिवहन विभागों से अपनी यात्रा के समय की जानकारी लेते रहें। वाहन चालकों को सावधानी बरतने और गाड़ी चलाते समय फॉग लाइट का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। इसके अलावा आगाह किया है कि अत्यधिक घने कोहरे वाले इलाकों में संवेदनशील लोगों को सांस संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। इसके अलावा बिजली की लाइनों में ट्रिपिंग की समस्या शेष पृष्ठ 4 पर

50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवा

विभाग के अनुसार, 27 और 28 नवंबर को दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, जिनकी झोंकों की गति 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, तथा बिजली चमकने के साथ गरज-चमक वाले तूफान आने का अनुमान है। 29 नवंबर के आसपास दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर ऊपरी वायुमंडल में चक्रवाती परिसंचरण बनने के आसार हैं। इसके प्रभाव से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 29 नवंबर से तीन दिसंबर तक कई स्थानों पर बारिश हो सकती है। 30 नवंबर और एक दिसंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान बिजली चमकने, गरज-चमक के साथ तूफान आने और तेज हवाएं चलने का भी पूर्वानुमान है। वहीं, 29 और 30 नवंबर को अंडमान सागर में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनके झोंकों की गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। विभाग ने पूर्वी राजस्थान के किसानों को कम तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से खड़ी फसलों को बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करने की सलाह दी है। इसके अलावा सब्जियों की पौधशालाओं, नए फलदार पौधों और पशुधन की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय करने को कहा है। सप्ताह के दौरान पश्चिमी और मध्य भारत में मौसम की किसी बड़ी गतिविधि होने का अनुमान जताया गया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परिसीमन संशोधन विधेयक को दी मंजूरी

लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी

- **30 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में पेश हो सकते हैं विधेयक, दो-तिहाई बहुमत जुटाने की चुनौती**

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली. महिला आरक्षण को जल्द लागू करने और लोकसभा का आकार बढ़ाने की दिशा में मोदी सरकार ने बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में परिसीमन के जरिए महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी गई। सरकार की योजना लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि कर इनकी संख्या करीब 816 करने की है। इसके साथ ही लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता तैयार किया जाएगा।

30 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में सरकार इन प्रस्तावों को पेश कर सकती है। इस फैसले को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला मतदाताओं को बड़ा संदेश देने और राजनीतिक समीकरणों को अपने पक्ष में करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, अप्रैल में संविधान

महिला आरक्षण संविधान संशोधन विधेयक



विधेयक पारित कराना सरकार के लिए आसान नहीं होगा

विधेयक पारित कराना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। संविधान संशोधन के लिए सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई समर्थन की जरूरत होगी। लोकसभा में एनडीए की अनुमानित संख्या करीब 320 बताई जा रही है।

ऐसे में सरकार को अतिरिक्त सांसदों का समर्थन जुटाना होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका अहम मानी जा रही है। डीएमके, शरद पवार की एनसीपी (एसपी), वाईएसआर कांग्रेस और बीजू जनता दल जैसे दलों के रुख पर सबकी नजर रहेगी। खासकर डीएमके की चिंता तमिलनाडु की राजनीतिक और संसदीय हिस्सेदारी को लेकर है। वहीं, विपक्षी दलों के बीच परिसीमन और महिला आरक्षण के मुद्दे पर अलग-अलग राय भी सरकार के लिए अवसर बन सकती है।

राजनीतिक चुनौती इंडिया गठबंधन के सामने भी

राजनीतिक चुनौती इंडिया गठबंधन के सामने भी है। महिला आरक्षण के सिद्धांत का विरोध करना विपक्ष के लिए मुश्किल है, जबकि परिसीमन की शर्तों पर दक्षिण और उत्तर भारत के राज्यों के हितों को लेकर मतभेद उभर सकते हैं। ऐसे में संसद का विशेष सत्र मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण परीक्षा साबित होगा। यदि सरकार दो-तिहाई बहुमत जुटाने में सफल रहती है तो महिला आरक्षण लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने के साथ 2029 के चुनाव से पहले विपक्षी एकजुटता को भी राजनीतिक चुनौती दे सकती है।

संशोधन विधेयक को लोकसभा में अपेक्षित समर्थन नहीं मिलने के बाद सरकार इस बार नए प्रस्तावों के साथ आगे बढ़ रही है। परिसीमन को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों की आशंकाओं को दूर करने के लिए सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में समान अनुपात से 50 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इससे राज्यों के बीच मौजूदा आनुपातिक हिस्सेदारी 2051 तक बनाए रखने की व्यवस्था का दावा किया जा रहा है।

सीएम ने की यमुना जल समझौता एवं रामजल सेतु लिंक परियोजना की समीक्षा

जल्द से जल्द जल परियोजनाओं को किया जाए पूर्ण : मुख्यमंत्री

समाचार जगत न्यूज



जयपुर. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में यमुना जल समझौता एवं रामजल सेतु लिंक परियोजना को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली। मुख्यमंत्री ने दोनों परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करते हुए जनता को लाभान्वित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी निर्धारित अंतराल पर मौके पर पहुंचें और धरातल पर हो रही कार्य प्रगति की निरंतर मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं से संबंधित भूमि अवाप्ति, विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित सभी संबंधित कार्यों को लेकर विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और काम में तेजी लाएं, ताकि प्रदेश जल्द से जल्द जल आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सके। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला आईएएस को अश्लील संदेश भेजने वाला टीवीके विधायक गिरफ्तार

चेन्नई, (वार्ता). तमिलनाडु पुलिस ने सत्तारूढ़ टीवीके के कल्लाकुरिची विधायक सी अरुल विग्नेश को एक महिला आईएएस अधिकारी को अश्लील संदेश भेजकर दुर्व्यवहार करने के मामले में तीन दिनों की गहन पूछताछ के बाद शुक्रवार शाम को गिरफ्तार कर लिया। विग्नेश पर अश्लील व्हाट्सएप संदेश भेजने और शराब के नशे में आईएएस अधिकारी के आवास में जबरदस्ती घुसने का आरोप है। उन्हें कल्लाकुरिची स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर पुलिस जीप में ले जाया गया। औपचारिक चिकित्सा जांच के लिए सरकारी अस्पताल ले जाने के बाद उन्हें अदालत में पेश किया जायेगा। उनकी गिरफ्तारी से पहले उनके आवास पर बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था और वहां बड़ी तादाद में जमा हुए उनके समर्थकों को स्थान खाली करने शेष पृष्ठ 4 पर

छात्र खुदकुशी के भयावह आंकड़ों से हरकत में आया तंत्र

आत्महत्या हुई तो जवाबदेही स्कूलों की होगी !



ज्ञानचंद जैन

नई दिल्ली. देश भर के स्कूलों और कॉलेजों में बढ़ते पढ़ाई के दबाव और छात्र आत्महत्याओं के भयावह आंकड़ों ने आखिरकार नीति-निर्माताओं की नींद तोड़ दी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट में सामने आए चौंकाने वाले सच के बाद अब छात्रों की मानसिक सेहत को सिर्फ परिवार या व्यक्ति का निजी मामला नहीं माना जाएगा। यूनेस्को के सहयोग से दिल्ली सरकार ने 'एहसास 2026' नीति लागू करके स्पष्ट कर दिया है कि बच्चों की मानसिक खुशहाली की सीधी जवाबदेही स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों की होगी। दरअसल, व्यवस्था में इस बड़े बदलाव की सबसे बड़ी वजह एनसीआरबी की मई में जारी 'एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया' रिपोर्ट है, जिसने शिक्षा जगत और सरकार दोनों को झकझोर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2024 में देश के 14 हजार 488 छात्रों ने मौत को गले लगा लिया। ये आंकडा 2023 के 13 हजार 892 मामलों से 4.3 फीसदी ज्यादा है। रिपोर्ट कहती है कि छात्र आत्महत्याओं में 62 फीसदी से अधिक का उछाल आया है और कुल आत्महत्याओं में करीब 8.5 फीसदी हिस्सेदारी अकेले स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों की है। लंबे समय से अंकों की होड़, परीक्षा के तनाव, पारिवारिक हालात, सामाजिक अलगाव और भविष्य की अनिश्चितता के बीच पिस रहे नौजवान अपनी उलझन को शब्दों में बयां नहीं कर पा रहे थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने रटने के बजाय रचनात्मकता और सहनशील बोझ की जो जमीन तैयार की थी, उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए अब मानसिक स्वास्थ्य को संस्थागत ढांचे में अनिवार्य किया जा रहा है। इस नई व्यवस्था के तहत स्कूलों में हर 500 छात्रों पर एक काउंसलर की तैनाती, समर्पित हेल्पलाइन, जिला स्तर पर वेलबीइंग सेंटर, शिक्षकों व अभिभावकों की ट्रेनिंग और गंभीर मामलों को तुरंत ऊपर तक पहुंचाने के लिए एक तय एस्केलेशन मैकेनिज्म लागू करने का खाका तैयार किया गया है। हालांकि, राष्ट्रीय स्तर पर नीति के लागू होने की राह तय होनी बाकी है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इस नीति के तहत हर 500 बच्चों पर एक काउंसलर नियुक्ति का प्रस्ताव स्कूलों में बच्चों की मानसिक सेहत पर नजर रखना सम्भव हो जाएगा।

गवई ने राष्ट्रपति को पत्र भेज उठाए सवाल : आबादी 5 फीसदी से कम फिर भी

अगडों की सुप्रीम कोर्ट में हिस्सेदारी 40 प्रतिशत क्यों

वार्ता

अमरावती. भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्तियों एवं स्थानांतरण में पक्षपात तथा विविधता की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखा है।

सेवानिवृति के बाद से अपना अधिकतर समय गवई अपने गृहनगर महाराष्ट्र के अमरावती में ही बिताते हैं। उन्होंने शुक्रवार को पत्र में आरोप लगाया कि उच्चतम न्यायालय का कॉलेजियम एक विशेष समुदाय के उम्मीदवारों को तेजी से प्राथमिकता दे रहा है, जबकि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अल्पसंख्यकों और महिलाओं को हाशिए पर रखा जा रहा है।

उन्होंने उच्च न्यायपालिका में समाज के सभी वर्गों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि न्यायिक नियुक्तियों में योग्यता, विविधता और समावेशिता के सिद्धांत परिलक्षित होने चाहिए।

समुदाय का नाम लिए बिना गवई ने रेखांकित किया कि देश की आबादी के पांच प्रतिशत से भी कम हिस्से वाला एक वर्ग उच्चतम न्यायालय में 40 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधित्व रखता



है, और हाल के वर्षों में इसकी हिस्सेदारी में काफी वृद्धि हुई है। संसद में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 2018 के बाद से विभिन्न उच्च न्यायालयों में नियुक्त किये गये 715 न्यायाधीशों में से केवल 22 एससी समुदाय, 16 एसटी समुदाय, 89 ओबीसी श्रेणी और 37 अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित थे।

उन्होंने आगे कहा कि जनवरी 2021 और जनवरी 2026 के बीच की गई लगभग 80 प्रतिशत न्यायिक नियुक्तियां अगड़े समुदायों से थीं, जबकि ओबीसी का प्रतिनिधित्व 14 प्रतिशत से कम रहा।

गवई ने उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के कुछ हालिया स्थानांतरणों पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि जिन न्यायाधीशों का पहले छोटे उच्च न्यायालयों में तबादला किया गया था, उन्हें बाद में प्रमुख उच्च न्यायालयों में नियुक्ति देकर पुरस्कृत किया गया, जबकि मेधावी न्यायाधीशों को कम प्रमुख संस्थानों में भेज दिया गया।

उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय मेहनती न्यायाधीशों के मनोबल को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकते हैं और न्यायपालिका में निष्पक्षता एवं समावेशिता के सिद्धांतों को कमजोर कर सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 124(2) का उल्लेख करते हुए गवई ने कहा कि न्यायिक नियुक्तियों में कॉलेजियम की प्रधानता उसे जवाबदेही से मुक्त नहीं करती है और न ही राष्ट्रपति को उनके संवैधानिक दायित्वों से बरी करती है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि नियुक्ति प्रक्रिया में कार्यपालिका और संसद समान हितधारक हैं और उच्च न्यायपालिका में पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना एक साझा संवैधानिक जिम्मेदारी है।

पूर्व सीजेआई ने अपने पत्र की प्रतियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को भी भेजी हैं।

राजस्थानी लोक संगीत का भारत से वैश्विक परिप्रेक्ष्य तक सुनहरा सफर

राजस्थान की लोकधुनों को डिजिटल पंख: विश्व के सांस्कृतिक मानचित्र पर नई पहचान की ओर अग्रसर भारतीय संस्कृति

वीणा म्यूजिक ऐप भारत की वैश्विक सॉफ्ट पावर को नई ऊँचाई देने का प्रयास है 'घूमर वॉल्यूम-5 : जयपुर में राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे करेंगे ऐप का लोकार्पण

नीति गोपेंद्र भट्ट
कला समीक्षक

जब दुनिया के किसी कोने में 'केसरिया बालम' की स्वर लहरियाँ गूँजती हैं, जब माँड़ की मिठास श्रोताओं को भाव-विभोर करती है, जब घूमर की थिरकन राजस्थान की सांस्कृतिक छवि को जीवंत करती है और जब मांगणियार तथा लंगा कलाकारों की आवाज मरुस्थल की अनूठी संगीत परंपरा का परिचय कराती है, तब वह केवल संगीत का अनुभव नहीं होता, बल्कि भारत की सदियों पुरानी सभ्यता, लोकजीवन और सांस्कृतिक आत्मा से साक्षात्कार होने का अहसास होता है। देश-दुनिया में राजस्थानी संगीत और संस्कृति को हर घर की चौखट तक पहुँचाने का कार्य कर अमर हो गए केसरी चंद मालू (के.सी. मालू) ने अपने परिवार के परंपरागत व्यापार एवं व्यवसाय को छोड़ अपने जीवन का लक्ष्य राजस्थान के लोकसंगीत को उसकी गौरवमयी विरासत और परंपरा को आगे बढ़ाने, उसकी गरिमा बनाए रखते हुए लोकप्रिय बनाने तथा सैकड़ों कलाकारों की प्रतिभाओं को तराशने के साथ ही उनकी आजीविका का स्थायी साधन बनाने में अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया।

आज राजस्थान की पहचान उसके ऐतिहासिक दुर्गों, भव्य महलों, मरुस्थलीय विस्तार, रंग-बिरंगी वेशभूषा और शौर्यगाथाओं तक ही सीमित नहीं है। इस प्रदेश की वास्तविक आत्मा उसके लोकसंगीत, लोकभाषाओं, लोककलाओं और पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक परंपराओं में बसती है। यहाँ के गीतों में इतिहास है, वीरता है, प्रेम और विरह की संवेदनाएँ हैं, भक्ति है, प्रकृति के प्रति अनुराग है और कठिन परिस्थितियों में भी जीवन को उत्सव की तरह जीने का दर्शन है।राजस्थान की लोकधुनें किसी एक भूभाग या समुदाय की संपत्ति नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विविधता की अमूल्य धरोहर हैं। यही कारण है कि स्वर्गीय के.सी. मालू के अथक प्रयासों से इन धुनों ने देश की सीमाओं को पार कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है।

राजस्थान का जादुई लोकसंगीत : मनोरंजन नहीं, सभ्यता की जीवंत अभिव्यक्ति : राजस्थान का लोकसंगीत सदियों के सामाजिक अनुभवों और सांस्कृतिक विकास का जीवंत दस्तावेज है। यहाँ के गीत जीवन के प्रत्येक अवसर से जुड़े हैं। जन्म, विवाह, तीज-त्योहार, वर्षा की प्रतीक्षा, खेती, प्रेम, विरह, युद्ध, शौर्य और आध्यात्मिक साधना—हर भाव की अपनी लोकधुन और अपनी अभिव्यक्ति है।

मारवाड़ की माँड़, मेवाड़ की लोकपरंपराएँ, ढूँढाड़ के गीत, शेखावाटी की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ, हाड़ौती और वागड़ की लोकधुनें तथा मेवात और अन्य क्षेत्रों की संगीत शैलियाँ राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता को अभिव्यक्त करती हैं। पनिहारी गीतों में ग्रामीण जीवन की संवेदना है, घूमर में उत्सवधर्मिता है, चंग और गेर में सामूहिक उल्लास है और लोकदेवताओं के भजनों में जनआस्था की गहरी अभिव्यक्ति है। मांगणियार और लंगा समुदायों की संगीत परंपराएँ राजस्थान की सबसे विशिष्ट सांस्कृतिक उपलब्धियों में गिनी जाती हैं।

कमायचा, खड़ताल, सारंगी, रावणहत्था, मोरचंग, भपंग और अन्य पारंपरिक वाद्ययंत्रों की ध्वनि इस प्रदेश को अलग पहचान देती है। इन कलाकारों ने पीढ़ियों से मौखिक परंपराओं के माध्यम से संगीत को जीवित रखा है। उनके गीतों में राजस्थान का इतिहास, सामाजिक सद्भाव, धार्मिक आस्था, प्रकृति, लोककथाएँ और मानवीय संबंधों की अनगिनत कहानियाँ सुरक्षित हैं, लेकिन बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में इन परंपराओं के सामने नई चुनौतियाँ भी हैं। अनेक दुर्लभ लोकगीत और धुनें आज भी सीमित समुदायों और कलाकार परिवारों तक सिमटी हुई हैं। युवा पीढ़ी का पारंपरिक संगीत से जुड़ाव भी कई क्षेत्रों में कमजोर हुआ है।

यदि समय रहते इनका व्यवस्थित दस्तावेजीकरण, संरक्षण और डिजिटल प्रसार नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ इस अमूल्य विरासत के कई हिस्सों से वंचित हो सकती हैं। इसलिए लोकसंस्कृति का संरक्षण केवल पुराने गीतों को सुरक्षित रखने का विषय नहीं है। यह हमारी सामूहिक स्मृति, भाषायी पहचान और सामाजिक इतिहास को भविष्य तक पहुँचाने का दायित्व है।

वीणा म्यूजिक : 1987 से शुरू हुई सांस्कृतिक यात्रा और नई पीढ़ी का संकल्प : राजस्थान की इस सांस्कृतिक यात्रा में 1987 में स्थापित वीणा म्यूजिक समूह, जयपुर का योगदान उल्लेखनीय रहा है।

मई 1987 में जयपुर से शुरू हुई इस यात्रा के पीछे स्वर्गीय के.सी. मालू की दूरदर्शिता, संगीत के प्रति समर्पण और राजस्थानी लोकसंस्कृति को व्यापक पहचान दिलाने का संकल्प था। उस समय अश्लीलता और फूहड़ता भरे राजस्थानी संगीत का स्तर काफी हल्का एवं निम्न था और इस कारण इसका बाजार भी सीमित था। लोकगीतों की रिकॉर्डिंग, वितरण और प्रचार-प्रसार के साधन भी आज की तुलना में काफी सीमित थे।

ऐसे दौर में के.सी. मालू जी ने समझा कि राजस्थान की लोकधुनों के स्तर और मर्यादा को सम्मानजनक स्थान दिलाने तथा उसकी सस्ती लोकप्रियता के स्थान पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की क्षमता को विकसित किया जा सकता है। उन्होंने लोकसंगीत को आधुनिक रिकॉर्डिंग तकनीक से जोड़ने, लोकगायकों और संगीतकारों को मंच उपलब्ध कराने तथा पारंपरिक धुनों को नए श्रोता वर्ग तक पहुँचाने का प्रयास किया।

वीणा ने लोकसंगीत को केवल व्यावसायिक उत्पाद नहीं, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान और विरासत के रूप में प्रस्तुत करने की दिशा में काम किया। कैसेट और ऑडियो सीडी के दौर से शुरू हुई यह यात्रा आज यूट्यूब, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों तक पहुँच चुकी है। वीणा म्यूजिक की वेबसाइट के अनुसार, उसके पास 4,000 से अधिक मूल मास्टर ट्रैक और 200 से अधिक चर्चित एल्बमों की विरासत है। यह उपलब्धि बताती है कि क्षेत्रीय भाषा और लोकसंगीत की अपनी व्यापक रचनात्मक क्षमता है और सही दृष्टिकोण के साथ उसे बड़े मंच तक पहुँचाया जा सकता है। वीणा की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि उसने राजस्थान के लोकसंगीत को आधुनिक संगीत निर्माण और प्रस्तुति से जोड़ते हुए उसकी पारंपरिक पहचान को व्यापक बनाने का प्रयास किया। इस तरह यह समूह केवल संगीत निर्माण करने वाला प्रतिष्ठान नहीं, बल्कि राजस्थान की लोकधरोहर को संरक्षित और प्रचारित करने वाली एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक संस्था के रूप में भी उभरा है। वीणा की 'घूमर' संगीत श्रृंखला इस यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज इस नृत्य के गीतों के वीणा म्यूजिक के चार सफल संस्करणों ने राजस्थानी संगीत को व्यापक श्रोता वर्ग तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब 4 दिसंबर 2026 को 'घूमर वॉल्यूम-5' के विमोचन का प्रस्ताव इस सांस्कृतिक परंपरा की निरंतरता का संकेत है। इसके पूर्व आगामी 29 नवंबर 2026 को जयपुर में वीणा म्यूजिक मोबाइल ऐप का लोकार्पण भी प्रस्तावित है।

के.सी. मालू : एक व्यक्ति नहीं, लोकसंस्कृति को समर्पित विचार : किसी भी संस्थान की वास्तविक पहचान केवल उसकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उसके पीछे काम करने वाले विचार और दृष्टिकोण से बनती है। वीणा म्यूजिक की स्थापना के पीछे भी ऐसा ही एक सांस्कृतिक विचार था। राजस्थान सरकार के सर्वोच्च सिविल अवार्ड 'राजस्थान रत्न' अलंकरण से सम्मानित स्वर्गीय के.सी. मालू का योगदान केवल गीतों के निर्माण और प्रसार तक सीमित नहीं था।

वे राजस्थानी भाषा, लोकसंगीत और सांस्कृतिक अस्मिता के महत्व को समझते थे। उनके लिए लोकगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि राजस्थान की सामूहिक स्मृति और सामाजिक पहचान के वाहक थे। राजस्थानी भाषा की पहचान और उसे व्यापक मान्यता दिलाने के प्रयासों में भी उनकी रुचि और भागीदारी रही। उन्होंने यह समझा कि किसी भी समाज की सांस्कृतिक पहचान तभी सुरक्षित रह सकती है, जब उसकी भाषा, साहित्य, संगीत और परंपराओं को सम्मान तथा संरक्षण मिले। विगत 14 जुलाई 2026 को जयपुर में उनके असामयिक निधन से राजस्थान के संगीत और सांस्कृतिक जगत को गहरा आघात लगा, लेकिन किसी व्यक्ति का वास्तविक योगदान उसकी अनुपस्थिति के बाद भी उसके विचारों, संस्थागत विरासत और नई पीढ़ी के संकल्प में जीवित रहता है।अब उनके पुत्र हेमजीत मालू और वीणा समूह की नई पीढ़ी इस यात्रा को आधुनिक तकनीक और बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाने में जुटी है।

मोबाइल ऐप इसी प्रयास की महत्वपूर्ण कड़ी है। हेमजीत मालू के सामने चुनौती केवल एक डिजिटल उत्पाद को सफल बनाने की नहीं, बल्कि अपने पिता की सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने और उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने की भी है। यदि यह पहल कलाकारों, श्रोताओं, शोधकर्ताओं और प्रवासी समुदाय को एक साझा मंच पर ला पाती है, तो यह व्यक्तिगत विरासत से आगे बढ़कर राजस्थान की सांस्कृतिक संपदा के संरक्षण का माध्यम बन सकती है।

स्वर्गीय के.सी. मालू और वीणा म्यूजिक समूह की चार दशकों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से दुनिया के कोने-कोने तक पहुँचाने की दिशा में जयपुर के प्रतिष्ठित वीणा म्यूजिक समूह की नई पहल महत्वपूर्ण सांस्कृतिक घटना के रूप में सामने आ रही है। आगामी 29 नवंबर 2026 को जयपुर में वीणा म्यूजिक मोबाइल ऐप का लोकार्पण प्रस्तावित है। यह पहल केवल एक मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ नहीं, बल्कि राजस्थान के लोकसंगीत को डिजिटल युग की संभावनाओं से जोड़ने और उसे वैश्विक मंच उपलब्ध कराने का एक दूरदर्शी प्रयास है।**जयपुर से दुनिया तक : 29 नवंबर की पहल और नई उम्मीदें :** वीणा म्यूजिक ऐप का प्रस्तावित लोकार्पण राजस्थान की सांस्कृतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण अवसर है। वीणा समूह के प्रबंध निदेशक हेमजीत मालू के अनुसार, 29 नवंबर के जयपुर समारोह के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और गजेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, राजस्थान धरोहर प्रोत्साहन प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत तथा राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। यह समारोह केवल एक डिजिटल उत्पाद के लोकार्पण तक सीमित न रहे, बल्कि राजस्थान की लोकसंस्कृति के भविष्य पर व्यापक संवाद का अवसर भी बने। इसमें सरकार, संगीत जगत, कलाकारों, शिक्षाविदों, प्रवासी संगठनों और डिजिटल तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी। इस अवसर पर एक दीर्घकालिक सांस्कृतिक संकल्प भी सामने आना चाहिए—राजस्थान की दुर्लभ लोकधुनों का संरक्षण, कलाकारों की आर्थिक सुरक्षा, नई प्रतिभाओं का प्रशिक्षण, राजस्थानी भाषा का प्रचार, डिजिटल अभिलेखागार का निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक नेटवर्क का विकास।

वीणा ऐप में उपलब्ध कराई जाने वाली विशेष सुविधाओं और नवोदित कलाकारों के लिए प्रस्तावित व्यवस्थाओं को भी इस व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप विकसित करना होगा। उसकी सफलता केवल श्रोताओं की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से भी मापी जानी चाहिए कि कितने कलाकारों को अवसर मिला, कितनी दुर्लभ धुनें संरक्षित हुईं और कितने नए श्रोता राजस्थान की संस्कृति से जुड़े।

माटी की खुशबू को तकनीक के पंख देने का समय : आज दुनिया आधुनिकता की ओर तेजी से बढ़ रही है, लेकिन साथ ही अपनी सांस्कृतिक जड़ों की तलाश भी कर रही है। परंपरा और तकनीक के बीच संतुलन स्थापित करना ही किसी जीवंत सभ्यता की सबसे बड़ी विशेषता है।

राजस्थान की लोकसंस्कृति में यह क्षमता सदियों से मौजूद है। यहाँ की धुनें समय के साथ बदलते माध्यमों में ढलती रही हैं, लेकिन उनकी आत्मा आज भी जीवित है।

के.सी. मालू ने जिस विश्वास और समर्पण के साथ वीणा म्यूजिक की नींव रखी थी, हेमजीत मालू और उनकी टीम के सामने अब उस विरासत को डिजिटल युग की संभावनाओं से जोड़ने का अवसर है। 29 नवंबर को जयपुर से शुरू होने वाली यह पहल यदि कलाकारों, सरकार, समाज, प्रवासी समुदाय और अंतरराष्ट्रीय श्रोताओं को एक साझा मंच पर जोड़ने में सफल होती है, तो यह राजस्थान की सांस्कृतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

आने वाले समय में राजस्थान के किसी छोटे से गाँव में बैठा लोकगायक अपनी आवाज से लंदन, न्यूयॉर्क, टोक्यो, दुबई और मॉरीशस के श्रोताओं तक पहुँच सकेगा।

किसी पारंपरिक कलाकार की पीढ़ियों पुरानी धुन डिजिटल अभिलेखागार में सुरक्षित रह सकेगी और दुनिया के किसी विश्वविद्यालय में राजस्थान के लोकसंगीत पर शोध का आधार बन सकेगी। यही डिजिटल युग की वास्तविक उपलब्धि होगी—जब तकनीक केवल बाजार का विस्तार न करे, बल्कि संस्कृति को बचाए, कलाकार को सम्मान दिलाए और आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़े। राजस्थान का संगीत केवल राजस्थान की धरोहर नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक संपदा और मानवता की साझा विरासत है।

इसे दुनिया तक पहुँचाना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है और भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व भी। रेगिस्तान की रेत से उठी ये स्वर लहरियाँ अब स्वर सरिता मासिक पत्रिका, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ ही डिजिटल आकाश में नया विस्तार पाएँगी। जब माँड़ की मिठास, घूमर की थिरकन, मांगणियारों की स्वर साधना और 'केसरिया बालम' की पुकार दुनिया के हर कोने में गूँजेगी, तब राजस्थान केवल अपनी सांस्कृतिक पहचान का उत्सव नहीं मनाएगा, बल्कि भारत की सभ्यतागत विरासत का वैश्विक परिचय भी देगा।

पृष्ठ 1 का शेष...

'वोट चोर, गद्दी छोड़'...

चाहिए कि सरकार को इस देश के नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को विनियमित करने का अधिकार होना चाहिए। उसके बाद आप विदेशियों के बारे में बात करें। याचिका खारिज की जाती है।"

याचिका में आरोप लगाया गया था कि 'पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स' के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक ने भारत की घरेलू राजनीतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया। उन्होंने विपक्ष के नारे का इस्तेमाल किया और समिट में मौजूद विदेशी प्रतिनिधियों के लिए उसका अंग्रेजी में अनुवाद भी किया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने सुनवाई के दौरान यह भी बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने श्री फिलिबेक को स्पष्ट कर दिया था कि इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

याचिका में यह जांचने की भी मांग की गई थी कि क्या श्री फिलिबेक का व्यवहार भारत में विदेशी नागरिकों के प्रवेश और गतिविधियों से जुड़े नियमों के अनुरूप था या नहीं। इसके साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय करने की भी मांग की गई थी। इसके अलावा तेलंगाना सरकार से माफी और एक लिखित आश्वासन देने की मांग की गई थी। इसके साथ ही समिट के आयोजन से जुड़ी परिस्थितियों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का भी अनुरोध किया गया था। इससे पहले 18 नवंबर को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया गया था। अधिवक्ता सैयद रिजवान अहमद ने वीडियो के लगातार वायरल होने पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी, जिसके बाद पीठ ने याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई थी। फिलिबेक 'भारत समिट' में शामिल होने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों में से एक थे। इस समिट का आयोजन तेलंगाना सरकार ने 'समृद्ध भारत फाउंडेशन' सहित अन्य संगठनों के साथ मिलकर हैदराबाद में किया था, जिसमें लगभग 70 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा दिया था, जिसे बाद में विपक्ष ने अपने एक राजनीतिक नारे के रूप में अपना लिया।

भाजपा की बैठक में...

प्राथमिकताओं पर मार्गदर्शन देंगे। गौरतलब है कि अगले साल उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और पार्टी इन चुनावों में उतरे के लिए अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भाजपा पदाधिकारी इस बैठक में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति, संगठन के कामकाज की समीक्षा और पार्टी के आगामी गतिविधियों पर चर्चा होगी। इससे पहले श्री नवीन के साथ पार्टी के सांसद और पार्टी पदाधिकारी तीन बसों में सवार होकर पार्टी मुख्यालय से बैठक स्थल के लिए रवाना हुए। इसके माध्यम से श्री नवीन ने विपक्षी दलों को यह संदेश देने की कोशिश की कि उनकी पार्टी एकसाथ हैं और आने वाले चुनावों के लिए कमर कस चुकी है।

प्रदेश को दो दिन तक...

भी पैदा हो सकती है। विभाग के अनुसार, 27 और 28 नवंबर को पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर शीतलहर चल सकती है। इससे कृषि, पशुधन, जलापूर्ति, परिवहन और बिजली ढांचे पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। राजस्थान के सीकर में गुरुवार को न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो देश के मैदानी इलाकों में सबसे कम रहा। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 से तीन डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया, जबकि कुछ स्थानों पर यह सामान्य से 3.1 से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। कोहरे और शीतलहर की चेतावनी के बावजूद उत्तर-पश्चिम भारत में तीन दिसंबर तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। इस बीच, आज केरल, माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।

महिला आईएएस...

के लिए कहा गया। मद्रास उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद आईएएस अधिकारी द्वारा 23 नवंबर की शाम कल्लाकुरिची के जिला पुलिस अधीक्षक के पास औपचारिक लिखित शिकायत दर्ज कराते ही उनकी गिरफ्तारी तय हो गयी थी। इससे पहले न्यायालय ने कहा था कि सरकार के इस बयान के बाद कि महिला आईएएस अधिकारी से कोई औपचारिक शिकायत या अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुआ है, वह किसी शिकायत के अभाव में मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी।

रिपोर्टों के अनुसार उन पर पांच धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिनमें तीन गैर-जमानती अपराध और एक सरकारी अधिकारी को अपने आधिकारिक कर्तव्य के निर्वहन से रोकने से संबंधित धाराएं शामिल हैं। एक महिला अधिवक्ता द्वारा विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने तथा मामले की निष्पक्ष, तटस्थ और त्वरित जांच करने के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर 24 नवंबर को हुई सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय को सूचित किया गया कि उन पर तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अभियोजन पक्ष ने यह भी बताया था कि मामले में तिरुपुर के जिला पुलिस अधीक्षक सृष्टि सिंह को जांच अधिकारी (आईओ) नियुक्त किया गया है और जांच की निगरानी पुलिस महानिरीक्षक (प्रशासन) कामिनी करेंगी। जांच अधिकारी द्वारा पिछले तीन दिनों तक की गई गहन पूछताछ के बाद आज शाम विग्नेश को गिरफ्तार कर लिया गया।

न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में सरकार ने महिला आईएएस अधिकारी द्वारा अरुल विग्नेश के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न की शिकायत की जांच के लिए चार सदस्यीय आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का भी गठन किया। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव काकरला उषा इसकी अध्यक्ष होंगी, जबकि एस. मधुमती (सचिव, दिव्यांगजन कल्याण), पी. सुमति (सचिव, विधि विभाग) और सुनीता जो (सामाजिक कार्यकर्ता) इसकी सदस्य होंगी।आईसीसी को 60 दिनों के भीतर जांच पूरी करने और कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) के तहत आगे बढ़ने के लिए कहा गया है।

नौसेना के बेडे में शामिल हुआ 'विंध्यगिरि'

नई दिल्ली (वार्ता). परियोजना पी-17 ए के तहत निर्मित नीलगिरि श्रेणी का सातवां और अंतिम स्टील्थ फ्रिगेट 'विंध्यगिरि' शुक्रवार को नौसेना के बेड़े में शामिल हो गया।कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने इसे नौसेना को सौंपा। इसके साथ ही परियोजना के तहत सभी सात युद्धपोतों की आपूर्ति पूरी हो गई है। इसे युद्धपोतों के स्वदेशी डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

'विंध्यगिरि' इस श्रेणी का तीसरा युद्धपोत है, जिसका निर्माण जीआरएसई ने किया है। परियोजना पी-17ए के तहत बने ये फ्रिगेट समुद्री क्षेत्र की मौजूदा और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किए गए बहुउद्देशीय युद्धपोत हैं। कर्नाटक की विंध्यगिरि पर्वत शृंखला के नाम पर इसका नाम रखा गया है। यह पहले के आईएनएस विंध्यगिरि का नया रूप है, जो लियेंडर श्रेणी का फ्रिगेट था और 8 जुलाई 1981 से 11 जून 2012 तक 31 साल भारतीय नौसेना में सेवा दे चुका था।नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने इसका डिजाइन तैयार किया है। पी-17ए श्रेणी के युद्धपोतों में आधुनिक हथियार और सेंसर लगाए गए हैं। इनमें शत्रु के सतही जहाजों, हवाई हमलों और पनडुब्बियों से निपटने की क्षमता है। इनका प्रणोदन तंत्र डीजल इंजन और गैस टर्बाइन पर आधारित है।

दौसा लोस क्षेत्र में कांग्रेस का दबदबा 21 में से 17 पंचायत समितियों में प्रधान

दौसा, समाचार जगत ब्यूरो. पंचायत समिति प्रधान के चुनाव परिणामों में कांग्रेस ने दौसा लोकसभा क्षेत्र में मजबूत राजनीतिक बढ़त दर्ज की है। लोकसभा क्षेत्र की 21 पंचायत समितियों में से 17 में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी प्रधान निर्वाचित हुए हैं। वहीं दौसा जिले की 14 पंचायत समितियों में कांग्रेस ने 11 पर कब्जा जमाया है।

कांग्रेस ने इस प्रदर्शन को कार्यकर्ताओं की मेहनत, संगठन की एकजुटता और जनता के विश्वास की जीत बताया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि चुनाव के दौरान सांसद मुरारी लाल मीणा की रणनीति, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय और स्थानीय स्तर पर प्रभावी चुनाव प्रबंधन का परिणाम अब सामने आया है। दौसा पंचायत समिति में अनीता गुर्जर, नांगल राजावतान में रजनी बैरवा, लवाण में नारंगी देवी सैनी, सिकराय में अर्चना मीना, सिकंदरा में मलखान गुर्जर, लालसोट में चंद्रकांता शर्मा और रामगढ़ पचवारा में सीमा मीणा प्रधान निर्वाचित हुईं। इसी क्रम में मंडावर से संतरा मीणा, महवा से सत्य नारायण सैनी, बसवा से कमला मीना, बैजूपाड़ा से सागर बाई मीणा, थानागाजी-राजगढ़ से बीना मीणा, बस्सी से लालाराम सैनी, तुंगा से रामफूल बैरवा, कोटखावदा से अनोखी रैगर, माधोराजपुरा से प्रियंका गुर्जर तथा चाकसू से संतोष मीणा प्रधान निर्वाचित हुए। कांग्रेस ने कहा कि परिणाम केवल राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि जनहित, सामाजिक समरसता और भाईचारे की राजनीति के प्रति जनता के भरोसे का संकेत हैं। पार्टी के अनुसार, विभिन्न सामाजिक वर्गों से मिले समर्थन ने संगठन की जमीनी पकड़ को मजबूत किया है। पार्टी नेताओं ने नवनिर्वाचित प्रधानों से अपेक्षा जताई कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी वर्गों को साथ लेकर पंचायत समितियों के विकास, बुनियादी सुविधाओं और जनकल्याण के कामों को प्राथमिकता देंगे। कांग्रेस के इस प्रदर्शन से दौसा लोकसभा क्षेत्र में पार्टी के संगठनात्मक प्रभाव को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। पंचायत राज चुनाव के परिणामों को आगामी स्थानीय राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले का समापन

पचास लाख रुपए से ज्यादा का कारोबार

- **राजस्थान पवेलियन का लाखों लोगों ने किया भ्रमण**

समाचार जगत ब्यूरो



नई दिल्ली. नई दिल्ली के प्रगति मैदान में शुक्रवार को सम्पन्न हुए चौदह दिवसीय 45 वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में राजस्थान पवेलियन जन आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहा और लाखों लोगों ने पवेलियन का अवलोकन किया। राजस्थान पवेलियन के निदेशक हर्ष शर्मा ने बताया कि राजस्थान हस्तशिल्प के प्रति आकर्षण के चलते पवेलियन में करीब 50 लाख का कारोबार हुआ। इसमें सबसे अधिक बिक्री जयपुरी रजाईयां, राजस्थानी हेंडीक्राफ्ट और राजस्थानी परिधानों के साथ-साथ राजस्थानी खानपान की हुई।

उल्लेखनीय है कि व्यापार मेले के इस मंच के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'विकसित राजस्थान' के विजन को मुख्य रूप से प्रस्तुत किया गया।

राजस्थान पवेलियन में प्रदेश के 41 जिलों के ओडीओपी उत्पादों एवं 24 जीआई टैग उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। वहीं, 44 स्टॉलों के माध्यम से शिल्पकारों, उद्यमियों, उत्पाद निर्माताओं एवं महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का अवसर प्रदान किया गया था।मेले की थीम 'विकास और विरासत' के अनुरूप पवेलियन में राजस्थान की पारंपरिक कला, संस्कृति एवं शिल्प को आधुनिक तकनीक, उद्योग, निवेश और विकास की संभावनाओं के साथ प्रस्तुत किया गया। मेले के दौरान आकर्षक 'पीकॉक गेट' एवं 'नमस्ते गेट', एआई आधारित डिजिटल झरोखा, कठपुतली कियोस्क, सेल्फी झरोखा और 3डी प्रिंटिंग जैसी तकनीकी प्रस्तुतियां आगंतुकों के विशेष आकर्षण का केंद्र रही।14 दिन तक चले व्यापार मेले में विभिन्न देशों के गणमान्य प्रतिनिधियों ने भी राजस्थान पवेलियन का भ्रमण कर राजस्थानी कला संस्कृति और हैंडीक्राफ्ट से ओतप्रोत पवेलियन की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा राजस्थानी आर्टिजंस के साथ रूबरू होकर अपने अनुभव बांटे।

न्यूज गैलरी

विद्यार्थियों को दिया संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश



जयपुर,समाचार जगत न्यूज. दुर्गापुरा स्थित विद्यास्थली विधि महाविद्यालय में संविधान दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोटा विश्वविद्यालय, कोटा के संस्थापक कुलपति प्रो. बीएल वर्मा ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गुप्ता एवं संस्था सचिव डॉ. योगेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान भारतीय संविधान की महत्ता, संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक व्यवस्था, मौलिक अधिकारों एवं नागरिकों के कर्तव्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।अध्यक्षता कर प्रोफेसर वर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के आदर्शों को प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने विधि के विद्यार्थियों से संविधान की गहन जानकारी प्राप्त कर समाज में न्याय एवं संवैधानिक जागरूकता के प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.र गुप्ता ने संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विधि के विद्यार्थियों के लिए संविधान का अध्ययन केवल शैक्षणिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है।संस्था सचिव डॉ. ने कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। युवाओं को संविधान में निहित अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में संवैधानिक चेतना, विधिक समझ एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संगीतमय कार्यक्रम 'सुन जा दिल की दास्तां' 29 को



जयपुर,समाचार जगत न्यूज. दास्तान-ए-मौसिकी' की ओर से 29 नवंबर को शाम 5.50 बजे महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में संगीतमय कार्यक्रम 'सुन जा दिल की दास्तां' आयोजित होगा। इसमें हेमंत कुमार के सदाबहार गीतों के साथ उनकी संगीत यात्रा के दुर्लभ प्रसंग सुनाए जाएंगे। कार्यक्रम में धर्मेंद्र छाबड़ा, डॉ. अतुल पुरोहित, प्रवीर मुखर्जी, गीतिका चतुर्वेदी, नीलम शर्मा, डॉ. बबीता फगेड़िया, नूपुर शर्मा और हिमांगी छाबड़ा गीत प्रस्तुत करेंगे। विशेष अतिथि गायक डॉ. जयंत शर्मा, खुसरो जमाल खान और सुनील ग्रोवर होंगे। संगीत निर्देशन कपिल बालोदिया करेंगे।साहित्यकार एवं संस्कृतिकर्मी रिजवान ऐजाजी और मशहूर एंकर ऊषा वशिष्ठ अपनी भावपूर्ण किस्सागोई से हेमंत कुमार के जीवन, संगीत और स्मृतियों के अनसुने पन्ने खोलेंगे।

कार्यशाला : विद्यार्थियों को दिया ग्रह-राशियों के शुभ-अशुभ प्रभावों का प्रशिक्षण



जयपुर,समाचार जगत न्यूज. राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में त्रिदिवसीय ज्योतिष कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों को वास्तु शास्त्र के सिद्धांतों, आधुनिक वास्तु दोषों के निवारण तथा कुंडली निर्माण और फलादेश की महत्वपूर्ण विधियों का व्यावहारिक एवं शास्त्रीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. भोजराज शर्मा ने की। इस सत्र में जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के प्रो. विनोद कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को वास्तु शास्त्र के सामान्य सिद्धांतों के साथ आधुनिक वास्तु में उत्पन्न होने वाले दोषों और उनके समाधान के उपायों की विस्तार से जानकारी दी।प्रो. शर्मा ने अपने व्याख्यान में भवन निर्माण में पंचमहाभूतों के महत्व एवं उनके निर्धारित स्थान, भूमि की प्रकृति, भूमि परीक्षण की विधियों तथा भवन के विभिन्न कक्षों की उचित स्थिति के बारे में बताया। कार्यशाला के द्वितीय दिवस के दूसरे सत्र में राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. भोजराज शर्मा ने कुंडली निर्माण एवं फलादेश की विधियों का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कुंडली के द्वादश भावों से विचारणीय विषयों, जन्मकुंडली उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में प्रश्न कुंडली के निर्माण तथा उसके माध्यम से फलादेश करने के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। साथ ही षड्वर्ग, ग्रहों एवं राशियों के स्वरूप तथा भावों की विभिन्न संज्ञाओं की विस्तृत जानकारी दी।अंत में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रभारी डॉ. आलोक शर्मा ने आगंतुक विद्वानों के प्रति आभार व्यक्त किया,वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य ने दोनों प्रशिक्षक विद्वानों का शॉल, माला एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

जयपुर रागा फेस्टिवल आज से, गूंजेंगे शास्त्रीय संगीत के सुर



जयपुर,समाचार जगत न्यूज. भारतीय शास्त्रीय संगीत और विरासत कलाओं को समर्पित दो दिवसीय पहले जयपुर रागा फ़ेस्टिवल का आयोजन कणिका पांडे फ़ाउंडेशन की ओर से शनिवार व रविवार को होटल नारायण निवास पैलेस में आयोजित होगा। इस फ़ेस्टिवल में देश के प्रतिष्ठित शास्त्रीय संगीतज्ञों और युवा कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ संगीत कार्यशालाएं, नृत्य परिचय सत्र, वाद्य यंत्र निर्माण एवं रखरखाव का लाइव डेमोस्ट्रेशन और फ़ाउंडेशन की छात्रवृत्तियों की घोषणा भी होगी।संस्थापक कणिका पांडे ने बताया कि पहले दिन शनिवार को को सुबह 10 बजे उद्घाटन समारोह आयोजित होगा। इसके बाद दोपहर 1 बजे तक ग्रैमी नामांकित बाँसुरी वादक पं. शशांक सुब्रमण्यम शास्त्रीय बांसुरी वादन की प्रस्तुति देंगे। उनके साथ मृदंगम और तबले पर संगत होगी। दोपहर 2 बजे से सितारमेकर नईम के साथ इन्ट्रूमेंट मेकिंग डेमोन्ट्रेशन का आयोजन होगा। दोपहर 3 बजे से पुणे के प्रख्यात हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक डॉ. पुष्कर लेले संगीत रसास्वादन कार्यशाला आयोजित करेंगे। इसके बाद शाम 5 बजे से कोलकाता की गायिकाओं सबीना मुमताज़ इस्लाम और संजुक्ता बिस्वास की गायन जुगलबंदी होगी। तबले पर अभिषेक मिश्रा और हारमोनियम पर राजेंद्र बनर्जी संगत करेंगे। पहले दिन का समापन शाम 7 बजे से कथक प्रस्तुति से होगा। इसमें जयपुर घराने के अग्रणी कलाकार पं. राजेंद्र गंगानी अपनी प्रस्तुति देंगे।

मीनल निगम आज देंगी भजनों की प्रस्तुति



जयपुर,समाचार जगत न्यूज. भक्ति गायिका और योग साधिका मीनल निगम जयपुर पहुंच गई हैं। वे शनिवार को को संसार चंद्र रोड स्थित श्री माधो बिहारी जी मंदिर में निंबार्क जयंती महोत्सव की भजन संध्या में प्रस्तुति देंगी।निंबार्क परिषद के सदस्य केबसंत जैन ने बताया कि प्रसिद्ध पार्श्व गायक सोनू निगम की छोटी बहन मीनल निगम भक्ति संगीत और नाद योग के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने भक्ति रचना 'नाम रामायण' को संगीतबद्ध किया है और उसे अपनी आवाज़ भी दी है।

नाबार्ड राज्य ग्रामीण विकास कॉन्क्लेव में ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर मंथन, बोले मुख्य सचिव बी. श्रीनिवास

ऋण प्रवाह व वित्तीय प्रभावी उपयोग को दें बढ़ावा



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में ऋण प्रवाह को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध वित्तीय एवं संस्थागत इकोसिस्टम का प्रभावी उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। मुख्य सचिव ने कहा कि नाबार्ड, एसएलबीसी, भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकों, सरकारी विभागों एवं ग्रामीण हितधारकों के संयुक्त प्रयासों से ही आर्थिक रूप से सशक्त ग्रामीण परिवारों का निर्माण तथा विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति संभव होगी। उन्होंने प्रतिभागियों से आर्थिक रूप से व्यावहारिक एवं सफल परियोजनाओं की पहचान कर उन्हें अन्य जिलों में भी अपनाने का आह्वान किया है। ग्रामीण राजस्थान के विकास को नई गति देने तथा राज्य की प्राथमिकता क्षेत्र ऋण क्षमता का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा शुक्रवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में राज्य ग्रामीण विकास कॉन्क्लेव 2026-27 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने ग्रामीण विकास को विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए वित्तीय समावेशन, ऋण प्रवाह, महिला सशक्तीकरण एवं विभिन्न संस्थाओं के समन्वित प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने पीएम-कुसुम योजना, यमुना जल समझौते, संशोधित पार्वती-कालिसिंध-चम्बल लिंक परियोजना तथा जलागम विकास कार्यक्रमों को राज्य के विकास के महत्वपूर्ण संसाधन बताते हुए इनके प्रभावी उपयोग पर बल दिया।

चार तकनीकी सत्रों में कई मुद्दों पर चर्चा

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. आर. रविबाबू ने कहा कि नाबार्ड द्वारा वर्ष 2027-28 के लिए राजस्थान की प्राथमिकता क्षेत्र ऋण क्षमता का आकलन 5.76 लाख करोड़ रुपये किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक रंजीव शंकर ने कहा कि ऋण नियोजन में ऋण लेने वालों की क्षमता, बाजार से जुड़ाव तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था की ऋण अवशोषण क्षमता को ध्यान में रखा जाना चाहिए। राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने ऋण प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी एवं सुलभ बनाने के लिए रियल-टाइम डैशबोर्ड विकसित करने तथा ऋण के वास्तविक उपयोग की निगरानी के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता बताई। कॉन्क्लेव के अंतर्गत चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इनमें राजस्थान में ऋण क्षमता एवं क्षेत्रवार अवसरों, अवसंरचना एवं जलवायु संबंधी राज्य की प्राथमिकताओं, जल सुरक्षा एवं जलवायु लचीलेपन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं मूल्य श्रृंखलाओं तथा कृषि प्रसंस्करण एवं बाजार संपर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर नाबार्ड द्वारा प्रकाशित पुस्तिका 'जल से जीवन - वाड़ी से खुशहाली तक : एलआरईडीपी एवं ट्राइब्स - सफलता की कहानियां' का विमोचन किया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का 18 वां कॉमन रिव्यू मिशन का राजस्थान दौरा

नवाचारों को सराहा, दिए सुझाव



स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 18वें केन्द्रीय कॉमन रिव्यू मिशन के 14 सदस्यीय दल द्वारा झालावाड एवं हनुमानगढ़ जिले में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों एवं लाभार्थियों से सीधे संवाद कर प्रदेश में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर, निःशुल्क दवा एवं जांच योजना सहित विभिन्न कार्यक्रमों का अवलोकन किया। इसी क्रम में शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में केन्द्रीय संयुक्त स्वास्थ्य सचिव एवं सीआरएम दल की ऑब्जर्बर रितु शर्मा सहित विभिन्न सदस्यों के साथ समीक्षा कम फीडबैक बैठक आयोजित की गयी।

विशेषज्ञ दल ने प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित किए गए नवाचार जैसे प्रसव सखी हेल्प डेस्क, बुजुर्गों के लिए डेडीकेडेट वार्ड के रूप में संचालित रामाश्रय वार्ड कार्यक्रम, पिंक यूपीएचसी, टाईप-1 डायबिटीज स्क्रीनिंग व उपचार सेवाओं के संचालित मिशन मधुहारी कार्यक्रम, मिशन लिवर स्माईल एवं गर्भवती महिलाओं के निःशुल्क सोनोग्राफी हेतु संचालित मा वाउचर योजना आदि की विशेष सराहना की।

साथ ही उन्होंने नए मेडिकल ऑफिसर्स के लिए रिफ्रेशर्स ट्रेनिंग, दवाओं के सप्लाई चेन आदि के विश्लेषण, रियल टाईम स्टोर मैनेजमेंट, हब एंड स्पोक मॉडल के थर्ड पार्टी असेसमेंट सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर आवश्यक सुझाव भी दिए।

रैफरल सिस्टम को मजबूत करने पर जोर दिया

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त आयुक्त मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण व पीसीपीएनडीटी डॉ. पवन कुमार की लीडरशीप में केन्द्रीय दल जयपुर द्वारा मुख्यालय क्षेत्र सहित झालावाड़ और हनुमानगढ़ जिलों में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों व सेवाओं की क्रियान्विती का अवलोकन किया गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न राज्यों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में अधिकारियों के साथ ब्रीफिंग बैठक कर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि सीआरएम दल के द्वारा दिए गए सुझावों के अनुसार जो भी गैप पाए गए हैं उनमें सुधारात्मक कार्यवाही हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने बताया कि प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने, रैफरल सिस्टम को मजबूत करने आदि पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

प्रधान चुनाव में भाजपा की तानाशाही लोकतंत्र के लिए काला धब्बा : सूरा



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. कांग्रेस नेता और जयपुर जिला प्रमुख यशवीर सूरा ने कहा है कि पंचायतीराज चुनाव में बुरी तरह हारी भाजपा ने शुक्रवार को पंचायत समिति प्रधान के चुनाव में जिस तरह से पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर लोकतंत्र को समाप्त करने का काम किया है, वह इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा।

सूरा ने कहा कि पंचायती राज चुनावों में जनता के जनादेश से बौखलाई भाजपा ने विपक्ष के निर्वाचित सदस्यों को डरा धमकाकर पंचायत समितियों में अपना बोर्ड प्रयास किया है। शुक्रवार को मालपुरा में प्रधान चुनाव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया। कांग्रेसजन भाजपा की धोखाधड़ी को सफल नहीं होने दे रहे थे। भाजपा सरकार लाठियों के दम पर कांग्रेस की आवाज दबा नहीं सकती है। पंचायतीराज चुनाव में जनता ने इसका जवाब दिया है और विधानसभा चुनाव में भी जनता इसका जवाब अपने वोट की ताकत से देगी। बिना किसी कानूनी आधार के कांग्रेस के निर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों एवं हिंडोली विधायक अशोक चांदना को नैनवां में पुलिस द्वारा रोका जाना लोकतांत्रिक अधिकारों का खुला हनन है। कई जगह पुलिस ने कांग्रेस सदस्यों को उठाने का प्रयास किया है।

सूरा ने जिला प्रमख निर्वाचन के बाद कांग्रेस नेताओं के साथ शुक्रवार को मुहाना मंडी स्थित अपने आवास पर आमजन से मुलाकात की। इस अवसर पर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों से आए आमजन ने माला और साफा पहनाकर सूरा को बधाई दी। सूरा ने आमजन से कहा कि उनका लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि ग्रामीण राजस्थान के विकास और गांव, गरीब, मजदूर एवं किसान के कल्याण के लिए काम करना है। कांग्रेस की सोच हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने की रही है। मेरी जिम्मेदारी है कि मैं जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करुं और विकास को नई रफ्तार दे सकूं।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं उपचार शिविर

नाटक से बच्चों पर अभिभावकों की अपेक्षाओं एवं अनावश्यक दबाव के दुष्प्रभावों का संदेश

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, जयपुर की पहल पर पुलिस कार्मिकों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता देते हुए पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल के मार्गदर्शन में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी), जयपुर की ओर से शुक्रवार को पुलिस लाइन, जयपुर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं उपचार शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पुलिस कार्मिकों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ तनाव प्रबंधन, परामर्श एवं उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के आयोजन में पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अनुष्ठा कालिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पार्थ शर्मा, लाइन ऑफिसर सागरमल, आरआई सपना पूनिया तथा पुलिस लाइन में पदस्थ डॉ. गिरिराज शर्मा का विशेष सहयोग एवं समन्वय रहा। शिविर के दौरान सामाजिक सरोकार से जुड़े महत्वपूर्ण विषय 'माता-पिता द्वारा बच्चों पर अपनी इच्छाएं एवं अपेक्षाएं थोपने का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव' पर आधारित नाटक का प्रभावशाली मंचन किया गया। नाटक के माध्यम से बताया गया कि बच्चों पर अत्यधिक अपेक्षाओं एवं अनावश्यक दबाव के कारण उनमें तनाव, चिंता, आत्मविश्वास की कमी और भावनात्मक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस दौरान अभिभावकों को बच्चों की रुचियों, क्षमताओं एवं भावनाओं को समझने तथा उन्हें सकारात्मक वातावरण, उचित मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग प्रदान करने का संदेश दिया गया।

पशुपालन अधिकारियों और कर्मचारियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल' पर प्रशिक्षण



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. पशुपालन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से निदेशालय के सभागार में शुक्रवार को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल' पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीना ने की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और सुगम बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों का निरंतर कौशल विकास होते रहना आवश्यक है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के सभी जिलों से आए जिला स्तरीय अधिकारियों तथा संभाग स्तर के अतिरिक्त निदेशकों (क्षेत्र) ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सत्र के दौरान मास्टर ट्रेनर डॉ. लल्लू राम मीना एवं डॉ. भवानी सिंह ने प्रतिभागियों को पोर्टल के उपयोग, पंजीकरण और ऑनलाइन प्रशिक्षण की बारीकियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों जैसे सीसीए नियम, ऑफिस मैनेजमेंट और प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जुड़े कोर्सेज के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि विभाग के प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी के लिए इस पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है।

राजस्थान विश्वविद्यालय में भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के 101वें सत्र का उद्घाटन

भारतीय परंपरा में निहित है सभी समकालीन समस्याओं के लिए अंतर्दृष्टिः प्रो. घोष

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. राजस्थान विश्वविद्यालय में भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के 101वें सत्र का शुक्रवार को समारोहपूर्वक उद्घाटन हुआ। कांग्रेस के वर्तमान सत्र का केंद्रीय विषय- सतत विकास तथा भारतीय संस्कृति का मूलस्वर है। अधिवेशन के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती थे जबकि सारस्वत अतिथि जापान के टोक्यो विश्वविद्यालय के प्रो. नोबोरु नोटोमी रहे। अधिवेशन के अध्यक्ष उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के प्रो. रघुनाथ घोष ने दर्शन को प्रासंगिकता पर व्याख्यान देते हुए भारतीय दर्शन के महत्व को रेखांकित किया।



प्रो. घोष ने शास्त्र परंपरा से अनेक प्रमाण प्रस्तुत करते हुए सतत विकास के प्रमुख तत्वों को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र में भारतीय दार्शनिक कांग्रेस के महासचिव प्रो. पन्नीरसेल्वम ने विषय प्रवर्तन किया। सत्र के आरम्भ में विभागाध्यक्ष तथा आयोजन सचिव डॉ अनुभव वार्ष्णेय ने स्वागत भाषण देते हुए जयपुर तथा राजस्थान की दार्शनिक परंपरा पर प्रकाश डाला। समारोह के सारस्वत अतिथि जापान के टोक्यो विश्वविद्यालय के प्रो. नोटोमी ने विश्व दर्शन तथा जापान के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डाला तथा सतत विकास में बौद्ध दर्शन की भूमिका को स्पष्ट किया। प्रो. नोटोमी ने वर्ष 2028 के विश्व दर्शन कांग्रेस के उद्देश्यों तथा रूपरेखा को प्रस्तुत किया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती ने दर्शन शास्त्र के प्रविधि पर प्रकाश डाला।

दार्शनिक कांग्रेस के 101वें सत्र के प्रथम दिवस में जानेमाने दार्शनिक अमरीका के हवाई विश्वविद्यालय के प्रो. अरिंदम चक्रवर्ती, दार्शनिक कांग्रेस के अध्यक्ष प्रो. एसके सिंह, इस्राइल विश्वविद्यालय के प्रो. डैनियल रावेह, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. बालगणपति, सागर विश्वविद्यालय के प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, दार्जिलिंग के प्रो. लक्ष्मीकांत पाढ़ी, कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रो. दिलीपकुमार महंत, केरल विश्वविद्यालय की प्रो. श्रीकला नायर, नेहु शिलांग विश्वविद्यालय के प्रो. माओ, चेन्नई के जानेमाने संत दार्शनिक स्वामी श्रीहरिप्रसाद, संस्कृत विश्वविद्यालय के शास्त्री कोसलेन्द्र दास, डॉ देवेंद्र शर्मा आदि शामिल रहे। अधिवेशन के आगामी 3 दिनों में 20 से अधिक सत्रों में 500 से अधिक शोधपत्रों का वाचन किया जायेगा।

भारतीय संस्कृति के शाश्वत तत्वों पर प्रकाश डाला

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु, प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने भारतीय संस्कृति के शाश्वत तत्वों तथा उपजीव्यत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. सारस्वत ने राजस्थान विश्वविद्यालय के अनेक प्रोफेसर दार्शनिकों के कर्तृत्व पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संस्कृति के लिए भारतीय दर्शन के महत्व को बताया।

संपादकीय

आस्ट्रेलिया की लोवी इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में भारत को दुनिया का अकेला 'मेजर पावर' माना गया है और भारत से ऊपर अमेरिका और चीन को 'सुपर पावर' की श्रेणी में रखा गया है

एशिया में प्रधानमंत्री मोदी दूसरे प्रभावशाली नेता, भारत तीसरा ताकतवर देश

आस्ट्रेलिया की लोवी इंस्टीट्यूट की 2026 की एशिया पावर इंडेक्स रिपोर्ट में भारत एशिया की तीसरी बड़ी ताकत बनकर उभरा है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद दूसरे प्रभावी नेता माने गए हैं। अर्थव्यवस्था की ताकत में थोड़ी गिरावट के बावजूद भारत ने एशिया में कूटनीतिक, सैन्य और सांस्कृतिक स्थिति मजबूत की है। भारत ने लगातार तीसरे संस्करण में भी तीसरा स्थान बरकरार रखा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने ऐसे समय एशिया में प्रभाव बढ़ाया है। जब उसे घरेलू स्तर पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। भारत की आर्थिक क्षमता के अंक थोड़े घटे हैं। लेकिन भविष्य के संसाधनों, रक्षा संबंधों में सुधार हुआ है। भारत उन पांच देशों में शामिल है, जिनके आर्थिक संबंधों से जुड़े अंक कम नहीं हुए। हालांकि, चीन की ताकत अब भी भारत से 80 फीसदी अधिक है। भारत-चीन में ताकत का अंतर 2018 में इंडेक्स की शुरुआत के बाद सबसे कम रह गया है। कूटनीतिक प्रभाव के मामले में भारत की सबसे मजबूत स्थिति सामने आई है। इस श्रेणी में भारत 70.3 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। हालांकि वैश्विक नेतृत्व और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के मामले में भारत की स्थिति कमजोर हुई है। भविष्य की आर्थिक क्षमता में भी भारत को तीसरा स्थान मिला। एशिया पावर इंडेक्स 2026 कुल 131 मानकों के आधार पर एशिया के 27 देशों और क्षेत्रों की रैंकिंग करता है। इसका उद्देश्य यह आकलन करना है कि एशिया में किस देश के पास कितनी शक्ति है और प्रभाव है। अमेरिका की सैन्य उपस्थिति, कूटनीतिक, नेटवर्क, आर्थिक भागीदारी एशिया को प्रभावित करती है। रक्षा संबंध के मामले में भारत ने दो स्थान की छलांग लगाई है। इस श्रेणी में 18.6 अंक के साथ भारत नौवें स्थान पर पहुंच गया है। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ सहयोग और ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री से भारत की स्थिति से मजबूत हुई है। यहां यह बता दें कि भारत के बढ़ते प्रभाव की तस्दीक करती यह रिपोर्ट सुखद और अनुकरणीय है। यहां यह उल्लेखनीय है कि जैसा कि पूर्व में बताया जा चुका है, आस्ट्रेलिया की 'लोवी इंस्टीट्यूट' ने 2026 के लिए 'एशिया पावर इंडेक्स' जारी किया है। यह शक्ति सूचकांक भारत की बढ़ती ताकत का नवीनतम प्रमाण है। भारत को दुनिया का अकेला 'मेजर पावर' माना गया है और भारत से ऊपर अमेरिका व चीन को 'सुपर पावर' की श्रेणी में रखा गया है। भारत की विस्तार से चर्चा करने से पहले यह देखना रोचक होगा कि महाशक्ति के रूप में अमेरिका और चीन के बीच अंतर तेजी से घट रहा है। दोनों महाशक्तियों के बीच केवल 5.3 अंकों का अंतर रह गया है। हालांकि चीन की बुनियादी में अमेरिकी योगदान बहुत ज्यादा है। अमेरिका ने केवल तकनीकी रूप से ही मदद नहीं की है, बल्कि एक बड़े बाजार के रूप में भी वह बीजिंग के काम आ रहा है। दशकों से अमेरिकी कंपनियां चीन को उत्पादन केंद्र बनाने में जुटी है। वैसे चीन को भी श्रेय देना चाहिए। चीन ने अपने दम पर भी बहुत मेहनत से ऊंचा मकाम बनाया है। अब बात भारत की, इस विकासशील देश को तकनीकी या निवेश का लाभ चीन की तरह नहीं मिला है। यह वैश्विक हालात से लगातार प्रभावित होने के बावजूद अपने दम पर अपनी ताकत बढ़ाता आ रहा है। दूसरे देशों के थिंकटैंक भी यही मानते हैं कि कूटनीतिक जगत में भारत मजबूत स्थिति में है और उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्थिर नेतृत्व से ताकत मिल रही है। यहां यह बता दें कि बीता समय भारत के लिए अच्छा नहीं रहा है। फिर भी इसका समग्र स्कोर 40.5 माना गया है। साथ ही आर्थिक क्षमता में कुछ गिरावट के बाजवूद भारत की रैंकिंग में लाभ हुआ है। यह रिपोर्ट प्रेरित करती है कि भारत अपनी आर्थिक क्षमता के विकास पर पहले की तुलना में ज्यादा ध्यान दे। आर्थिक क्षमता जैसे-जैसे बढ़ेगी, समग्र रूप से भारत मजबूत और आत्मनिर्भर होता चला जाएगा। रुपए का लगातार कमजोर होना और अंतराष्ट्रीय मुद्राकोष द्वारा अर्थव्यवस्थाओं के मूल्यांकन के तरीके से भी भारत की रैंकिंग प्रभावित होती रही है। भारत को अपनी कमियों पर विशेष ध्यान देना होगा। इसी सप्ताह सोमवार को ही भारतीय शेयर बाजार में जो गिरावट आई उससे चिंतित होना स्वाभाविक है। भारत में जिन लोगों के पास पूंजी है, उद्योग है, देने के लिए नौकरी है, उन्हें अपनी भूमिका को तेजी से विस्तार करना चाहिए। ताजा रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद दूसरे सबसे प्रभावी नेता है। काश पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध में भारतीय कूटनीति की एक प्रभावी भूमिका होगी। लोवी इंस्टीट्यूट के मुताबिक भारत द्वारा आयोजित सामरिक अभ्यास से लौटते समय अमेरिका द्वारा एक ईरानी नौसैनिक पोत को डुबाए जाने पर भारत की मंद प्रतिक्रिया पर भी दुनिया ने गौर किया है। ऐसी मंद या उदार प्रतिक्रिया पहले भी अनेक बार देखने में आई है। रिपोर्ट एक तरह से इशारा है, भारत प्रभावशाली देश है उसे जरूरी मौकों पर मुखरता से पेश आना चाहिए। रक्षा उत्पादन से भारत आगे आया है और इसका उसे लाभ भी मिलने लगा है। बहरहाल भारत को नए दौर की तकनीकी तरक्की पर ज्यादा ध्यान देना होगा। अपनी बढ़ती शक्ति और प्रभाव को स्थानीय स्तर पर संजोने की जरूरत है, लेकिन तथ्य यह है कि एआई-कौशल से लैस इंजीनियर विदेश या अमेरिका जाकर काम करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि चीन तकनीकी तरक्की के दम पर ही अमेरिका से मुकाबला कर रहा है।

तेजी से बढ़ता स्लीप डिवोर्स का चलन



अमित बैजनाथ गर्ग

स्लीप डिवोर्स का मतलब है कि कोई कपल एक ही बिस्तर पर सोने की बजाय अलग-अलग बिस्तरों पर सोने का फैसला करता है। नींद की कमी से लोगों के कामकाज पर गहरा असर पड़ रहा है। वहीं पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक नींद से वंचित रहती हैं। लगातार अच्छी नींद उम्र और स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, लेकिन इसे असल जिंदगी में अपनाना चुनौती बना हुआ है।

हाल ही में रेसमेड की ओर से ग्लोबल स्लीप सर्वे जारी किया गया। इसके निष्कर्ष इस बात की ओर इशारा करते हैं कि दुनिया के साथ-साथ भारत में भी स्लीप डिवोर्स का चलन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। सर्वे के मुताबिक, भारत में केवल 47 प्रतिशत जोड़े ही एक ही बिस्तर पर सोते हैं। वहीं 46 प्रतिशत भारतीयों का कहना है कि उनका पार्टनर सप्ताह में कम से कम एक बार उनकी नींद में खलल डालता है। इन परेशानियों के प्रभाव को देखते हुए 53 प्रतिशत भारतीयों ने बताया कि वे सप्ताह में कम से कम एक रात अपने पार्टनर से अलग सोते हैं। स्लीप डिवोर्स का मतलब है कि कोई कपल एक ही बिस्तर पर सोने के बजाय अलग-अलग बिस्तरों पर सोने का फैसला करता है। सर्वे कहता है कि आने वाले समय में यह ट्रेंड और तेजी से बढ़ेगा। सर्वे के अनुसार, दुनिया भर में और विशेष रूप से भारत में नींद से जुड़ी समस्याएं और आदतें और तेजी से गहरा गई हैं। इस सर्वे में 13 देशों के 30,000 से अधिक लोगों को शामिल किया गया था, जबकि भारत के 5,000 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। इन सभी लोगों की नींद के तरीकों का अध्ययन किया गया। सर्वे के प्रमुख वैश्विक निष्कर्ष कहते हैं कि दुनिया भर में 53 फीसदी लोग सप्ताह में सिर्फ चार दिन या उससे कम ही अच्छी नींद ले पाते हैं। वहीं 84 प्रतिशत लोग मानते हैं कि लगातार अच्छी नींद उम्र और स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, लेकिन इसे असल जिंदगी में अपनाना चुनौती बना हुआ है। इसकी सबसे बड़ी वजह काम का दबाव और जिंदगी की परेशानियों का तनाव बताया गया है। सर्वे बताता है कि दुनिया भर में वियरएबल डिवाइस का चलन बढ़ा है यानी कि नींद को ट्रैक करने वाले स्मार्टवॉच और अन्य गैजेट्स का उपयोग करने वालों की संख्या 2025 के 16 फीसदी से बढ़कर 2026 में 53 प्रतिशत हो गई है। सर्वे में नींद में खलल के कई कारण बताए गए हैं। वैश्विक स्तर पर नींद में बाधा डालने वाले मुख्य कारण तनाव और चिंता हैं, जिनका योगदान 39 प्रतिशत रहा है। वहीं डिजिटल डिवाइस या स्क्रीन का योगदान 22 फीसदी और काम का दबाव 21 प्रतिशत रहा है। इधर, 66 फीसदी लोगों का कहना है कि वे नींद की समस्या के लिए डॉक्टर से सलाह लेंगे, लेकिन वास्तव में केवल 23 प्रतिशत लोग ही ऐसा कर पाए हैं। मसलन नींद की समस्या होने के बावजूद लोग डॉक्टर के पास नहीं जा रहे हैं। कुछ का समय नहीं मिलने का तर्क है, तो कुछ इसे स्वतः ही ठीक होने वाली समस्या मानकर चल रहे हैं। सर्वे में भारत से जुड़े खास आंकड़े पेश किए गए हैं। भारत में अलग-अलग सोने या स्लीप डिवोर्स का चलन तेजी से बढ़ रहा है। भारत में केवल 47 फीसदी जोड़े ही एक ही बिस्तर पर साथ सोते हैं। वहीं 46 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि उनका पार्टनर सप्ताह में कम से कम एक बार उनकी नींद में खलल डालता है। नींद की कमी के प्रभाव को देखते हुए 53 फीसदी भारतीयों ने इसके चलते कामकाज पर असर महसूस किया है। भारत में पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक नींद से वंचित रहती हैं, जिसका कारण पारिवारिक जिम्मेदारियां और तनाव है। भारत में अधिकतर लोगों ने काम का दबाव या मन का काम नहीं मिलने के कारण होने वाले तनाव को नींद की कमी का प्रमुख कारण माना है। अधिकतर लोगों का कहना है कि मन का काम नहीं मिलने के कारण वे खुशी महसूस नहीं कर पाते, जिसके चलते उनकी नींद में खलल पड़ता है।

कहा जाता है कि स्लीप डिवोर्स शब्द का पहला प्रचलित इस्तेमाल 2013 के आसपास मीडिया में आया, लेकिन अलग-अलग कमरों या बिस्तरों में सोने की परंपरा इससे कहीं पुरानी है। इतिहास में राजा-महाराजाओं और संपन्न परिवारों में अलग-अलग बेडरूम होना आम बात थी। यह रिश्ते में दूरी के बजाय जगह, निजता और आराम की सुविधा का प्रतीक था। समय के साथ शहरीकरण बढ़ा और घरों के आकार छोटे हुए, जिससे एक ही कमरे और बिस्तर साझा करने की परंपरा सामाजिक रूप से सामान्य मानी जाने लगी। नींद की गुणवत्ता, खर्राटों, अलग काम के समय और व्यस्त जीवन शैली पर बढ़ते शोध के कारण अब इसे रिश्ते की कमजोरी के बजाय बेहतर नींद और स्वास्थ्य के व्यावहारिक फैसले के रूप में देखा जाने लगा है। विशेषज्ञों का कहना है कि स्लीप डिवोर्स कहने में तो नकारात्मक शब्द है, लेकिन असल में ऐसा नहीं है।

वहीं डॉक्टर का कहना है कि स्लीप डिवोर्स से आसानी से बचाव किया जा सकता है। यह बहुत बड़ी समस्या नहीं है। सबसे पहले लोगों को घबराहट से बचना होगा। उनका कहना है कि स्लीप डिवोर्स के नकारात्मक प्रभावों से अपने रिश्ते को सुरक्षित रखने के लिए खुले तौर पर बातचीत करें। किसी भी तरह की गलतफहमी होने पर तुरंत दूर करने के प्रयास करें। पार्टनर से इस बात पर खुलकर चर्चा करें कि अलग सोने का मतलब प्यार में कमी या अस्वीकृति नहीं है, बल्कि यह सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य और नींद के लिए है। अपने पार्टनर से समय पर बात करें। इसे नाराजगी बढ़ने से पहले ही सामान्य बातचीत के रूप में उठाएं। डॉक्टर्स बातचीत पर सबसे ज्यादा जोर देते हैं। उनका मानना है कि समस्या के समाधान का इससे बेहतर तरीका कोई नहीं है।

डॉक्टर की सलाह है कि यदि दोनों को साथ सोना पसंद है, तो स्कैंडिनेवियाई स्लीप मेथड यानी कि अलग-अलग कंबल अपनाएं, ताकि तापमान या खिंचाव से नींद न टूटे। यदि खर्राटों या स्लीप एपनिया की समस्या है, तो डॉक्टर को दिखाएं और सीपीएपी मशीन जैसी चिकित्सकीय मदद लें। इयरप्लग, व्हाइट नॉइज मशीन या आई मास्क का उपयोग करें। भावनात्मक और शारीरिक जुड़ाव बनाए रखें। सोने से ठीक पहले 10 से 15 मिनट साथ बैठकर बातें करें या विंड-डाउन रूटीन साझा करें। गले मिलना, साथ में कॉफी पीना या वीकेंड पर सुबह साथ समय बिताने जैसी आदतें अपनाएं। सप्ताह या महीने में कुछ दिन साथ सोने का प्लान बनाएं, ताकि पुराने जुड़ाव में कमी न आए। यदि अलग सोने से दोनों के बीच भावनात्मक दूरी या संवाद में कमी आ रही है, तो किसी कपल थेरेपिस्ट से सलाह लें। इस तरह कुछ विकल्पों को अपनाकर स्लीप डिवोर्स की समस्या से निजात पाई जा सकती है।

(लेखक के निजी विचार है)

मुफ्त दवा योजना मरीजों के लिए बनी मृग मरीचिका



नफीस आफरीदी

स्वास्थ्य सेवाएं किसी सरकार की कृपा नहीं, नागरिकों के जीवन और सम्मान से जुड़ी सार्वजनिक जिम्मेदारी हैं

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकारों के दावे और अस्पतालों में मरीजों की वास्तविक स्थिति के बीच अक्सर एक लंबी दूरी दिखाई देती है। राजस्थान के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल, जयपुर से आई दवाइयों की कमी की खबर इसी दूरी को उजागर करती है। जिस अस्पताल में प्रदेश के कोने-कोने से गरीब, मध्यमवर्गीय और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोग बेहतर उपचार की उम्मीद लेकर आते हैं, वहां यदि जरूरी दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं और मरीजों को बाहर के मेडिकल स्टोर से उन्हें खरीदना पड़ रहा है, तो यह महज प्रशासनिक अव्यवस्था नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति गंभीर चेतावनी है।अस्पताल में हृदय रोग, मधुमेह, मानसिक रोग, त्वचा रोग और संक्रमण सहित अनेक बीमारियों के उपचार में काम आने वाली दवाइयां अनुपलब्ध हैं।इनमें एस्पिरिन, वारफारिन, मेटफॉर्मिन, लिनाग्लिप्टिन, रिसपेरीडोन, लिथियम कार्बोनेट, मोक्सीफ्लोक्सासिन और अन्य दवाइयां शामिल हैं। डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाइयां जब अस्पताल के काउंटर पर नहीं मिलतीं, तब मरीज को कभी दूसरे काउंटर पर भेजा जाता है तो कभी बाहर से खरीदने की सलाह दी जाती है। नियमित उपचार कराने वाले मरीजों के लिए यह स्थिति और भी कष्टकारी है।

यहां एक बुनियादी सवाल उठता है कि जिस मरीज ने सरकारी अस्पताल का रुख इसलिए किया कि उसे कम खर्च में उपचार मिल सके, वह यदि दवाइयों के लिए निजी मेडिकल स्टोर के चक्कर लगाए तो मुफ्त इलाज की अवधारणा का व्यावहारिक अर्थ क्या रह जाता है? राजस्थान में निःशुल्क दवा योजना आम नागरिक को राहत देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। बाद में इसे मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के रूप में व्यापक स्वरूप दिया गया। इसका उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराना है। यह पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है। मरीज के हाथ में डॉक्टर की लिखी दवा नहीं पहुंचती तो योजना का वास्तविक उद्देश्य अधूरा ही रहता है।

राज्य सरकार के आर्थिक समीक्षा दस्तावेज 2025-26 के अनुसार दिसंबर 2025 तक निःशुल्क दवा योजना से 15.73 करोड़ मरीजों को लाभ मिलने और 1,312.19 करोड़ रुपये व्यय होने का उल्लेख है। ये आंकड़े योजना के बड़े विस्तार को दर्शाते हैं,लेकिन मरीजों की संख्या और खर्च का आंकड़ा यह प्रमाणित नहीं करता कि प्रत्येक अस्पताल में प्रत्येक जरूरी दवा समय पर उपलब्ध है। लाभार्थियों की संख्या के साथ दवाइयों की उपलब्धता का स्वतंत्र मूल्यांकन भी जरूरी है।

राजस्थान की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट ने भी कई गंभीर कमियां उजागर की हैं। स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित इस रिपोर्ट में 2016 से 2022 तक की अवधि की जांच की गई। रिपोर्ट 2025 में विधानसभा में प्रस्तुत हुई।रिपोर्ट में नमूना जांच किए गए सरकारी चिकित्सा संस्थानों और जिला औषधि भंडारों में आवश्यक दवाइयों की कमी पाई गई। अस्पतालों को उनकी मांग से कम दवाइयां जारी होने, दर अनुबंधों को अंतिम रूप देने में देरी और निर्धारित सुरक्षित भंडार स्तर से काफी नीचे पहुंचने के बाद खरीद आदेश दिए जाने जैसी समस्याएं सामने आईं। प्रयोगशालाओं से दवाइयों की गुणवत्ता जांच रिपोर्ट मिलने में देरी भी आपूर्ति बाधित होने का एक कारण बताई गई।

सरकारी अस्पताल में आने वाले अधिकांश मरीज मध्यवित्त परिवारों के होते हैं। बहुत से मरीज दूरदराज के गांवों और कस्बों से किराया खर्च करके जयपुर पहुंचते हैं। उनके साथ आने वाले परिजन भी कई बार रोज कमाने-खाने वाले होते हैं। ऐसे परिवार के लिए बाहर से पांच सौ या हजार रुपये की दवा खरीदना भी भारी पड़ सकता है। यदि बीमारी हृदय या मधुमेह जैसी है और दवाइयां नियमित रूप से लेनी हैं तो यह खर्च हर महीने की आर्थिक परेशानी बन जाता है। दवा न मिलना केवल आर्थिक बोझ नहीं बढ़ाता, बल्कि उपचार की निरंतरता भी प्रभावित कर सकता है। विशेष रूप से हृदय रोग, मधुमेह और मानसिक रोगों में नियमित दवा सेवन का महत्व है। मरीज यदि पैसे के अभाव में दवा खरीद नहीं पाता तो उसकी बीमारी गंभीर हो सकती है। इस तरह अस्पताल में दवा की अनुपलब्धता अंततः मरीज के स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम बन जाती है।

एसएमएस अस्पताल प्रदेश का प्रमुख चिकित्सा संस्थान है। यदि यहां दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में कठिनाई आ रही है तो जिला अस्पतालों, उप जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति की समीक्षा और भी आवश्यक हो जाती है। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि पूरे प्रदेश में स्थिति एक जैसी है, लेकिन राजधानी के सबसे बड़े अस्पताल की खबर निश्चित रूप से व्यापक जांच की मांग करती है।असली कसौटी यह है कि किसी ग्रामीण मरीज को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर, जांच और जरूरी दवा मिल रही है या नहीं। यदि उसे सामान्य दवा के लिए भी जिला मुख्यालय या राजधानी की ओर भागना पड़ता है तो स्वास्थ्य सेवाओं के विकेंद्रीकरण का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। सरकार अपने तीन वर्षों की उपलब्धियों का जश्न मनाने जा रही है। विकास के दावों और उपलब्धियों का सार्वजनिक मूल्यांकन लोकतंत्र का सामान्य हिस्सा है, लेकिन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्र में उपलब्धियों का आकलन प्रचार से नहीं, मरीज के अनुभव से होना चाहिए।यदि सरकारी अस्पताल में डॉक्टर दवा लिखता है और उसी अस्पताल का दवा काउंटर उसे उपलब्ध कराने में असमर्थ रहता है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि योजना और क्रियान्वयन के बीच तालमेल कहां टूट रहा है? सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि दवाइयों की कमी किन कारणों से हुई, कितने समय से बनी हुई है और इसे दूर करने की समयबद्ध कार्ययोजना क्या है। योजनाओं के नाम बदलने, नई घोषणाएं करने और उपलब्धियों के विज्ञापन से अस्पताल की अलमारी में दवाइयां नहीं पहुंचतीं। उसके लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति, वित्तीय प्रबंधन और जवाबदेही की जरूरत होती है। इस संकट का समाधान केवल अतिरिक्त बजट घोषित करने से नहीं होगा। इसके लिए दवा खरीद से लेकर मरीज तक पहुंचने की पूरी व्यवस्था को दुरुस्त करना होगा।

इसके लिए जरूरी है कि प्रत्येक सरकारी अस्पताल और औषधि भंडार में दवाइयों के स्टॉक की ऑनलाइन निगरानी हो। कौन-सी दवा कितनी उपलब्ध है, किसकी मांग बढ़ रही है और किसकी आपूर्ति बाधित है। जीवनरक्षक और नियमित उपयोग की दवाइयों का निश्चित बफर स्टॉक रखा जाए। स्टॉक एक निर्धारित सीमा पर पहुंचते ही खरीद प्रक्रिया स्वतः शुरू हो खरीद में अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। अस्पताल में हेल्प डेस्क, टोल फ्री नंबर और ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था हो। शिकायत का निस्तारण समय सीमा में किया जाए।सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था का उद्देश्य केवल मरीज का पंजीकरण करना या उसे डॉक्टर तक पहुंचाना नहीं है। उपचार तब पूरा होता है जब मरीज को आवश्यक जांच, चिकित्सकीय परामर्श और निर्धारित दवाइयां उपलब्ध हों। इनमें से कोई एक कड़ी कमजोर पड़ती है तो पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है।

स्वास्थ्य सेवाएं किसी सरकार की कृपा नहीं, नागरिकों के जीवन और सम्मान से जुड़ी सार्वजनिक जिम्मेदारी सरकार यदि वास्तव में निःशुल्क इलाज को अपनी उपलब्धि मानती है तो उसे एक सरल सवाल का जवाब देना होगा—क्या सरकारी अस्पताल में डॉक्टर द्वारा लिखी गई जरूरी दवा मरीज को उसी अस्पताल में मुफ्त मिल रही है? मुफ्त इलाज की घोषणा तभी सार्थक होगी, जब मरीज को दवा खरीदने के लिए अपनी जेब नहीं टटोलनी पड़े।

(लेखक के निजी विचार है)

अतीत के झरोखे से...

इस्तगासे का विश्वसनीय गवाह-2

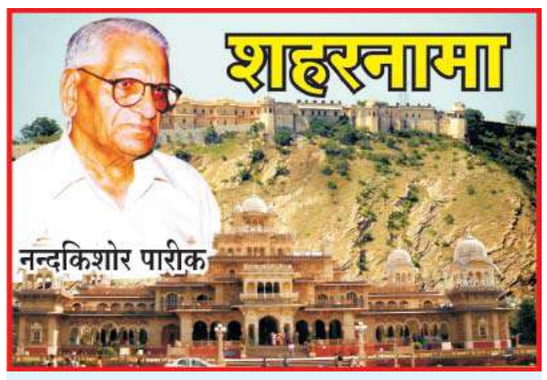

फैसले के दूसरे भाग में न्यायाधीशों ने इस्तगासे की गवाहियों पर विचार किया। इन गवाहियों को छह शीर्षकों के अन्तर्गत विभाजित किया गया। इस्तगासे ने 271 दस्तावेज पेश किए थे। इन्हें आठ शीर्षकों में बांटा गया। जबानी गवाहियां दस्तावेजी गवाहियों के समानान्तर ही चलीं। ट्रिब्यूनल ने कपड़द्वारा में होने वाले लेन-देन की अहमियत के सवाल में जाना आवश्यक नहीं समझा और केवल चुन्नीलाल धेवरचन्द के कर्जे के सवाल से सम्बन्ध रखने वाले लेन-देन को ही महत्व दिया। हां, कपड़द्वारा के लेन-देन के मामलों को इस लिहाज से प्रासंगिक माना गया कि इनसे स्थानीय व्यापारियों द्वारा कपड़द्वारा से रुपया उधार लेने की परिपाटी सिद्ध होती है। इसीलिए उन गवाहों को अहमियत दी गई जिन्होंने यह सिद्ध किया कि कपड़द्वारा ब्याज पर रुपए उधार देता आया था।

ट्रिब्यूनल ने इस्तगासे के गवाहों में सुगनचन्द को सबसे महत्वपूर्ण और निर्भर करने योग्य माना। कर्जे के लिए बात करने और इसे चुन्नीलाल धेवरचन्द को दिए जाने के तरीके के सम्बन्ध में सुगनचन्द की गवाही विश्वसनीय मानी गई। फैसले के अनुसार "गवाह के रूप में सुगनचंद का तौर-तरीका बहुत सही था। जिरह के दौरान बचाव पक्ष ने भी स्वीकार किया कि वह एक विश्वसनीय गवाह है। उसने बिना किसी हिचकिचाहट के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए।

बेटियों के हाथों में किताबें हों, बचपन में विवाह की बेड़ियाँ नहीं



डॉ. लीलाधर दोचानिया
सेवानिवृत्त (डिप्टी डायरेक्टर), राजस्थान सरकार
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर
साहित्यकार एवं राज्य सरकार से अधिस्वीकृत स्वतंत्र पत्रकार

बचपन जीवन का वह अनमोल समय है, जिसमें सपने आकार लेते हैं, प्रतिभाएँ विकसित होती हैं और भविष्य की बुनियाद रखी जाती है। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें, आँखों में सपने और चेहरे पर मुस्कान होनी चाहिए, उस उम्र में विवाह की जिम्मेदारियाँ थोप देना उनके भविष्य के साथ अन्याय है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहे हमारे समाज में आज भी बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अस्तित्व चिंताजनक है। शिक्षा और जागरूकता के विस्तार के बावजूद कहीं सामाजिक दबाव, कहीं आर्थिक मजबूरी तो कहीं रूढ़िवादी परंपराओं के नाम पर बच्चों का बचपन उनसे छीन लिया जाता है।

परंपरा के नाम पर भविष्य से खिलवाड़ नहीं

राजस्थान अपनी गौरवशाली संस्कृति, समृद्ध परंपराओं, शौर्य और मानवीय मूल्यों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। लेकिन समय के साथ उन परंपराओं में बदलाव भी आवश्यक है, जो किसी व्यक्ति के विकास में बाधक बनती हैं। बाल विवाह ऐसी ही एक सामाजिक कुप्रथा है, जिसे समाप्त करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। परंपराएँ समाज को जोड़ने के लिए होती हैं, किसी के सपनों को तोड़ने के लिए नहीं। सामाजिक प्रतिष्ठा और लोकलाज के नाम पर बच्चों के भविष्य का निर्णय करना उचित नहीं है।

शिक्षा ही बदलाव की सबसे बड़ी ताकत

एक शिक्षित बेटी केवल अपना भविष्य नहीं सँवारती, बल्कि पूरे परिवार और समाज को नई दिशा देती है। आज बेटियाँ शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन, विज्ञान, खेल, राजनीति और साहित्य सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। आवश्यकता है कि अभिभावक बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करें। बेटी के विवाह की चिंता करने से पहले उसके भविष्य निर्माण की चिंता करनी चाहिए।

बाल विवाह के गंभीर दुष्परिणाम

कम उम्र में विवाह होने से बच्चों की शिक्षा बाधित होती है। विशेषकर बालिकाओं को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कम उम्र में गर्भधारण माँ और शिशु दोनों के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ा सकता है। आर्थिक निर्भरता और घरेलू जिम्मेदारियाँ भी उनके व्यक्तित्व विकास में बाधक बनती हैं। भारत में विवाह की न्यूनतम कानूनी आयु लड़कियों के लिए 18 वर्ष और लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित है। बाल विवाह कानूनन प्रतिबंधित है, लेकिन केवल कानून बना देने से सामाजिक कुरीतियों का अंत नहीं होता। इसके लिए जनमानस की सोच में परिवर्तन लाना आवश्यक है।

समाज को निभानी होगी अपनी जिम्मेदारी

बाल विवाह की रोकथाम केवल सरकार और प्रशासन का दायित्व नहीं है। जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, धर्मगुरुओं, पत्रकारों और प्रत्येक जागरूक नागरिक को इसके विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए।

ग्राम पंचायतों, विद्यालयों और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए। यदि कहीं बाल विवाह की जानकारी मिले तो चुप रहने के बजाय संबंधित प्रशासन अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को सूचित करना चाहिए।

बेटियाँ बोझ नहीं, भविष्य की निर्माता हैं

समाज की वास्तविक प्रगति ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों और आधुनिक सुविधाओं से ही नहीं, बल्कि इस बात से भी आँकी जानी चाहिए कि वहाँ बेटियों को आगे बढ़ने के कितने अवसर मिल रहे हैं। बेटियों को दहेज नहीं, शिक्षा दीजिए। बंदिशें नहीं, अवसर दीजिए। उनके सपनों को सीमित करने के बजाय उन्हें खुला आसमान दीजिए। आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि किसी भी बच्चे का बचपन विवाह की भेंट नहीं चढ़ने देंगे। हर बेटी को पढ़ने, आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का पूरा अवसर देंगे।

याद रखिए, बेटी की विदाई से पहले उसकी सफलता का उत्सव मनाना ही बदलते और विकसित समाज की वास्तविक पहचान है।

(लेखक के निजी विचार है)

न्यूज गैलरी

रूसी आपातकालीन मंत्रालय के प्रमुख अपनी पहली ऐतिहासिक यात्रा पर पहुंचे बहरीन

मनामा, (वार्ता/स्पुतनिक)। रूसी आपातकालीन मंत्रालय (इमरकॉम) के प्रमुख अलेक्जेंडर कुरेनकोव अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर बहरीन पहुंचे हैं। इमरकॉम के अनुसार, कुरेनकोव बहरीन के राजा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख नासिर बिन हमद अल खलीफा और बहरीन के गृह मंत्री शेख राशिद बिन अब्दुल्ला अल खलीफा के साथ बातचीत करेंगे। वह बहरीन के राष्ट्रीय संकट प्रबंधन केंद्र का दौरा भी करेंगे और 'राष्ट्रीय नागरिक आपातकालीन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तथा बहरीन के पुलिस प्रमुख, तारिक बिन हसन अल हसन से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, इमरकॉम मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी रूस-बहरीन की पहली गोलमेज बैठक में हिस्सा लेंगे, जहां वह आपातकालीन प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। यह रूस के इमरकॉम प्रतिनिधिमंडल की बहरीन की पहली यात्रा है। इससे पहले श्री कुरेनकोव ने मास्को में बहरीन के राजदूत अहमद अब्दुल रहमान अल साती से मुलाकात की थी। उन्होंने आपातकालीन स्थितियों की रोकथाम एवं उनसे निपटने के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं तथा रूसी प्रतिनिधिमंडल की आगामी यात्रा पर चर्चा की थी।

ब्रसेल्स शिखर सम्मेलन में ईयू देश बजट समझौते पर सहमति नहीं बना पाये

मास्को, (वार्ता/स्पुतनिक)। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने बताया कि ब्रुसेल्स में हुए शिखर सम्मेलन में यूरोपीय संघ के नेता 2028-2034 के बजट पर किसी समझौते पर सहमति बनाने में विफल रहे। यह जानकारी स्पुतनिक ने शुक्रवार को दी। कोस्टा ने यह भी कहा कि यूरोपीय संघ के नेता यूक्रेन के लिए अतिरिक्त 45 अरब यूरो (49.35 अरब डॉलर) आवंटित करने पर भी सहमत नहीं हो सके और वे दिसंबर में इस पर फिर से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि 24 सदस्य देशों ने यूक्रेन को अतिरिक्त राशि देने के प्रस्ताव का समर्थन किया। इस ऋण को दो हिस्सों में बांटा गया है जिसमें पहला 25 अरब यूरो सैन्य सहायता के लिए और दूसरा 20 अरब यूरो सामान्य बजट सहायता के लिए है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव का समर्थन करने वाले देशों में बुल्गारिया केवल गैर-सैन्य हिस्से में भाग लेने के लिए सहमत हुआ।

एपीईसी 2026 को सफल बनाने के लिए चीन अन्य सदस्य देशों के साथ मिलकर किया काम : चीन

हनोई, (वार्ता)। वियतनाम के विदेश मामलों के उप मंत्री गुयेन मिन्ह वू ने शुक्रवार को कहा कि चीन ने एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) 2026 के मेजबान वर्ष को सफल बनाने के लिए अन्य सदस्य देशों के साथ मिलकर काम किया। मिन्ह वू ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एपीईसी 2026 की उपलब्धियों और परिणामों के आधार पर वियतनाम वर्ष 2027 में इस मंच की मेजबानी के दौरान क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देगा। इसके लिए डिजिटल व्यापार, आर्थिक मजबूती, डिजिटल साक्षरता, आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग और खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने नवंबर में शेनझेन में एपीईसी नेताओं द्वारा अपनाए गए 'एपीईसी व्यापार डिजिटलीकरण सहयोग ढांचे' का विशेष उल्लेख किया।

निवेश समझौतों की नियमित मॉनिटरिंग करें संबंधित विभाग

एमओयू के क्रियान्वयन से प्रदेश के युवाओं को मिलेगा रोजगार: सीएम

राइजिंग राजस्थान के एमओयू को धरातल पर उतारने में तेजी लाएं, निवेशकों को हरसंभव सहयोग कराएं उपलब्ध

समाचार जगत न्यूज



जयपुर. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से निवेशकों ने प्रदेश में निवेश के लिए जो मजबूत भरोसा जताया है, उसे कायम रखते हुए निवेशकों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग एमओयू के धरातल पर क्रियान्वयन के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें, ताकि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के एमओयू प्रगति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह समिट राजस्थान की विकास यात्रा को मजबूती देने वाली अहम कड़ी है। इसलिए एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग में तेजी लाने के लिए पूर्ण समन्वय के साथ कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने विभाग के एमओयू के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें तथा आवश्यक स्वीकृतियों में तेजी लाएं। उन्होंने मुख्य सचिव को इस सम्पूर्ण कार्य की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के निवेश समझौते प्रदेश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में अधिकारी निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए निवेशकों के साथ निरंतर संवाद रखें।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों का जताया आभार

पूजा-अर्चना कर नवनिर्वाचित सरपंच सीताराम बागड़ा ने संभाला कार्यभार

समाचार जगत न्यूज



जयपुर. पंचायत समिति बस्सी की ग्राम पंचायत बूडथल के नवनिर्वाचित सरपंच सीताराम बागड़ा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान के बाद सरपंच पद का कार्यभार संभाला। कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर ग्रामीणों, समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने उनका स्वागत किया और गांव के विकास के लिए नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी।

इस अवसर पर सरपंच सीताराम बागड़ा ने ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी उनके लिए पद नहीं, बल्कि जनता की सेवा करने का अवसर है। ग्रामीणों ने विश्वास जताकर उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। गांव के विकास में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा और सभी वार्डों एवं ढाणियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के लिए कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव में सड़क, पेयजल, साफ-सफाई, बिजली, नाली निर्माण सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि गांव की जरूरतों के अनुरूप योजनाएं बनाई जा सकें और उनका प्रभावी क्रियान्वयन हो।

पंचायत में पारदर्शिता के साथ होगा काम

सरपंच ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। पंचायत में पारदर्शिता के साथ काम किया जाएगा तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों से भी गांव के विकास में सहयोग करने, आपसी भाईचारा बनाए रखने और पंचायत के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यभार ग्रहण समारोह के दौरान ग्रामीणों ने सरपंच सीताराम बागड़ा का स्वागत करते हुए गांव के विकास, सामाजिक एकता और जनहित के कार्यों में सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में उत्साह का माहौल रहा तथा ग्रामीणों ने नई पंचायत के कार्यकाल में गांव के विकास को गति मिलने की उम्मीद जताई।

पानी और आग एक अनूठा संगम

बिहार सरकार जीविका यूट्यूब चैनल पर प्रसारित हो रहा जयपुर में निर्मित वीडियो



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. जल जाने पर तुरंत प्राथमिक उपचार विषय पर डॉ मालती गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी, सवाई मानसिंह अस्पताल द्वारा निर्मित वीडियो "पानी और आग" बिहार सरकार जीविका विभाग के यू ट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है। प्रसारित करने के प्रथम दिवस पर ही इस वीडियो को रिकॉर्ड 9500 से अधिक व्यूज एवं सात सौ से अधिक लाइक मिले।

डॉ. मालती गुप्ता ने बताया कि जल जाने पर तुरन्त प्राथमिक उपचार विषय पर यह नवाचार देश के किसी भी प्रदेश सरकार द्वारा पहली बार प्रारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार भी यदि जन जागरण के लिए निर्मित इस वीडियो को अपने स्तर पर प्रसारित करे तो प्रदेश की जनता को जल जाने पर तुरंत प्राथमिक उपचार विषय की अत्यंत उपयोगी जानकारी घर बैठे ही प्राप्त हो सकेगी।

विदित रहे कि इस वीडियो को राजस्थान सरकार में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वर्ष 2024 में लॉन्च किया था। इस वीडियो को राजस्थान इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल 2024 एवं जयपुर इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल 2025 द्वारा अवार्ड दिया जा चुका है।

अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस-अजमेर में बढ़ेंगे 2 थर्ड एसी इकोनॉमी डिब्बे

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. यात्रियों की सुविधा व अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस-अजमेर रेलसेवा के डिब्बों की संरचना में परिवर्तन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 20995/20996, अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस-अजमेर रेलसेवा में अजमेर से 30 जनवरी से एवं बान्द्रा टर्मिनस से 31 जनवरी से 2 थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के डिब्बों की बढ़ोतरी की जा रही है।

दिसम्बर में 47 जोड़ी ट्रेनों में बढ़ेंगे 131 अतिरिक्त डिब्बे

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. दिसम्बर माह में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने 47 जोड़ी ट्रेनों में विभिन्न श्रेणी के 131 अतिरिक्त डिब्बे अस्थायी रूप से जोड़ने का निर्णय लिया है। सीपीआरओ अमित सुदर्शन के अनुसार इसमें जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर और श्रीगंगानगर से दिल्ली, दादर, बांद्रा, वाराणसी, इंदौर, अमृतसर, साबरमती, पुरी, तिरुचिरापल्ली, जम्मू तवी, आगरा, भोपाल, हिसार और रेवाड़ी के बीच चलने वाली प्रमुख रेलसेवाएं शामिल हैं। इस फैसले से राजस्थान सहित दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, ओडिशा, तमिलनाडु और जम्मू-कश्मीर के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

शिवा क्लब के तीन खिलाड़ियों ने बनाए इंडिया और एशिया रिकॉर्ड



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. शिवा क्लब, जयपुर के तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, गिर्राज मीणा, पूर्वाश्री और भविष्य धनोपिया ने मार्शल आर्ट्स के क्षेत्र में अपनी असाधारण प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करते हुए इंडिया और एशिया रिकॉर्ड बनाने की उपलब्धि हासिल की।

शिवा क्लब में शुक्रवार को आयोजित आधिकारिक रिकॉर्ड प्रयास के दौरान तीनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी निर्धारित श्रेणियों में प्रदर्शन किया। यह रिकॉर्ड प्रयास इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के आधिकारिक प्रतिनिधि एवं एडजुडिकेटर डॉ. भुवनेश माथुरिया की मौजूदगी में आयोजित किया गया।

इस दौरान 16 वर्षीय गिर्राज मीणा ने एक किलोग्राम का रिस्ट वेट (कलाई पर वजन) पहनकर एक मिनट में 466 फुल-कॉन्टैक्ट पंच लगाए। उनका यह प्रदर्शन इंडिया रिकॉर्ड की श्रेणी में दर्ज किया गया। वहीं, 14 वर्षीय पूर्वाश्री ने दो किलोग्राम वजन पकड़कर एक मिनट में 220 नी स्ट्राइक्स लगाईं। उन्होंने निर्धारित समय में अपनी गति, शक्ति और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए इंडिया और एशिया रिकॉर्ड की श्रेणी में उपलब्धि हासिल की। इसी क्रम में 14 वर्षीय भविष्य धनोपिया ने दो किलोग्राम वजन पकड़कर एक मिनट में 311 डबल स्लैप किक्स लगाईं। उनका यह प्रदर्शन भी इंडिया और एशिया रिकॉर्ड की श्रेणी में दर्ज किया गया। शिवा क्लब के संस्थापक प्रदीप सिंह राघव इन तीनों खिलाड़ियों के मार्गदर्शक हैं।

अंतरीप सम्मान समारोह कल

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिका 'एक ओर अंतरीप' की ओर से घोषित वर्ष 2026 के अंतरीप सम्मान एवं पुरस्कार रविवार को शारदा पुस्तकालय, दुर्गापुरा में आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे।

डॉ. अजय अनुरागी ने बताया कि वर्ष 2026 का अंतरीप शारदा देवी सम्मान उदयपुर के प्रख्यात लेखक एवं आलोचक प्रो. माधव हाड़ा को प्रदान किया जाएगा, जबकि अंतरीप शारदा देवी पुरस्कार जयपुर के वरिष्ठ कवि कैलाश मनहर को दिया जाएगा। अंतरीप पुरस्कार के लिए गद्य विधा में डूंगरपुर के गणेश पाटीदार तथा पद्य विधा में बूंदी की निहारिका शर्मा का चयन किया गया है। समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हेतु भारद्वाज मुख्य अतिथि होंगे, जबकि डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

पुलिस कमिश्नर कल थाना खोरा बिसल पर करेंगे जनसुनवाई

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल कल 28 नवम्बर (शनिवार) को दोपहर 11.30 से 01.30 बजे तक पुलिस थाना खोरा बिसल पर जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान झोटवाड़ा सर्किल के खोरा बिसल, झोटवाड़ा, करधनी, मुरलीपुरा और कालवाड़ थानों के परिवादियों की जनसुनवाई की जाएगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की परिवेदनाओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है।

तूंगा में अवैध कॉलोनियों पर तहसीलदार की चुप्पी



बस्सी, समाचार जगत ब्यूरो. तूंगा तहसील क्षेत्र में सरकारी और खातेदारी भूमि पर अवैध कॉलोनियां बसाने तथा अतिक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। इसके बावजूद तूंगा तहसील प्रशासन की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत अणतपुरा के माध्यावाला स्थित खसरा संख्या 42 में अवैध कॉलोनी बसाकर धड़ल्ले से दुकानों का निर्माण किया जा रहा है। बिना कन्वर्जन पर तूंगा तहसीलदार की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। समय पर कार्रवाई नहीं होने से राजस्व को भारी नुकसान होने की आशंका है। इसी पंचायत के बिहारीपुरा गांव में प्रवेश से पहले तिराहे पर स्थित खातेदारी भूमि पर भी अवैध कॉलोनी काटने का मामला सामने आया है। इससे खातेदारी जमीन का रकबा लगातार घटने और राजस्व नुकसान की चिंता जताई जा रही है। वहीं ग्राम पंचायत करणगढ़ के करणगढ़ गांव में खसरा संख्या 546 स्थित गैर मुमकिन नाले पर अतिक्रमण किए जाने का आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले में भी तहसील प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तीनों मामलों की जांच करवाकर अतिक्रमण हटाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

इनका कहना है

"तूंगा क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों और अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त, जल्द होगी बड़ी कार्रवाई तूंगा क्षेत्र में बिना भू-रूपांतरण (कन्वर्जन) के अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों के मामलों को गंभीरता से लिया गया है। ऐसी कॉलोनियों को चिह्नित कर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी नालों पर किए गए अतिक्रमण को भी चिह्नित कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। नियमों की अनदेखी कर अवैध निर्माण और प्लॉटिंग करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

-दीपक सिंह खटाना, उपखंड अधिकारी बस्सी।

फर्जी दस्तावेजों पर कब्जा दिलाने का आदेश

हाईकोर्ट ने रिव्यू स्वीकार कर पिटीशन को किया पुनर्जीवित

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्लाट पर कब्जा दिलाने का आदेश लेने से जुड़े प्रकरण में राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस अनुरूप सिंघी की बेंच ने रिव्यू पिटीशन स्वीकार कर मूल याचिका को पुनर्जीवित करने के आदेश दिए है। इस संबंध में संपत्ति स्वामी भगवती जगदंबा नगर, झोटवाड़ा निवासी छेलू कंवर ने रिव्यू पिटीशन दायर की थी। एडवोकेट जितेन्द्र सिंह शेखावत ने याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए हाईकोर्ट को बताया कि शिव नगर-ए, बाईपास रोड़, झोटवाड़ा स्थित एक प्लॉट को लेकर भाला फाइनेंस कंपनी ने याचिका दायर कर कहा था कि उक्त संपत्ति को गिरवी रखकर मनीष, कनक एवं एक महिला को ऋण दिया गया था। ऋण नहीं चुकाने पर कब्जा लेने की कार्रवाई की गई। कंपनी ने सरकार को कब्जा बहाल कराने में सहायता देने के निर्देश मांगे। 12 मार्च को हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए नियमानुसार कब्जा दिलाने के निर्देश दे दिए। जिस पर यह रिव्यू पिटीशन दायर कर हाईकोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता ही प्लाट की कानूनी और एकमात्र मालिक हैं। संपत्ति तीनों ऋणियों की कभी भी नहीं रही। याची छेलू कंवर को मालिकाना हक 25 फरवरी की रजिस्टर्ड सेल डीड से मिला है, जो उप-रजिस्ट्रार-03 में पंजीकृत हुई थी। संपत्ति चेतन सैनी ने बेची थी। चेतन ने सुरेश से 16 जनवरी, 2025 को रजिस्टर्ड सेल डीड से खरीदी थी। अधिवक्ता जितेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि विपक्षी फाइनेंस कंपनी के फर्जी दस्तावेजों पर ऋण देने से याचिकाकर्ता का कोई संबंध नहीं है। हाईकोर्ट के 12 मार्च के आदेश के बाद फाईनेंस कंपनी कब्जा लेने पर आमादा हो गए। साथ ही रिव्यू पिटीशन के लंबित रहने के दौरान करधनी थाना पुलिस ने भी 11 अप्रैल को एफआईआर दर्ज कर ली है, जो अन्वेक्षणाधीन है। ऐसे में 12 मार्च के आदेश को वापस लिया जाए।

विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 'एनवायरनटॉक्स-2026' का आगाज

पर्यावरणीय विषाक्तता और मानव स्वास्थ्य के अंतर्संबंधों पर वैश्विक मंथन



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी (वीजीयू), जयपुर में शुक्रवार को पर्यावरणीय विषविज्ञान और मानव स्वास्थ्य पर केंद्रित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'एनवायरनटॉक्स-2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। "पर्यावरणीय विषाक्तताः मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव" विषयवस्तु पर आधारित यह दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 27 एवं 28 नवंबर को आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के प्रख्यात शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विषय विशेषज्ञों ने पर्यावरणीय विषाक्तता के मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों तथा इससे जुड़ी समकालीन चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। फैकल्टी ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज के विभागाध्यक्ष डॉ. गोविंद सहाय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन के लिए कुल 128 शोधपत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से चयनित उत्कृष्ट शोधपत्रों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य शोध एवं वैज्ञानिक नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ शोधकर्ताओं को अपने अनुसंधान कार्यों को व्यापक अकादमिक मंच प्रदान करना है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल, भारत की अरुंधति नीलकंठ कावड़कर, विशिष्ट अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. त्रिभुवन सिंह तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज के अध्यक्ष एवं छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वीजीयू के वाइस चेयरपर्सन डॉ. के.आर. बागड़िया, प्रो-प्रेसिडेंट प्रो. (डॉ.) बलदेव सिंह, सम्मेलन संयोजक प्रो. (डॉ.) दिलीप गुप्ता तथा फैकल्टी ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. (डॉ.) मृदुला पुरोहित सहित अनेक शिक्षाविद एवं गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। उद्घाटन सत्र में वीजीयू के प्रो-प्रेसिडेंट प्रो. (डॉ.) बलदेव सिंह ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए सम्मेलन के उद्देश्य और पर्यावरणीय विषविज्ञान के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान, अंतर्विषयक संवाद और अकादमिक सहयोग के माध्यम से पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य से संबंधित चुनौतियों के समाधान की आवश्यकता को रेखांकित किया। सम्मेलन संयोजक प्रो. (डॉ.) दिलीप गुप्ता ने एनवायरनटॉक्स सम्मेलन श्रृंखला की पृष्ठभूमि और इसकी अकादमिक यात्रा के बारे में जानकारी साझा की। इस अवसर पर सम्मेलन की एब्स्ट्रैक्ट बुक का विमोचन भी किया गया। वीजीयू के वाइस चेयरपर्सन डॉ. के.आर. बागड़िया ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध को रेखांकित करते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इंडियन सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शोध की गुणवत्ता और विभिन्न विषयों के बीच सहयोग को ऐसे सम्मेलनों की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

पहले दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड के 246/5, ब्लंडेल-फिलिप्स के बीच 62 रन की साझेदारी

लैथम-ब्लंडेल के अर्धशतक से कीवी संभले

आकाशदीप को दो गुरनूर-अंशुल व सुंदर को एक-एक विकेट





क्राइस्टचर्च, एजेंसी. क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को मेजबान टीम ने पांच विकेट पर 246 रन बना लिए। कप्तान टॉम लैथम और टॉम ब्लंडेल ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर टीम को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने पर ब्लंडेल 53 और ग्लेन फिलिप्स 36 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 50 से अधिक रनों की साझेदारी हो चुकी है। भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे सत्र में लगातार तीन विकेट लेकर मुकाबले में वापसी की, लेकिन आखिरी सत्र में कीवी बल्लेबाजों ने संभलकर खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

पहले सत्र में कीवी ओपनर्स ने दी मजबूत शुरुआत : टॉस जीतकर भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। हेगले ओवल की हरी पिच पर तेज गेंदबाजों से अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन न्यूजीलैंड के ओपनर्स ने भारतीय आक्रमण का धैर्य के साथ सामना किया। टॉम लैथम और डेवोन कॉनवे ने पहले विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी की। इस दौरान भारतीय गेंदबाजों को स्विंग और पिच से मूवमेंट तो मिला, लेकिन वे शुरुआती सफलता हासिल नहीं कर सके। लैथम को पारी के पहले ही ओवर में जसप्रीत बुमराह की गेंद पर अंपायर ने एलबीडब्ल्यू आउट दिया था, लेकिन उन्होंने रिव्यू लेकर फैसला पलट दिया। इसके बाद 15वें ओवर में आकाशदीप की गेंद पर केएल राहुल ने स्लिप में लैथम का कैच छोड़ दिया। कॉनवे ने चार चौकों की मदद से 31 रन बनाए। लंच से ठीक पहले गुरनूर बरार ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। यह गुरनूर का टेस्ट करियर का पहला विकेट भी रहा। पहले सत्र के अंत तक न्यूजीलैंड ने एक विकेट पर 77 रन बना लिए थे।

लैथम की फिफ्टी के बाद भारत ने लगातार तीन विकेट झटके : लंच के बाद कप्तान लैथम ने संभलकर बल्लेबाजी जारी रखी। उन्होंने 128 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 59 रन बनाए और अपना 32वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। भारतीय गेंदबाजों को लगातार मौके मिल रहे थे, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिल पा रही थी। आखिरकार 42वें ओवर में आकाशदीप ने लैथम को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराकर भारत को दूसरी सफलता दिलाई।

अगले ओवर में अंशुल कंबोज ने हेनरी निकल्स को शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में कैच आउट कराया। निकल्स 46 गेंदों पर 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद आकाशदीप ने रचिन रवींद्र को बिना खाता खोले पंत के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड को तीसरा झटका दिया। इस तरह भारत ने लगातार दो ओवर में तीन विकेट लेकर मेजबान टीम का स्कोर दो विकेट पर 110 रन से चार विकेट पर 110 रन कर दिया। दूसरे सत्र में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन प्रभावी रहा और उन्होंने 24 ओवर में 54 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

मिचेल और ब्लंडेल ने संभाली पारी, सुंदर को मिली सफलता : चार विकेट गिरने के बाद डेरिल मिचेल और टॉम ब्लंडेल ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की और भारतीय गेंदबाजों को विकेट लेने का मौका नहीं दिया। जसप्रीत बुमराह और गुरनूर बरार ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए मेडन ओवर भी निकाले।

इसके बाद मिचेल ने कुछ आकर्षक शॉट लगाकर रन गति बढ़ाई। दोनों के बीच चौथे विकेट के बाद महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। 65वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने मिचेल को ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराकर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। मिचेल ने 74 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 31 रन बनाए। यह सुंदर का पारी में पहला विकेट रहा। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 154 रन था।

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप

गुकेश और सिंदारोव की तीसरी बाजी भी रही ड्रॉ



जेनेवा, एजेंसी. स्विट्जरलैंड के जेनेवा में चल रही वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप 2026 में मौजूदा विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश और चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव के बीच तीसरा गेम भी ड्रॉ रहा। गुरुवार को काले मोहरों से खेल रहे गुकेश ने अपनी पुरानी और दुर्लभ रणनीति से सिंदारोव को चौंका दिया। हालांकि, भारतीय ग्रैंडमास्टर कई मौकों पर दबाव बनाने के बावजूद जीत हासिल नहीं कर सके। 60 चालों के बाद दोनों खिलाड़ियों ने मुकाबला बराबरी पर समाप्त करने पर सहमति जताई। इसके साथ ही तीन गेम के बाद स्कोर 1.5-1.5 हो गया है। शुक्रवार को विश्राम रहेगा, जबकि शनिवार को चौथे गेम में गुकेश सफेद मोहरों के साथ उतरेंगे।

1988 की रणनीति अपनाकर सिंदारोव को चौंकाया : तीसरे गेम में गुकेश ने ओपनिंग के दौरान ऐसी पुरानी रणनीति अपनाई, जिसका इस्तेमाल 1980 और 1990 के दशक में अधिक देखने को मिलता था। इस रणनीति ने सिंदारोव को हैरान कर दिया। इस तरह की चालों का इस्तेमाल पूर्व विश्व चैंपियन बोरिस स्पैस्की ने भी वर्ष 1988 में अपने मुकाबलों के दौरान किया था। स्पैस्की के उन दोनों मुकाबलों का परिणाम ड्रॉ रहा था। मैच के बाद गुकेश से इस रणनीति और स्पैस्की के पुराने मुकाबलों के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, "हां, मैं बता सकता हूं कि स्पैस्की मेरी कोचिंग टीम में शामिल नहीं हैं।"

सऊद के 93 रन व पांच विकेट एलबीएस जीती



समाचार जगत न्यूज

जयपुर. राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को एलबीएस एकेडमी ने जयपुरिया एकेडमी को 55 रन से हराया। एलबीएस ने मोहम्मद सऊद खान के 93, कुणाल के 27 और हर्ष के 26 रन की मदद से 223 रन बनाए। जवाब में जयपुरिया एकेडमी की टीम 168 रन पर सिमट गई। अमय पारीक ने 33 और अगम कौशिक ने 28 रन बनाए। मोहम्मद सऊद खान ने गेंदबाजी में भी पांच विकेट लिए, जबकि कुणाल कुमार साहू ने तीन विकेट हासिल किए।

रोहित फिर संभालेंगे मुंबई इंडियंस की कमान, 2027 में कप्तानी में होगी वापसी

20वें सीजन में रोहित की कप्तानी में वापसी बेहद खास : नीता अंबानी



मुंबई, एजेंसी. रोहित शर्मा एक बार फिर मुंबई इंडियंस की कप्तानी करते नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। आईपीएल 2027 में मुंबई इंडियंस अपना 20वां सीजन खेलेगी और टीम की कमान उसके सबसे सफल कप्तान रोहित के हाथों में होगी। रोहित 2011 में मुंबई से जुड़े थे और 2013 से 2023 तक टीम की कप्तानी की। इस दौरान उनकी अगुवाई में मुंबई इंडियंस ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में पांच बार आईपीएल खिताब जीता।

मुंबई इंडियंस की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने कहा कि टीम के 20वें सीजन में रोहित को दोबारा कप्तानी करते देखना बेहद खास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह नया अध्याय टीम और उसके करोड़ों प्रशंसकों को गर्व करने के कई और मौके देगा।

आकाश अंबानी ने भी रोहित के अनुभव और नेतृत्व पर भरोसा जताया। वहीं, रोहित ने कहा कि मुंबई इंडियंस उनके जीवन का अहम हिस्सा है और टीम की कप्तानी करना हमेशा गर्व की बात रही है। उन्होंने आगामी सीजन में एकजुट होकर अपने अंदाज में क्रिकेट खेलने और नई चुनौतियों के लिए तैयार रहने की बात कही।

राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जयपुर का दबदबा

समृद्धि ने जीते तीन खिताब, अरिंजय बने अंडर-19 बॉयज चैंपियन





जयपुर, समाचार जगत न्यूज. भरतपुर में आयोजित राजस्थान राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई खिताब अपने नाम किए। जयपुर की समृद्धि व्यास ने तीन खिताब जीतकर प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता साबित की। उन्होंने अंडर-17 गर्ल्स, अंडर-19 गर्ल्स और वुमेंस सिंगल्स के फाइनल मुकाबलों में जयपुर की ही राधिका सोनी को हराकर तीनों वर्गों में राजस्थान चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं अंडर-19 बॉयज सिंगल्स के फाइनल में जयपुर के अरिंजय कुच्छल ने अपने ही शहर के सौरभ कपूर को 4-2 से पराजित कर खिताब जीता। जयपुर जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष किशन महेश्वरी और सचिव सचित गुप्ता ने विजेता खिलाड़ियों सहित पूरी जयपुर टीम और कोचिंग स्टाफ को बधाई दी।

सैयद मोदी बैडमिंटन

उन्नति, तन्वी और गायत्री-त्रिशा सेमीफाइनल में



लखनऊ, एजेंसी. सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल सुपर-300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में शुक्रवार को भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई।

महिला एकल के कड़े क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीय उन्नति हुड्डा ने हमवतन अनमोल खरब को एक घंटे 17 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 21-19, 15-21, 21-18 से हराया। वहीं, दूसरी वरीय तन्वी शर्मा ने इंडोनेशिया की एनकेडीए प्रतिवी को तीन गेम में 21-19, 18-21, 21-14 से मात दी। अब आज (शनिवार) खेले जाने वाले सेमीफाइनल में उन्नति और तन्वी के बीच मुकाबला होगा, जिससे महिला एकल में भारत का फाइनल टिकट पक्का हो गया है।

महिला युगल में गत चैंपियन और शीर्ष वरीय गायत्री गोपीचंद व त्रिशा जॉली की जोड़ी को फ्रांसीसी जोड़ी के बीमार होकर हटने से वॉकओवर मिला, जिससे वे बिना खेले अंतिम चार में पहुंच गईं। आज सेमीफाइनल में उनका सामना यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा व येव्हेनिया कांतमिर से होगा। उधर, मिश्रित युगल में भारत के सात्विक रेड्डी कन्नपुरम व रेशिका ने विराज कुवले व रुतुपर्णा पांडा को सीधे गेम में 21-8, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, पुरुष एकल में तुषार सुवीर, महिला एकल में तस्नीम मीर तथा पुरुष युगल में एम.आर. अर्जुन व हरिहरन की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी: भारत फाइनल में, मलेशिया को 6-2 से हराया

लखनऊ, एजेंसी. महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में मेजबान भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए सेमीफाइनल में भारत की ओर से मुमताज खान, नवनीत कौर, सुनेलिता टोप्पो और ईशिका ने एक-एक गोल किया, जबकि दीपिका ने दो गोल दागे। भारत ने पहले क्वार्टर में 1-0 की बढ़त बनाई और दूसरे क्वार्टर में तीन गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। इसके बाद तीसरे और चौथे क्वार्टर में भी एक-एक गोल किया। मलेशिया की ओर से नूर अजर और नूर अमीराह जुल्किफली ने गोल किए। दूसरे सेमीफाइनल में चीन ने जापान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। चीन के लिए झांग हेयांग ने 59वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर निर्णायक गोल किया। अब भारत और चीन के बीच खिताबी मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। वहीं, कोरिया ने थाईलैंड को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। कांस्य पदक के लिए मलेशिया और जापान के बीच मुकाबला होगा।

वेस्ट जोन शतरंज: मारवाड़ यूनिवर्सिटी राजकोट बनी चैंपियन, मुंबई उपविजेता



जयपुर, समाचार जगत न्यूज अपेक्स यूनिवर्सिटी और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (AIU) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज (पुरुष) प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हुआ। मारवाड़ यूनिवर्सिटी, राजकोट ने प्रथम स्थान हासिल कर खिताब अपने नाम किया। पांच राज्यों के 74 विश्वविद्यालयों के करीब 450 खिलाड़ियों की भागीदारी वाली इस स्पर्धा में यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई दूसरे, हैदराबाद सिंध नेशनल यूनिवर्सिटी, मुंबई तीसरे तथा पारुल यूनिवर्सिटी, वडोदरा चौथे स्थान पर रही। समापन समारोह में अपेक्स यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. (डॉ.) रघुवीर सिंह ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए, जबकि पहले छह राउंड के शीर्ष खिलाड़ियों को भी स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिए गए। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी सिद्धांत चतुर्वेदी ने किया था। टूर्नामेंट के आयोजन में AIU ऑब्जर्वर डॉ. प्रवीण सरोहा, टेक्निकल हेड डॉ. गौतम जाधव और अपेक्स यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर वेदांशु जुनिवाल की प्रमुख भूमिका रही।

अस्मिता साइक्लिंग लीग आज से जयपुर में

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. अस्मिता खेलो इंडिया वूमेन साइक्लिंग जोनल लीग का आयोजन आज से एसएमएस स्टेडियम स्थित साइक्लिंग वेलोड्रोम में होगा। 29 और 30 नवंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में राजस्थान सहित महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की महिला एवं बालिका साइक्लिस्ट हिस्सा लेंगी। राजस्थान साइक्लिंग की चेयरपर्सन सारिका चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाना और उन्हें बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना है। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशन में होने वाली प्रतियोगिता में एलीट वूमेन, सीनियर, जूनियर गर्ल्स और सब-जूनियर गर्ल्स वर्गों के मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता संयोजक अरुण जोशी ने जयपुर को वेस्ट जोन की मेजबानी मिलने को राजस्थान के लिए गौरव बताया।

पद्मनाभ के पंच से जयपुर फाइनल में आज अचीवर्स से खिताबी मुकाबला



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. जयपुर पोलो सीजन के तहत आयोजित 'द ग्वालियर कप' (06 गोल) टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में शुक्रवार को टीम जयपुर ने टीम रामबाग/स्वराज को 7.5-6 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में टीम जयपुर की ओर से पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच गोल दागे। विश्वराज सिंह राठौड़ और डीनो धनखड़ ने एक-एक गोल किया। टीम को आधे गोल का एडवांटेज भी मिला। रामबाग/स्वराज की ओर से जुआन जोस डियाज अल्बर्डी ने पांच और हुर्र अली ने एक गोल किया।

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आज को शाम 4 बजे आरपीसी ग्राउंड पर टीम जयपुर और टीम विमल एरियन अचीवर्स के बीच खेला जाएगा। वहीं कल 'एच.एच. द महाराजा ऑफ मैसूर कप' का एग्जीबिशन पोलो मैच आयोजित होगा।

स्पोर्ट्स गैलरी

नॉकआउट मैचों से पहले राजस्थान टीम में बदलाव, राहुल चाहर की जगह अजय कुकना शामिल

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सुपर लीग (नॉकआउट) मुकाबलों से पहले राजस्थान की सीनियर टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। लेग स्पिनर राहुल चाहर को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर अजय सिंह कुकना को टीम में शामिल किया गया है। नागपुर में 30 नवंबर से शुरू होने वाले सुपर लीग चरण में राजस्थान की टीम अपना पहला मुकाबला पंजाब के खिलाफ खेलेगी। टीम में शामिल किए गए अजय कुकना आज नागपुर में राजस्थान टीम से जुड़ेंगे। ग्रुप-बी में राजस्थान के साथ पंजाब, मुंबई और आंध्र प्रदेश की टीमें शामिल हैं। राजस्थान को 30 नवंबर को पंजाब के बाद 2 दिसंबर को आंध्र प्रदेश और 4 दिसंबर को मुंबई से भिड़ना है। राहुल चाहर की गैरमौजूदगी में अब अजय कुकना के पास इन अहम मुकाबलों में अपनी फिरकी का दम दिखाने का मौका होगा।

कूच बिहार ट्रॉफी: राजस्थान ने बनाए 360 रन, हिमाचल अभी 153 रन पीछे

अम्तर, समाचार जगत ब्यूरो. बीसीसीआई अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी में राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के बीच खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन राजस्थान ने पहली पारी में 360 रन बनाए। हिमाचल के अम्तर में खेले जा रहे मैच में राजस्थान की ओर से रजत बघेल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 126 रन की शतकीय पारी खेली। आदित्य भाम्भू ने 69, अभय शर्मा ने 53, कुशाग्र ओझा ने 32, प्रखर शर्मा ने 28 और यथार्थ भारद्वाज ने 27 रन का योगदान दिया। हिमाचल की ओर से नौनिहाल ने पांच विकेट हासिल किए। जवाब में हिमाचल ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में तीन विकेट पर 207 रन बना लिए थे। टीम की ओर से दिव्यांश ने 58 और अमनदीप ने 54 रन की पारियां खेलीं। राजस्थान की ओर से सुमित तेजी और सौभाग्य भाटी ने एक-एक विकेट लिया। हिमाचल की टीम अभी राजस्थान के पहली पारी के स्कोर से 153 रन पीछे है।

लवमीत-दैविक के दम पर राजस्थान ने उत्तराखंड को पारी और 101 रन से रौंदा





लखनऊ, समाचार जगत ब्यूरो. बीसीसीआई अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड को पारी और 101 रन से करारी शिकस्त दी। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के तीसरे और अंतिम दिन शुक्रवार को राजस्थान के गेंदबाजों ने उत्तराखंड की दूसरी पारी 122 रन पर समेटकर टीम को एकतरफा जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तराखंड ने कप्तान साकेत चौहान (111) के शतक की बदौलत पहली पारी में 215 रन बनाए थे, जिसमें राजस्थान के लवमीत गुर्जर और हर्षित यादव ने चार-चार तथा आंजनेय शर्मा ने दो विकेट लिए। जवाब में राजस्थान ने दैविक सोमानी के शानदार शतक (117 रन) और सुशांत बस्नेत (68), निश्चल शर्मा (65), आदित्य राज (नाबाद 62) व वशिष्ठ शर्मा (51) के अर्धशतकों की मदद से नौ विकेट पर 438 रन बनाकर पारी घोषित की और 223 रन की विशाल बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में उत्तराखंड की ओर से कृष्णा त्यागी ने सर्वाधिक 40 और साकेत चौहान ने 36 रन बनाए, लेकिन टीम पारी की हार नहीं टाल सकी। राजस्थान की ओर से लवमीत गुर्जर ने दूसरी पारी में भी 15 रन देकर चार विकेट झटके और मैच में कुल आठ विकेट पूरे किए। वहीं आंजनेय शर्मा ने तीन, आदित्य राज ने दो और हर्षित यादव ने एक विकेट हासिल किया।

दक्ष के अर्धशतक से केंडलविक एकेडमी की जीत

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को केंडलविक क्रिकेट एकेडमी ने भदौरिया क्रिकेट एकेडमी को 23 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केंडलविक ने दक्ष कासलीवाल के 50 और ओशिनक ग्रोवर के 47 रन की मदद से 181 रन बनाए। जवाब में भदौरिया की टीम देवांश सिंह के 97 रन के बावजूद 158 रन ही बना सकी। रौनक सैनी ने तीन विकेट लिए। दक्ष कासलीवाल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

नेशनल स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव: जयपुर में कल जुटेंगे खेल दिग्गज

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. एटलेंटर स्पोर्ट्स की ओर से 100 मेडल्स फाउंडेशन के सहयोग और विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी की भागीदारी में 29 नवंबर को होटल क्लार्क्स आमेर में 'गेम चेंजर्स विजन 2026-नेशनल स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव एंड लीडरशिप समिट' का आयोजन किया जाएगा। रविवार शाम 3:30 बजे से होने वाले इस कॉन्क्लेव में ओलंपिक पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि होंगे। 'शेपिंग द फ्यूचर ऑफ इंडियन स्पोर्ट्स 2026-2036' थीम पर आधारित इस समिट में कॉमनवेल्थ गेम्स 2030, भारत की ओलंपिक 2036 की मेजबानी, खिलाड़ी विकास, खेल इकोसिस्टम, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर पर चार पैनल चर्चाएं होंगी। कार्यक्रम में एशियन गेम्स स्वर्ण पदक विजेता राहुल चौधरी, अंतरराष्ट्रीय पहलवान संग्राम सिंह, मोटरस्पोर्ट्स चैंपियन ऐश्वर्या पिस्से, ब्लेड रनर मेजर डीपी सिंह, सांसद डॉ. हेमांग जोशी और अभिनेता रणविजय सिंहा सहित कई हस्तियां शामिल होंगी। इस अवसर पर खेल क्षेत्र में योगदान देने वाले खिलाड़ियों, प्रशासकों और संस्थानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

नेशनल शूटिंगबॉल के लिए राजस्थान की टीमें घोषित, प्रमोद और निशा संभालेंगे कमान

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. 45वीं जूनियर राष्ट्रीय शूटिंगबॉल चैंपियनशिप 28 से 30 नवंबर तक मैनपुरी (उत्तर प्रदेश) में होगी। इसके लिए राजस्थान की दोनों टीमें घोषित कर दी गई हैं। बॉयज टीम में प्रमोद पंवार (कप्तान), खुशाल (उपकप्तान), नक्स, मोहम्मद जिबरान, सियाराम, खेमचंद, अरमान, अरहम फेज, साहिल मोहम्मद, विनायक कुमावत, नितेश सिंह और दिशांत शर्मा शामिल हैं। टीम के कोच कुतुबुद्दीन और मैनेजर हरलाल सिंह हैं। वहीं गर्ल्स टीम में निशा चौधरी (कप्तान), नव्या यादव (उपकप्तान), खुशी शेरावत, चंचल जांगिड़, किशना, विधि रोहिला, भूमिका जोशी, मूमल कंवर, वैशाली सोनी, सपना सेपट, रुद्राक्षी शर्मा और अंजलि को शामिल किया गया है। टीम की कोच आरपी शेरावत और मैनेजर अंजू चौधरी हैं। महासचिव डॉ. ओपी माचरा ने बताया कि गर्ल्स टीम इस बार स्वर्ण पदक जीतकर लगातार तीसरे वर्ष पदक हासिल करने की हैट्रिक लगाने का प्रयास करेगी। दोनों टीमें शनिवार शाम ट्रेन से रवाना होंगी।

सुदामा कप बैडमिंटन का आगाज: 350 से ज्यादा खिलाड़ी उतरे, पहले दिन खेले गए 240 मुकाबले



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. गुलाबी नगरी के एसएमएस स्टेडियम में शुक्रवार को 9वें सुदामा कप मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य आगाज हुआ। देश के विभिन्न शहरों में आयोजन के बाद पहली बार जयपुर में हो रही इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में 35 से 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 350 से ज्यादा महिला एवं पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन पिथौरागढ़ (उत्तराखंड) के पूर्व राजपरिवार के सदस्य राजा भानु राज सिंह पाल ने किया। इस अवसर पर जयपुर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन (जेडीबीए) के सचिव मनोज दासोत, संयोजक एसपी सिंह, उमेश अग्रवाल, हरमीत सिंह और अशोक नारंग मौजूद रहे। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन और जेडीबीए के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता में पहले दिन 11 अंतरराष्ट्रीय स्तर के इंडोर कोर्ट पर सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स के 240 मुकाबले खेले गए। इसमें राजस्थान के करीब 80 खिलाड़ी शामिल हैं। प्रतियोगिता में प्रशासनिक एवं विदेश सेवा, बैंकिंग, चिकित्सा, डाक, मंत्रालयिक सेवा, रक्षा क्षेत्र के अधिकारियों, पूर्व खिलाड़ियों और निजी क्षेत्र के प्रोफेशनल्स सहित सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी भाग ले रहे हैं। खास बात यह है कि पहले राउंड में हारकर बाहर होने वाले खिलाड़ियों को भी भागीदारी के लिए मेडल देकर सम्मानित किया जा रहा है। पहले मुकाबले में हार के बाद राजा भानु राज सिंह पाल ने राजस्थान के आरके सक्सेना के साथ जोड़ी बनाकर जम्मू-कश्मीर के आशीष शर्मा और उत्तर प्रदेश के डॉ. दीदार सिंह को 2-1 से हराया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले कल खेले जाएंगे।

न्यूज गैलरी

बैंक ऑफ बड़ौदा ने बालिका स्कूल को दिए स्मार्ट क्लास और स्वच्छता सुविधाओं के संसाधन



जोधपुर, समाचार जगत ब्यूरो. बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत 22 नवंबर को महामंदिर स्थित राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को डिजिटल शिक्षा, सुरक्षित पेयजल और बेहतर मासिक धर्म स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ डॉ. देबदत्त चंद, कार्यकारी निदेशक लाल सिंह, जोधपुर जोन के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख पंकज खत्री सहित अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान स्कूल की प्रधानाचार्य शीला आसोपा और विद्यालय के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। सीएसआर पहल के तहत विद्यालय को वाटर कूलर, स्मार्ट टीवी, स्मार्ट क्लासरूम की शिक्षण सामग्री, सैनिटरी वेंडिंग मशीन और सैनिटरी वेस्ट इंसीनरेटर उपलब्ध कराए गए। इन सुविधाओं से विद्यालय की शैक्षणिक और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाएं मजबूत होंगी। पहल से स्कूल की 225 छात्राओं को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में बैंक के उप महाप्रबंधक ब्रहमानंद द्विवेदी, बल किशन और क्षेत्रीय प्रमुख विवेक सिंघल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोब्से का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न बच्चों के समग्र विकास पर हुआ मंथन



हरिद्वार, समाचार जगत ब्यूरो. पतंजलि रिसर्च इंस्टीट्यूट के सभागार में 25 से 27 नवंबर तक आयोजित काउंसिल ऑफ बोर्ड्स ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया (कोब्से) का तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को संपन्न हुआ। इसमें देश के 41 शिक्षा बोर्डों के प्रतिनिधियों सहित नेपाल और भूटान के करीब 91 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में बच्चों के सामाजिक-भावनात्मक विकास, शिक्षा की चुनौतियों और सर्वांगीण विकास पर चर्चा हुई। जनरल बॉडी की बैठक में 56वां सम्मेलन त्रिपुरा में आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। समापन समारोह में योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में भी विश्व गुरु बनना होगा। उन्होंने इच्छा जताई कि देश के 90 से 99 प्रतिशत बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ें और अभिभावक इस पर गर्व महसूस करें। कोब्से महासचिव एमसी शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर 12 प्रस्तुतिकरण हुए। अध्यक्ष डॉ. जी. इम्मानुएल ने बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। वहीं, भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह ने सभी शिक्षा बोर्डों से मिलकर बच्चों का भविष्य संवारने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कोब्से के पदाधिकारियों और सदस्यों के परिवारों को दिसंबर 2026 और जनवरी 2027 में वेलनेस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वंदना पाण्डेय ने किया।

69% शहरी भारतीयों ने दूध को प्रोटीन का किफायती स्रोत माना: गोदरेज जर्सी रिपोर्ट

मुंबई, गोदरेज जर्सी की लैक्टोग्राफ 2.0 रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में दूध रोजाना प्रोटीन का एक भरोसेमंद और किफायती स्रोत बना हुआ है। YouGov द्वारा आठ शहरों में किए गए अध्ययन में 69 प्रतिशत लोगों ने दूध को दैनिक प्रोटीन का किफायती विकल्प माना। मुंबई और चेन्नई में यह आंकड़ा 80 प्रतिशत रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, 60 प्रतिशत लोग रोजाना चाय या कॉफी के जरिए दूध का सेवन करते हैं, जबकि 40 प्रतिशत सादा दूध पीते हैं। वहीं, 59 प्रतिशत उपभोक्ता जानते हैं कि दूध एक संपूर्ण प्रोटीन है, जिसमें शरीर के लिए जरूरी सभी नौ अमीनो एसिड मौजूद होते हैं। शाकाहारियों में 86 प्रतिशत लोग डेयरी उत्पादों को प्रमुख प्रोटीन स्रोत मानते हैं। इसके अलावा, 69 प्रतिशत लोग पनीर और 47 प्रतिशत दही को संपूर्ण प्रोटीन के रूप में पहचानते हैं। अध्ययन में यह भी सामने आया कि करीब 90 प्रतिशत शहरी उपभोक्ता बचपन से जुड़ी डेयरी परंपराओं को आज भी अपनाते हैं।

लिवर रोगों के प्रभावी प्रबंधन में शुरुआती जांच और समय पर पहचान अहम: मेदांता विशेषज्ञ

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो. लिवर संबंधी बीमारियों का समय पर पता लगाना और उचित उपचार शुरू करना गंभीर जटिलताओं से बचाव में महत्वपूर्ण है। मेदांता गुरुग्राम में लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अंकुर अटल गुप्ता के अनुसार, लिवर की बीमारियां अक्सर शुरुआती दौर में स्पष्ट लक्षण नहीं दिखातीं। अत्यधिक शराब सेवन, वायरल हेपेटाइटिस और फैटी लिवर जैसी समस्याएं लंबे समय में लिवर सिरोसिस का कारण बन सकती हैं। डॉ. गुप्ता ने कहा कि शुरुआती जांच, उचित मूल्यांकन और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप से बीमारी को गंभीर अवस्था में पहुंचने से रोका जा सकता है। एडवांस लिवर रोग के मामलों में उचित उपचार और जरूरत पड़ने पर लिवर प्रत्यारोपण भी मरीजों के लिए मददगार हो सकता है।

संविधान दिवस पर डीएफएस सचिव ने दिलाई संविधान की प्रस्तावना की शपथ



नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो. संविधान दिवस 2026 के अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इस दौरान सभी ने संविधान में निहित आदर्शों और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का उद्देश्य संविधान के मूल सिद्धांतों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के संकल्प को दोहराना रहा।

देश-विदेश के वैज्ञानिक और उद्योग विशेषज्ञ होंगे शामिल

सिपेट जयपुर में आज से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'एपीएम-2026'

समाचार जगत न्यूज



जयपुर. केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), जयपुर की ओर से 28 से 30 नवंबर तक 17वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'एपीएम-2026' का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष सम्मेलन की थीम 'विकसित भारत-2047 के लिए उन्नत पेट्रोरसायन सामग्री, सुरक्षा एवं सतत विकास' रखी गई है।

इसमें देश-विदेश के प्रख्यात वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, शोधकर्ता और उद्योग जगत की हस्तियां हिस्सा लेंगी। सम्मेलन में पद्म विभूषण प्रो. एम.एम. शर्मा, पद्म भूषण एवं पद्मश्री डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, पद्मश्री प्रो. गणपति डी. यादव और पद्मश्री प्रो. आशुतोष शर्मा सहित कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। सिपेट के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर सिन्हा ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य पेट्रोरसायन एवं पॉलिमर विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों को नवीनतम तकनीकों एवं अनुसंधान अनुभवों के आदान-प्रदान का मंच मिलेगा। तीन दिवसीय आयोजन में मौखिक शोध प्रस्तुतियां, पोस्टर प्रेजेंटेशन, स्टार्टअप एवं इनोवेशन मीट, एमएसएमई कॉन्क्लेव, क्रेता-विक्रेता बैठक, इंडस्ट्री-एकेडेमिया फोरम और यंग इंडिया हैकाथॉन आयोजित होंगे। तकनीकी सत्रों में उन्नत पॉलिमर, जैव-प्लास्टिक, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, रीसाइक्लिंग, औद्योगिक सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इस अवसर पर सिपेट के ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, विद्यार्थियों के लिए वित्तीय सहायता और 'नो प्लास्टिक्स टू नो प्लास्टिक्स' राष्ट्रीय जागरूकता अभियान का शुभारंभ भी किया जाएगा। साथ ही सिपेट लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड्स-2026 प्रदान किए जाएंगे। प्रो. सिन्हा ने कहा कि एपीएम-2026 शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग के बीच सहयोग मजबूत करने के साथ स्वदेशी तकनीक, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह आयोजन विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

एसबीआई लाइफ ने अहमदाबाद में लगाया शिकायत निवारण शिविर

11 करोड़ रुपए से अधिक के 593 दावों का निपटारा



मुंबई, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अहमदाबाद में भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की शिकायत निवारण माह पहल के तहत विशेष शिविर आयोजित किया। इसका उद्देश्य पॉलिसीधारकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और बीमा क्षेत्र में ग्राहकों का भरोसा मजबूत करना था।

शिविर में जीवन और सामान्य बीमा क्षेत्र की 44 कंपनियों ने भाग लिया। इनके अलावा आईआरडीएआई, जीवन बीमा परिषद, सामान्य बीमा परिषद और बीमा लोकपाल के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। शिविर में कुल 187 पॉलिसीधारकों ने हिस्सा लिया।

इस दौरान 11 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के 593 बीमा दावों का मौके पर निपटारा किया गया। ग्राहकों को शिकायत समाधान के लिए उपलब्ध माध्यमों, जैसे बीमा कंपनियों की आंतरिक शिकायत निवारण व्यवस्था, आईआरडीएआई के बीमा भरोसा पोर्टल और बीमा लोकपाल प्रणाली की जानकारी भी दी गई।

एसबीआई लाइफ के प्रेसिडेंट-ऑपरेशंस एंड आईटी अभिजीत गुलानिकर ने कहा कि कंपनी ग्राहकों की समस्याएं सुनने और उनका समय पर समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसे और पारदर्शिता को बीमा सेवाओं का महत्वपूर्ण आधार बताया।

आईआरडीएआई की इस पहल के तहत 13 से 25 नवंबर 2026 के बीच देशभर में 16 शिविर आयोजित किए गए। यह प्रयास 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में सहायक होगा।

खाद्य सुरक्षा और पोषण जागरूकता के लिए

एमवे इंडिया और आईटीसीएफएसएएन के बीच समझौता



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. एमवे इंडिया ने खाद्य सुरक्षा और पोषण के प्रति उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर फॉर फूड सेफ्टी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन (आईटीसीएफएसएएन) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य वैज्ञानिक जानकारी के प्रसार, उपभोक्ता जागरूकता और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है। एमओयू पर एमवे इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर रजनीश चोपड़ा और आईटीसीएफएसएएन में एफएसएसएआई पश्चिमी क्षेत्र की डिप्टी डायरेक्टर (टेक्निकल) वैदेही कलझुनकर ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एफएसएसएआई पश्चिमी क्षेत्र की रीजनल डायरेक्टर प्रीति चौधरी भी मौजूद रहीं। साझेदारी के तहत विशेषज्ञों की अगुवाई में जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण, जानकारी साझा करने और क्षमता निर्माण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनका लाभ उपभोक्ताओं, विद्यार्थियों और खाद्य उद्योग से जुड़े पेशेवरों को मिलेगा। आपसी सहमति और आवश्यक मंजूरियों के बाद दोनों संस्थाएं शोध एवं विश्लेषण संबंधी अध्ययन भी कर सकेंगी। रजनीश चोपड़ा ने कहा कि उपभोक्ताओं तक वैज्ञानिक और विश्वसनीय जानकारी पहुंचाना जरूरी है।

दक्षिण भारतीय व्यंजनों के स्वाद से महका जयपुर, फूड मीट-अप में जुटे फूड लवर्स



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. जयपुर के मालवीय नगर स्थित बनाना लीफ के नए आउटलेट पर विशेष फूड मीट-अप आयोजित किया गया। इसमें शहर के फूड इन्फ्लुएंसर्स और फूड लवर्स ने हिस्सा लेकर दक्षिण भारतीय व्यंजनों के जायके का आनंद लिया। इंडस हॉस्पिटैलिटी के पार्टनर नंदन होनावर और रिनित शेट्टी ने अपनी टीम के साथ मेहमानों की मेजबानी की। खास मेन्यू में कोकोनट पंच, रसम वडा, कूर्ग इडली, पोड़ी मिनी इडली, बेन्ने डोसा, रजनी डोसा और वेजिटेबल चेट्टीनाड के साथ केरल पराठा परोसे गए। वहीं, मीठे में सेमिया पायसम और पारंपरिक फिल्टर कॉफी का स्वाद भी मेहमानों ने लिया। नंदन होनावर ने कहा कि उनका उद्देश्य जयपुर के लोगों को दक्षिण भारतीय खानपान की विविधता और पारंपरिक स्वादों का प्रामाणिक अनुभव कराना है।

सोना 2,000 रुपए चढ़ा और चांदी 6,000 रुपए चमकी

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी के रुख के बीच एमसीएक्स में आई मजबूती से शुक्रवार को जयपुर के सर्राफा बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी बनी रही। शुद्ध सोना 2,000 रुपए चढ़कर 1,28,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया वहीं इसके समर्थन में जेवराती सोना भी 1,900 रुपए की तेजी के साथ 1,19,500 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। उधर चांदी के भाव भी 6,000 रुपए उछलकर 1,58,000 रुपए प्रति किलो हो गए।

एडवांस्ड इमेजिंग फीचर्स के साथ वीवो एक्स 500 सीरीज लांच

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो. वीवो इंडिया ने अपनी नई फ्लैगशिप स्मार्टफोन सीरीज वीवो एक्स 500 को भारत में लॉन्च करने की घोषणा की है। ज़ाइस के सहयोग से तैयार इस सीरीज में एक्स 500 प्रो मैक्स, एक्स 500 प्रो और एक्स 500 शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, ये स्मार्टफोन एडवांस्ड फोटोग्राफी और सिनेमैटिक वीडियोग्राफी का अनुभव प्रदान करेंगे। सीरीज के टॉप मॉडल एक्स 500 प्रो मैक्स में 200 मेगापिक्सल का ज़ाइस एपीओ टेलीफोटो कैमरा और ज़ाइस टू-डायनामिक मेन कैमरा दिया गया है। इसमें टेलीफोटो एएफ ट्रैकिंग वीडियो और स्नैपशॉट फीचर के साथ 60 एफपीएस तक ऑटोफोकस ट्रैकिंग की सुविधा है। इसके अलावा, यह वीवो का पहला नेटिव 4K 240 एफपीएस सिनेमैटिक स्लो-मो वीडियो सपोर्ट वाला फोन है। वहीं, एक्स 500 प्रो में 6.36 इंच का कॉम्पैक्ट डिस्प्ले और टेलीफोटो एएफ ट्रैकिंग वीडियो फीचर दिया गया है।

भारत के बढ़ते ट्रांसमिशन नेटवर्क में नीमराना की अहम भूमिका, 2032 के लक्ष्य की ओर महत्वपूर्ण कदम

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. देश में बिजली की बढ़ती मांग और अक्षय ऊर्जा के विस्तार के बीच ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में राजस्थान का नीमराना महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। राष्ट्रीय विद्युत योजना (ट्रांसमिशन) के तहत वर्ष 2032 तक देश के बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को बड़े स्तर पर विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है।

विद्युत मंत्रालय के अनुसार, जून 2026 तक देश में 220 केवी और उससे अधिक क्षमता का ट्रांसमिशन नेटवर्क 5.09 लाख सर्किट किलोमीटर तक पहुंच चुका था। इसे वर्ष 2032 तक बढ़ाकर 6.48 लाख सर्किट किलोमीटर करने की योजना है। इसके लिए करीब 1.39 लाख सर्किट किलोमीटर नेटवर्क का विस्तार करना होगा।

इसी योजना के तहत राजस्थान में नीमराना-II–कोटपुतली ट्रांसमिशन परियोजना विकसित की जा रही है। इसका उद्देश्य बीकानेर क्षेत्र के रिन्यूएबल एनर्जी जोन फेज-IV से उत्पादित अक्षय ऊर्जा की निकासी और राष्ट्रीय ग्रिड में उसके एकीकरण को बेहतर बनाना है।

परियोजना के अंतर्गत नीमराना में 765/400 केवी क्षमता का 6,000 एमवीए सब-स्टेशन बनाया जा रहा है। इसके अलावा नीमराना-II से कोटपुतली तक लगभग 250 किलोमीटर लंबी 400 केवी डबल-सर्किट ट्रांसमिशन लाइन विकसित की जा रही है।

यह परियोजना राजस्थान के अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षेत्रों को उत्तर भारत के बिजली मांग केंद्रों से जोड़ने में मदद करेगी। इससे स्वच्छ ऊर्जा के बेहतर उपयोग और बिजली आपूर्ति नेटवर्क को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नीमराना का औद्योगिक महत्व भी इस परियोजना को खास बनाता है। यहां ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्र की कई औद्योगिक इकाइयां मौजूद हैं। औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के साथ बिजली की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में मजबूत ट्रांसमिशन व्यवस्था क्षेत्र की भविष्य की औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगी। इस तरह नीमराना-II–कोटपुतली परियोजना अक्षय ऊर्जा, औद्योगिक विकास और राष्ट्रीय बिजली नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
No. DRM-Elect-35 (26-27) Dated : 25.11.2026 मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली), उत्तर-पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्य के लिये दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संख्या : मं.रे.प्र.(बि.)-35-26 -27 कार्य का नाम : All Div.: Provision of 02 nos. Escalators at Marwar Junction Station अनुमानित लागत : ₹ 2,43,72,620/- बयाना राशि : ₹ 4,87,500/- ई निविदायें बन्द होने की तिथि : 16/12/2026 उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वैबसाइट का पता- www.ireps.gov.in 1681-CQ/26
इसे /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
संख्या: NWR-AII0ADMIN(GENS)/45/2022 दिनांक. 20.11.2026
मुख्य परियोजना प्रबन्धक (जीएसयू), उत्तर-पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिए दी गई तिथि को 15:00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संख्या : CPM-GSU-AII-PSSA-2026-27 कार्य का नाम : Appointment of Project Supervision Services Agency (PSSA) for Providing Project Supervision Services at various construction site/section in the jurisdiction of Chief Project Manager, Gati shakti Unit, Ajmer division of North Western Railway अनुमानित लागत Rs. 7,75,85,509.20 Bid Security Rs. 15,51,800.00 ई निविदायें बन्द होने की तिथि व समय - 14/12/2026 को 15:00 बजे ई निविदायें खोलने की तिथि व समय - 14/12/2026 को 15:30 बजे उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वैबसाइट का पता -www.ireps.gov.in 1675-CQ/26
इसे /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नाम परिवर्तन
मैं, वत्सला रास्वेचा, सुपुत्री श्री दिनेशचंद्र रास्वेचा, 20 वर्ष, 83, द रॉयल एवेन्यू, सीताबाड़ी, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) मेरा सही और पूर्ण नाम वत्सला रास्वेचा है। कुछ दस्तावेजों/रिकॉर्ड्स में मेरा नाम गलती से केवल "वत्सला" लिखा गया है। वत्सला तथा वत्सला रास्वेचा दोनों नाम मेरे स्वयं के हैं। भविष्य मुझे वत्सला रास्वेचा के नाम से जाना जावे।

कटिहार मंडल में इलेक्ट्रिकल टीआरडी कार्य
ई-निविदा सूचना संख्या: EL-TRD-2x25-OHE-01; दिनांक: 24-11-2026. निम्नवर्णित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाता है। कार्य का नाम: पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कटिहार मंडल के मालदा टाउन (छोड़कर) - कुमेदपुर - मुकुरिया (सहित) (मालदा टाउन-कुमेदपुर-मुकुरिया) खंड (84 आरकेएम /168 टीकेएम) में मौजूदा 1x25 केवी एसी कर्षण प्रणाली के उन्नयन और मिशन 3000 एमटी लोडिंग लक्ष्य के संबंध में ओएचई संशोधन तथा फीडर, एरियल अर्थ कंडक्टर (एईसी) और बरीड अर्थ कंडक्टर (बीईसी) के प्रावधान का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग कार्य। विज्ञापित मूल्य: ₹83,81,09,851.26/-; अग्रिम राशि: ₹1,67,62,200/-; निविदा के बंद करने की तिथि और समय 18-12-2026 को 15:00 बजे। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेजों के साथ पूरी जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी।
पीसीईई, मालीगाँव
पूर्वोत्तर सीमा रेल
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक खनि अभियन्ता, खान एवं भूविज्ञान विभाग, टोंक
खनिज भवन सिविल लाईन टोंक
email: ame.tonk@rajasthan.gov.in
क्रमांकः- सखअ/टोंक / निविदा/2026-27/ दिनांक :-
नीलामी सूचना प्रकाशन 03/2026-27
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला टोंक के विभिन्न स्थानों पर निम्नानुसार जब्तशुदा खनिज बजरी के अवैध स्टॉक की नीलामी हेतु सीलबंद लिफाफे में दरे आमंत्रित की जाती है-

क्रम सं.	बजरी स्टॉक स्थल	खनिज	खनिज की अनुमानित मात्रा (टनों में)	बयाना /अमानता राशि	न्यूनतम बोली राशि (रु.)
1	जिला टोंक की तहसील उनियारा के पुलिस थाना बनेठा के परिसर में खनिज विभाग द्वारा जब्त बजरी चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	650	42,250	4,22,500
2	जिला व तहसील टोंक के ग्राम चूली से जब्त बजरी ग्राम पालडा के बजरी बिकी केन्द्र पर चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	2885	1,87,525	18,75,250
3	जिला व तहसील टोंक के विभिन्न स्थानों से जब्त बजरी ग्राम मण्डावर के खसरा नं. 36 व 37 किस्म चारागाह भूमि पर चिन्हित ढेरियों के रूप में ग्राम विकास अधिकारी की सुपुर्दगी में पड़ी है।	बजरी	1975	1,28,375	12,83,750
4	जिला टोंक की तहसील निवाई के ग्राम बहड़ में चारागाह भूमि खसरा नं. 674/1 पर 700 टन व खसरा नं. 670/1 पर 300 टन कुल 1000 टन ग्राम विकास अधिकारी एवं हल्का पटवारी की सुपुर्दगी में चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	1000	65,000	6,50,000
5	जिला व तहसील टोंक के ग्राम भाँची के खसरा संख्या 166/01 से जब्त 300 टन बजरी तथा खातेदारी खसरा नं. 338 से जब्त 150 टन बजरी कुल बजरी 450 टन ग्राम चिरोंज में बालाजी के मन्दिर के पीछे स्कूल खेल मेदान में ग्राम विकास अधिकारी की सुपुर्दगी में चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	450	29,250	2,92,500
6	जिला व तहसील टोंक के ग्राम भाँची के खसरा संख्या 338 किस्म बारानी-1 खातेदारी से जब्त 750 टन बजरी हल्का पटवारी देवली भाँची की सुपुर्दगी में चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	750	48,750	4,87,500
7	जिला टोंक की तहसील देवली के ग्राम राजमहल में खसरा नं. 675 सिवायचक भूमि पर ग्राम विकास अधिकारी की सुपुर्दगी में चिन्हित ढेरियो के रूप में पड़ी है।	बजरी	300	19,500	1,95,000

उक्त बजरी के नीलामी के संबंध में किसी को भी आपत्ति अथवा ऐतराज हो तो इस संबंध में अपना अभ्यावेदन अविलम्ब कार्यालय सहायक खनि अभियन्ता, टोंक में प्रस्तुत करें। दिनांक 04 दिसम्बर, 2026 के पश्चात प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
उक्त नीलामी में भाग लेने हेतु नीलामी प्रपत्र राशि रु. 1,000/- का डी.डी./बैंकर्स चैक "सहायक खनि अभियन्ता, टोंक" के नाम से जमा कराकर किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 22 दिसम्बर, 2026 सायं 05:00 बजे तक कार्यालय सहायक खनि अभियन्ता, टॉक से प्राप्त किये जा सकते हैं।
उक्त जब्तशुदा खनिज बजरी हेतु सीलबंद लिफाफे में दरें बिड फॉर्म के साथ दिनांक 23 दिसम्बर, 2026 दोपहर 01:00 बजे तक जमा की जायेंगी। प्राप्त सीलबंद लिफाफे कमेटी द्वारा 23 दिसम्बर, 2026 को सायं 03:00 बजे उपस्थित नीलामी दरदाताओं के समक्ष खोली जायेगी, नीलामी की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में नोटिस बोर्ड पर कभी भी देखी जा सकती है एवं नीलामी की जानकारी विभागीय वेबसाईट पर भी उपलब्ध रहेगी। एनआईबी संख्या
DIPR/C/18605/2026
सहायक खनि अभियन्ता, टोंक

न्यूज गैलरी

आचार्य विशद सागर के किए पग प्रक्षालन



जयपुर, समाचार जगत न्यूज . आचार्य विशद सागर जी महामुनिराज का संघ दिगम्बर जैन मंदिरजी राधानिकुंज मानसरोवर से दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभ जी दुर्गापुरा में विहार कर अल्प समय के लिए आये,जिसमें आचार्यश्री के अलावा पूज्य मुनिश्री विशाल सागरजी व अन्य एक मुनिराज व दो आर्यिका माताजी ने प्रवेश किया। महिला मंडल ने अगवानी की। आचार्य विशद सागर जी ने जैन समाज के विकास के बारे में बताया कि आज जैन समाज संसार में बुद्धि ,संस्कृति, पैसे में सबसे अग्रणी है पर संख्या में अल्प होता जा रहा है ,हमें इस ओर ध्यान देना चाहिए। आज जैन महिलाओ को इस ओर ध्यान देना चाहिए। आज हम दो से एक बच्चे पर आ गये हैं व आगे और भी भयावह स्थिति होनै जा रही है। यदि समय रहते समाज नहीं चेता तो हम कंही के नहीं रहेंगें।श्रेष्ठी अजित-शशि तोतूका,डां .एम .एल जैन मणि-डां शान्ति जैन मणि ,श्रीमती सुरबाला,श्री सुरेशजी व कमलजी छाबडा ने पुस्तक छपवाने की स्वीकृती दी। इसी क्रम में आचार्य श्री ने त्रिलोकसार ग्रंथ के प्रकाशन में नाम मांगा जिसे डां मणि व डां शान्ति जैन मणि ने प्रकाशित कराने की स्वीकृती दी। प्रवचन से पूर्व भगवान के चित्र का दीपप्रज्जवलन अजित तोतूका व सुरेश गंगवाल ने किया।

श्रद्धालुओं का दल उदयगिरि-खंडगिरि रवाना



जयपुर, समाचार जगत न्यूज . श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, मीरा मार्ग से श्रद्धालुओं का एक दल 7 दिवसीय उदयगिरि-खंडगिरि यात्रा के लिए शुक्रवार को जयपुर एयरपोर्ट पर हवाई जहाज से भगवान आदिनाथ के जयकारों के बीच भुवनेश्वर के लिए रवाना हुआ। यात्रा के संचालक राजेंद्र सेठी ने बताया कि यह दल जैन धर्म के प्राचीन क्षेत्र उदयगिरि-खंडगिरि के दर्शन करते हुए कोणार्क, जगन्नाथ पुरी, कटक आदि स्थानों का भ्रमण करेगा। दल 3 दिसंबर की रात को जयपुर वापस पहुंचेगा। यात्रा के प्रभारी जम्बू सोगानी ने बताया कि इस यात्रा में 70 श्रद्धालु दर्शन के लिए जा रहे हैं। रवाना होने से पहले मंदिर में श्रद्धालुओं ने भगवान का अभिषेक किया । समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने सभी यात्रियों का स्वागत किया गया और सभी ने सुखद यात्रा की कामना की।

श्री श्याम सरकार महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन 5 दिसंबर को जयपुर में



जयपुर, समाचार जगत न्यूज . श्री श्याम सरकार महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन आगामी 5 दिसंबर 2026 को विश्वास दरबार, वैद्यजी का चौराहा, मुरलीपुरा, जयपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम में मुंबई के प्रसिद्ध भजन गायक राजू खंडेलवाल, गोविंद निशा, अविनाश शर्मा सहित अनेक प्रसिद्ध श्याम भजन प्रवाहक अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से बाबा श्याम के भक्तों को भावविभोर करेंगे।कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 3 बजे सुंदरकांड पाठ के साथ होगा। इसके पश्चात श्याम भजनों की सुरमयी प्रस्तुतियों से भक्ति और श्रद्धा की आनंद वर्षा होगी। यह आयोजन सायं 3 बजे से रात्रि 10 बजे तक चलेगा। महोत्सव में बाबा श्याम का भव्य एवं अलौकिक श्रृंगार, आकर्षक झांकियां तथा विशेष पुष्पवर्षा कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहेंगे। इस संबंध में श्री श्याम सरकार महोत्सव ट्रस्ट (रजिस्टर्ड), जयपुर के अध्यक्ष डॉ. एस. पी. यादव, संरक्षक पवन डीडवानिया, सचिव अनिल शर्मा एवं कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र व्यास ने बताया कि इस भव्य आयोजन का उद्देश्य श्याम भक्ति और आध्यात्मिक आनंद को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि महोत्सव की तैयारियों को लेकर ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. महेंद्र डाका, मनीष सारड़ा, पंकज शर्मा, अर्चना शर्मा, अमित शर्मा, नितेश चतुर्वेदी, नवीन यादव एवं डॉ. सचिन यादव सहित सभी सदस्य पूरे उत्साह और समर्पण के साथ दिन-रात जुटे हुए हैं। सभी सदस्य कार्यक्रम को भव्य, दिव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए आपसी सहयोग और सामूहिक प्रयासों से तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने समस्त श्याम प्रेमियों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार इस भव्य महोत्सव में पधारकर श्याम भजनों का आनंद लेने तथा बाबा श्याम के दिव्य दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

श्रीराम जानकी विवाह मंगल महोत्सव में गोद भराई, साकार हुआ राजसी वैभव



जयपुर, समाचार जगत न्यूज . ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्र जी में आयोजित श्रीराम जानकी विवाह मंगल महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को सगाई एवं तिलक समारोह पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाजों और राजसी परंपराओं के साथ श्रद्धा एवं उल्लासपूर्वक मनाया गया। राजा जनक जी की ओर से जगदीश, लक्ष्मीनारायण और उमेश ने दूल्हे सरकार श्री राम जी का तिलक किया। इस दौरान चारों दूल्हों की गोद भराई की रस्म भी हुई। गोद भराई की रस्म में चारों दूल्हों के लिए विशेष राजसी पोशाक, साफे एवं पारंपरिक आभूषण भेंट किए गए। इनमें सिरपेच, कंठे, कमरबंद, नवीन तलवार सहित मिठाई, मेवे, बीड़ा एवं अन्य मांगलिक सामग्री शामिल थीं। वहीं अयोध्या की ओर से महंत परिवार द्वारा माता सीता जी की गोद भराई की रस्म की गई। माता सीता जी को पारंपरिक मांगलिक ओढनी ओढ़ाकर राजसी आभूषणों से श्रृंगार किया गया। बोरला, हीरे का टीका, नथ, चूड़ियां, कंगन, रानी हार एवं पायजेब सहित विभिन्न आभूषण भेंट किए गए। इसके साथ ही मिठाई, मेवे, बीड़ा एवं अन्य शुभ सामग्री भी अर्पित की गई।

आज राजसी ठाठ-बाट से निकलेगी बारात : शनिवार को भगवान श्री रघुनंदन जी की बारात शाही ठाठ-बाट और पारंपरिक राजसी वैभव के साथ निकाली जाएगी। बारात को लेकर मंदिर परिसर एवं भक्त समाज में विशेष उत्साह और उल्लास का वातावरण है। मंगल धुनों के बीच भगवान श्रीराम सहित चारों दूल्हा सरकारों की बारात हाथी, घोड़ों और पूरे राजसी लवाजमे के साथ रवाना होगी। बारात शाम 6 बजे हलकारा भवन से प्रस्थान करेगी।

संस्कार सप्ताह के सातवें दिन भव्य संस्कारोत्सव का आयोजन



जयपुर, समाचार जगत न्यूज . गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति भारत, कुचामन इकाई एवं लॉयन्स क्लब कुचामन सिटी ने छह दिनों तक अलग-अलग 15 तरह के संस्कार के आयोजनों से संस्कारों की अलख जगाने का कार्य किया और आज दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में संस्कार सप्ताह के सप्तम दिवस पर हिराणी गौशाला स्थित राधाकृष्ण दादूदयाल मंदिर परिसर में महंत श्रीसुदर्शन महाराज के सानिध्य में भव्य संस्कारोत्सव मनाया गया। यह आयोजन गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं लॉयन्स के संस्कार निर्माण के प्रांतीय सलाहकार व पूर्व गवर्नर श्यामसुंदर मंत्री के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय संस्कृति, संस्कार, गौसेवा एवं सामाजिक योगदान को समर्पित रहा। कार्यक्रम में संस्कारों के प्रति जागरूकता, गौमाता के प्रति श्रद्धा एवं सेवा भावना का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों की संस्कार रैली से हुआ। विद्यालय से प्रारंभ हुई रैली में विद्यार्थी हाथों में संस्कारपरक स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर तथा प्रेरक नारों का उद्घोष करते हुए हिराणी गौशाला सभागार पहुंचे। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। गौशाला सभागार में आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम में वक्ताओं ने जीवन में संस्कारों की आवश्यकता, परिवार एवं समाज में उनके महत्व तथा भावी पीढ़ी को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने पर विचार व्यक्त किए।

आचार्य श्री ने विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कार और पुरुषार्थ पर दिया मार्गदर्शन

'कर्म और पुरुषार्थ से जीवन में सफलता संभव'

समाचार जगत ब्यूरो

सीकर . धर्मनगरी सीकर में वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज संघ सहित विराजमान हैं। आचार्य संघ के सान्निध्य में प्रतिदिन अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। 27 नवंबर को संघ सान्निध्य में मुनि श्री ध्येय सागर जी का केशलोचन, दोपहर में पत्रकार वार्ता, सहस्रनाम मंडल विधान की पूजन, सीकर के गुरुजी श्री धर्मचंद शास्त्री को धर्मश्रुत वारिधि उपाधि से अलंकृत करना तथा कुमारी मेघा राजेश बड़जात्या द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए।पत्रकार वार्ता में विद्यार्थियों और युवाओं के विषय पर बोले आचार्य श्रीदोपहर में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के सान्निध्य में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ विशेष पत्रकार वार्ता आयोजित हुई। इस दौरान पत्रकारों द्वारा वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों, विद्यार्थियों एवं युवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर पूछे गए प्रश्नों का आचार्य श्री ने मार्गदर्शन प्रदान किया।आचार्य श्री ने विद्यार्थियों की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज विद्यार्थी अध्याय में नहीं लगे हुए हैं। उनका ध्यान पढ़ाई से हटकर नशे, आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियों और अन्य नकारात्मक गतिविधियों की ओर जा रहा है। यदि विद्यार्थी का एकमात्र लक्ष्य यह हो कि "हमें केवल पढ़ना है", तो जीवन की अनेक अनावश्यक चीजों से वह स्वयं दूर हो सकता है। विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा, लक्ष्य और भविष्य के निर्माण पर एकाग्र होकर ध्यान देना चाहिए।आचार्य श्री ने कर्म और पुरुषार्थ के संबंध को समझाते हुए कहा कि दोनों जीवन में साथ-साथ काम करते हैं। अच्छे कर्मों के फलस्वरूप व्यक्ति को अच्छा परिवार, अच्छा घर और अनुकूल परिस्थितियां प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन उन परिस्थितियों को बनाए रखने के लिए पुरुषार्थ आवश्यक है। कर्म से प्राप्त परिस्थितियों को संभालना और



उन्हें बेहतर बनाना पुरुषार्थ से ही संभव है।ईर्ष्या और कषाय के विषय में आचार्य श्री ने कहा कि क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे कषाय मनुष्य के जीवन को अशांत बनाते हैं। ईर्ष्या व्यक्ति को अपनी प्रगति से हटाकर दूसरों से तुलना में उलझा देती है। व्यक्ति को इन भावों पर नियंत्रण रखते हुए आत्मचिंतन, संयम और सकारात्मक विचारों की ओर बढ़ना चाहिए।आचार्य श्री ने युवाओं के साइबर अपराध जैसी गतिविधियों में शामिल होने पर भी चिंता व्यक्त की। अतिरिक्त धन कमाने और शीघ्र लाभ प्राप्त करने की चाह में युवा गलत रास्तों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं को ऐसे प्रलोभनों से बचकर शिक्षा, संस्कार, चरित्र निर्माण और सकारात्मक पुरुषार्थ की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

36 फीट की विशालकाय मोरपंख पिच्छिका बनी आकर्षण का केंद्र : सीकर में आयोजित पिच्छिका परिवर्तन महोत्सव के अंतर्गत आचार्य श्री की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में तैयार की गई विशालकाय मोरपंख पिच्छिका भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

पारंपरिक जैन पिच्छिका के स्वरूप में तैयार की गई यह पिच्छिका एक विशाल इन्फ्लेटेबल फाइबर बैलून से निर्मित है। इसकी लंबाई 36 फीट, चौड़ाई 22 फीट तथा मोटाई 2 फीट है। इस अनूठी विशालकाय पिच्छिका को Asia Book of Records एवं Oxford Book of World Records के रिकॉर्ड हेतु प्रस्तुत किया गया है। इस ऐतिहासिक पिच्छिका के पुण्यार्जक पवन कुमार मोदी परिवार हैं तथा इसके पिच्छिका निर्माता सुनील राजमल जावेरी परिवार, मुंबई हैं। विशालकाय पिच्छिका का निर्माण धर्म वात्सल्य वर्षायोग समिति, सीकर के सहयोग से किया गया। गुरुभक्त डा राजेश पंचोलिया इंदौर ने बताया कि आचार्य संघ के सान्निध्य में गुरुजी धर्मचंद शास्त्री, सीकर को धर्म की विशेष आराधना एवं सेवा के लिए सीकर जैन समाज की ओर से 'धर्मश्रुत वारिधि' उपाधि से अलंकृत किया गया।

बाल ब्रह्मचारिणी मेघा की पुस्तक का विमोचन : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के करकमलों से 27 वर्षीय बाल ब्रह्मचारिणी मेघा राजेश बड़जात्या, सीकर द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक के माध्यम से जैन दर्शन एवं जीवन मूल्यों से जुड़े विषयों को सरल रूप में प्रस्तुत किया गया है।

मुनि श्री ध्येय सागर जी का केशलोचन : आचार्य संघ के सान्निध्य में संघस्थ मुनि श्री ध्येय सागर जी ने केशलोचन किया। इस धार्मिक प्रक्रिया के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ उपस्थित होकर साधु जीवन की तपस्या एवं संयम के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

सहस्रनाम मंडल विधान की पूजन : दोपहर में मुनि श्री प्रभास सागर जी की समाधि साधना के अवसर पर श्रीमती बसंती देवी एवं विकास पाटनी परिवार, जयपुर द्वारा सहस्रनाम मंडल विधान की पूजन आचार्य श्री संघ के सान्निध्य में की गई।

RK GROUP
परमपूज्य आचार्यश्री के श्रीचरणों में बारम्बार नमोस्तु
अशोक पाटनी, सुरेश पाटनी, विमल पाटनी
आर.के. मार्बल ग्रुप. मदनगंज - किशनगढ़ (अजमेर)
WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA

नम आंखों से बेटी को दी विदाई

अंजलि ने लिए उमेश शर्मा संग सात फेरे

रिश्ते केवल खून से नहीं बल्कि प्यार और संवेदनाओं से भी बनते हैं

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. अपनों का साथ और माता-पिता का आशीर्वाद हर बेटी का सपना होता है, लेकिन कुछ बेटियों की जिंदगी में समाज ही उनका परिवार बन जाता है। ऐसी ही एक भावुक मिसाल जयपुर में देखने को मिली, जहां अनाथ आश्रम में पली-बढ़ी अंजलि की शादी में समाजसेवी और भामाशाह परिवार बनकर आगे आए। खुशियों, संगीत और अपनत्व के बीच अंजलि की शादी का हर पल इस बात का संदेश दे गया कि रिश्ते केवल खून से नहीं, बल्कि



प्यार और संवेदनाओं से भी बनते हैं।

शहर के श्री पुरुषोत्तम मेमोरियल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित अनाथ आश्रम लाडो परिया की निवासी अंजलि का विवाह 25 नवंबर को उमेश के साथ केसरी फॉर्म वाटिका, मीना चौक में संपन्न हुआ। विवाह से पहले रविवार को अपनी ढाणी गार्डन में हल्दी और मेहंदी की रस्म आयोजित की गई। इसमें गुलाबी नगरी के भामाशाहों और अनेक समाजसेवियों ने भाग लिया। समाजसेवी सुरेश पाटोदिया सपरिवार समारोह में शामिल हुए।

पाटोदिया ने बताया कि टोंक रोड स्थित तरुछाया नगर में संचालित आश्रम में असहाय और गरीब बच्चियों के रहने, भोजन और शिक्षा की निःशुल्क व्यवस्था ट्रस्ट की ओर से की जाती है। उन्होंने कहा कि बेटियां परिवार की शक्ति और सम्मान होती हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। अंजलि का कन्यादान अनुपमा और दिनेश अग्रवाल ने माता-पिता की भूमिका निभाकर किया। दिनेश अग्रवाल नर सेवा नारायण सेवा फाउंडेशन के फाउंडर मेंबर हैं। वहीं, उमेश एक कॉलेज की लैब में कार्यरत हैं।

गोविंद देवजी मंदिर में जन्मदिन संस्कार महोत्सव कल

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. आराध्य देव गोविंद देव जी मंदिर में रविवार को सुबह नौ बजे से नवंबर माह में जन्म लेने वाले व्यक्तियों का जन्मदिन दिन संस्कार भारतीय संस्कृति के अनुरूप मनाया जाएगा। श्रीमन्न माध्व गौड़ेश्वराचार्य मानस गोस्वामी जी के सान्निध्य में यह आयोजन होगा। अखिल विश्व गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में आयोजित जन्मदिन संस्कार महोत्सव में नवंबर माह में जन्मदिन वाले श्रद्धालु वैदिक विधि-विधान से अपना जन्मदिन मनाकर समाज में सांस्कृतिक जागरण का संदेश देंगे। महोत्सव के दौरान श्रद्धालु पृथ्वी, अग्नि, वायु, जल और आकाश जैसे पंचतत्वों का पूजन करेंगे। केक कटिंग, मोमबत्ती बुझाना, गुब्बारे फोडने जैसे कार्य नहीं होंगे। दीप प्रज्ज्वलन और हवन के माध्यम से अपने जीवन को संस्कारित करने का संकल्प लेंगे। अन्य श्रद्धालु पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद प्रदान करेंगे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न होने वाले इस कार्यक्रम में जन्मदिन को केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और संस्कार का पर्व बनाने का संदेश दिया जाएगा। गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि जन्मदिन केवल केक काटने, गुब्बारे फोडने, मोमबत्ती जलाकर बुझाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण, कृतज्ञता और जीवन में सद्गुणों को अपनाने का दिन है।

2027 की कार्ययोजना का होगा पुनर्निर्धारण

धरातल पर उतरेंगे जन्म शताब्दी के संकल्प, होगी जिलेवार समीक्षा

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. गायत्री परिवार के वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा एवं दिव्य अखंड दीप जन्म शताब्दी वर्ष- 2026 के संकल्पों को जन-जन तक पहुंचाने और उन्हें धरातल पर साकार करने के लिए राजस्थान में अब जिलेवार समीक्षा एवं कार्ययोजना अद्यतन करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके तहत प्रदेश के सभी उपजोन समन्वयकों, जिला समन्वयकों एवं वरिष्ठ सक्रिय कार्यकर्ताओं को अपने-अपने जिलों में गोष्ठियां आयोजित कर अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करने तथा आगामी लक्ष्यों का पुनर्निर्धारण करने के निर्देश दिए गए हैं।राजस्थान जोन समन्वयक गौरीशंकर सैनी ने बताया कि जनवरी 2026 में निर्धारित संकल्पों के तहत अब तक संपन्न कार्यों की प्रगति का आकलन और वर्ष 2027 के नए संकल्पों एवं कार्ययोजनाओं का संकलन किया गया।



15 दिसंबर तक तैयार होगा संशोधित विवरण: सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संशोधित विवरण तैयार कर 15 दिसंबर तक राजस्थान जोन कार्यालय, शांतिकुंज में अनिवार्य रूप से भिजवाने की अपील की गई है। जिलेवार प्राप्त विवरण के आधार पर आगामी वर्षों की प्राथमिकताएं तय करने के साथ सुव्यवस्थित, व्यावहारिक एवं प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाएगी। सामूहिक सहभागिता, संगठनात्मक सक्रियता और समयबद्ध क्रियान्वयन के माध्यम से जन्म शताब्दी के संकल्पों को जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए उन्हें धरातल पर साकार करना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है।

गणिनी प्रमुख आर्यिका जिन देवी माताजी ससंघ का पार्श्वनाथ भवन में मंगल प्रवेश

जो व्यक्ति झुकना जानता है, वही रिश्तों को बचा पाता है : जिन देवी माताजी

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न श्री जिनदेवी माताजी ससंघ का चौकडी मोदीखाना के नाटाणियों का रास्ता स्थित पार्श्वनाथ भवन में जयकारों के बीच मंगल प्रवेश हुआ। इस मौके पर मुनि संघ प्रबंधकारिणी कमेटी की ओर से भव्य अगवानी की गई।

परमपूज्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न श्री जिनदेवी माताजी पार्श्वनाथ भवन में कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ पाने के लिए कुछ छोड़ना सीखना पड़ता है। प्रकृति का भी यही नियम है। जब तक हम पुरानी सांस नहीं छोड़ते, तब तक नई सांस नहीं ले सकते। जब तक पेड़ पुराने पत्तों को नहीं छोड़ता, तब तक नई कोपलों के आने का मार्ग प्रशस्त नहीं होता। ठीक इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन से अहंकार, क्रोध, मान, माया, लोभ और ईर्ष्या का त्याग नहीं करता, तब तक उसके जीवन में प्रेम, शांति, संतोष और



सद्भाव का आगमन नहीं हो सकता। त्याग का अर्थ केवल धन-संपत्ति छोड़ना नहीं है। त्याग का वास्तविक अर्थ है अपने भीतर की बुराइयों को छोड़ना। कई बार मनुष्य सोचता है कि त्याग करने से हमारा नुकसान हो जाएगा। हम किसी को क्षमा कर देंगे तो हमारा मान कम हो जाएगा। हम थोड़ा झुक जाएंगे तो लोग हमें कमजोर समझेंगे। हम अपनी इच्छा छोड़ देंगे तो हमारी खुशी समाप्त हो जाएगी। लेकिन सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है।जो व्यक्ति झुकना जानता है, वही रिश्तों को बचा पाता है। जो क्षमा करना जानता है, वही मन की शांति प्राप्त करता है। जो अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना जानता है, वही सच्चे सुख का अनुभव करता है।एक बीज को वृक्ष बनने के लिए अपना अस्तित्व मिट्टी में समर्पित करना पड़ता है। वह अपने बीज रूप का त्याग करता है, तभी एक विशाल वृक्ष बन पाता है। नदी अपना पानी निरंतर बांटती रहती है, तभी वह निर्मल और प्रवाहमान बनी रहती है।इस संसार में जो देता है, वही वास्तव में पाता है।तीर्थंकरों का जीवन भी त्याग और तपस्या का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने संसार के भौतिक सुखों का त्याग करके आत्मकल्याण का मार्ग अपनाया। पूज्य माताजी शहर के मंदिरों के दर्शन के लिए गई सेठी कालोनी के सभी श्रावक श्राविकाओं ने भी माताजी के साथ प्राचीन मंदिरों के दर्शन कर धर्म लाभ लिया।

-टोंक, समाचार जगत ब्यूरो . प्रखर वक्ता, प्रवचन सम्राट एवं राष्ट्रसंत परम पूज्य आचार्य श्री 108 पुलक सागर जी महाराज का टोंक की ओर मंगल विहार जारी है। महाराज श्री के आगमन की सूचना से सकल दिगंबर जैन समाज सहित समस्त श्रद्धालुओं में हर्ष, उल्लास एवं भक्ति का वातावरण बना हुआ है। महाराज श्री के मंगल आगमन को लेकर समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

ग्रह-गोचर : शनिदेव बदलेंगे चाल, सभी राशियों पर दिखेगा असर

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. साल 2026 के अंत में शनि देव की चाल में बड़ा परिवर्तन होने जा रहा है। ज्योतिषीय दृष्टि से इसे साल की महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक माना जा रहा है। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि 11 दिसंबर को शनि देव मीन राशि में अपनी वक्री अवस्था समाप्त कर मार्गी हो जाएंगे। शनि की इस सीधी चाल का प्रभाव जून 2027 तक देखने को मिल सकता है। इस दौरान कुछ राशि वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने और लाभ के नए अवसर मिलने की संभावना है, वहीं कुछ जातकों को चुनौतियों और परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। ज्योतिष गणना के अनुसार, शनि की मार्गी चाल कुछ राशियों के लिए कठिन समय लेकर आ सकती है। इस दौरान आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत होगी। वहीं, मेहनत के बावजूद कुछ काम अटक सकते हैं और छोटी-छोटी गलतियां भी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती हैं।

इन राशियों को रहना होगा सावधान

मेष राशि : मेष राशि वालों के लिए शनि की मार्गी चाल कुछ चुनौतियां लेकर आ सकती है। इस दौरान कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ने और जिम्मेदारियों को पूरा करने में परेशानी होने की आशंका है। रिश्तों में अनबन हो सकती है।

सिंह राशि : सिंह राशि वालों पर शनि की ढैय्या का प्रभाव रहेगा, जिसके चलते इस अवधि में कुछ परेशानियां बढ़ सकती हैं। व्यापार के सिलसिले में लंबी अथवा बार-बार यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। नौकरी को लेकर कई प्रयास सामान्य से अधिक आपको करने पड़ सकते है।

धनु राशि : धनु राशि वालों के लिए शनि की मार्गी चाल सामान्य कामों में भी चुनौतियां पैदा कर सकती है। कला के क्षेत्र में आपको परेशानियां आ सकती हैं।

तीये की बैठक
अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहे हैं कि हमारे प्रिय



दिलीप जैन (टिल्लू)
सुपुत्र स्वर्गीय श्री कैलाशचंद जी शास्त्री
का निधन 27 नवंबर 2026 को हो गया है।
तीये की बैठक रविवार 29 नवंबर, 2026 को प्रातः 10.:00 बजे
दिगम्बर जैन मंदिर, मीरा मार्ग, मानसरोवर पर होगी।
शोकाकुल
पुष्पलता (पत्नी), स्वीटी-गौरव (बेटी-जंवाई), पदम -रानी, प्रदीप (लाला)-उर्मिला, सुनील, सरोज, जिनेन्द्र (भाई), संदीप, कपिल (भतीजे), रूबी-मनीष, दीपाली-नितिन, नीलम-पदम (भतीजी-दामाद),गौरवांशी, गर्विता (दोहती) प्रेम देवी-स्व बाबूलाल जी, सविता (बेबी)-कमल कुमार निगोतीया (बहन-बहनोई), राकेश छाबड़ा, आरव, नमन, ईशान (पौत्र) एवं समस्त इन्द्रलाल शास्त्री परिवार
ससुराल पक्षः नरेंद्र, अनिल, अभिषेक, शौर्य कासलीवाल

न्यूज गैलरी

पीएमश्री विद्यालयों में 'कौशल बोध' सुदृढ़ बनाने के लिए प्रशिक्षण



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की व्यावसायिक शिक्षा पहल के तहत पीएमश्री विद्यालयों में संचालित 'कौशल बोध' कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण जयपुर के होटल गंगौर में शुरू हुआ। प्रशिक्षण की अध्यक्षता व्यावसायिक शिक्षा की उपायुक्त सुनीता यादव ने की। प्रशिक्षण में प्रत्येक जिले से एक शिक्षक, एक व्यावसायिक प्रशिक्षक और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के एक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। ये प्रतिभागी मुख्य संदर्भ व्यक्ति (केआरपी) के रूप में अपने-अपने जिलों में शिक्षकों का प्रशिक्षण संचालित करेंगे। इसके लिए उन्हें 'कौशल बोध' के उद्देश्यों, पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में यादव ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा विद्यार्थियों को अपनी रुचियों और क्षमताओं के अनुरूप कौशल चुनने और भविष्य की तैयारी करने में मदद करती है। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में व्यावसायिक शिक्षा की भूमिका पर भी जोर दिया। व्यावसायिक शिक्षा के उपनिदेशक योगेंद्र प्रसाद शर्मा ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी करने और यहां मिली सीख को अपने जिले के शिक्षकों और विद्यार्थियों तक पहुंचाने का आग्रह किया। पहले दिन आईपीई ग्लोबल की 'शी लर्न्स' पहल की स्टेट लीड प्रियंका जैन ने 'स्कूल टू फ्यूचर रेडीनेस' विषय पर गतिविधि आधारित सत्र लिया। इसमें चर्चा हुई कि लैंगिक रूढ़ियों से परे विद्यार्थियों को उनकी रुचियों और आकांक्षाओं के अनुरूप कौशल चुनने में शिक्षक कैसे मदद कर सकते हैं।

एपेक्स हॉस्पिटल में 220 किलो वजनी महिला की हुई सफल बैरियाट्रिक सर्जरी



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। सोनीपत की रहने वाली बेबी रानी का वजन 220 किलो तक पहुंच गया था। बढ़ते वजन के कारण उन्हें चलने-फिरने, सांस लेने और रोजमर्रा के कामों में भी काफी दिक्कत होने लगी थी। इसके बाद परिजन उन्हें लेकर जयपुर के एपेक्स हॉस्पिटल पहुंचे, जहां रोबोटिक एंड बेरियाट्रिक सर्जन डॉ. रजनीश ने उनकी लेप्रोस्कोपिक बेरियाट्रिक सर्जरी की। डॉ. रजनीश ने बताया कि दूरबीन की मदद से की गई इस सर्जरी में स्टमक का आकार अंदर से कम कर दिया गया, जिससे मरीज को कम खाना खाने पर भी पेट भरा हुआ महसूस होता है और धीरे-धीरे वजन कम होने लगता है। करीब ढाई घंटे तक चली इस सर्जरी के बाद बेबी रानी अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। डॉ. रजनीश ने बताया कि जिन लोगों का बीएमआई 35 से अधिक है और जो डायबिटीज से पीड़ित हैं, उनके लिए यह सर्जरी किसी वरदान से कम नहीं है। इस सर्जरी के माध्यम से डायबिटीज भी पूरी तरह ठीक हो सकती है, साथ ही सांस की दिक्कत और वजन कम करने के लिए भी यह श्रेष्ठ तकनीक मानी जाती है। उन्होंने बताया कि सर्जरी के बाद शुरू में 15 दिन तक मरीज को लिक्विड डाइट पर रखा जाता है, इसके बाद धीरे-धीरे सामान्य खानपान शुरू किया जाता है। इस सर्जरी में अधिक दवाओं की आवश्यकता नहीं होती, सिर्फ विटामिन्स की जरूरत होती है। डॉक्टरों का कहना है कि सही डाइट और नियमित फॉलोअप से मरीज तेजी से सामान्य जीवन में लौट आता है। बेबी रानी और उनके परिजनों ने सफल सर्जरी के लिए एपेक्स हॉस्पिटल की पूरी टीम का आभार जताया है।

कार और सवारियों से भरी मैजिक में भिड़ंत

मची चीख-पुकार हादसे में 5-6 लोग घायल, एक जयपुर रेफर



बस्सी, समाचार जगत न्यूज. बस्सी चक पर शुक्रवार देर शाम को सवारियों से भरी टेम्पो मैजिक और कार के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में 5 से 6 लोग घायल हो गए। सूचना पर घायलों को बस्सी पुलिस ने राजकीय उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एक व्यक्ति की गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रेफर किया गया, जबकि अन्य घायलों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। बस्सी थानाधिकारी लीखमाराम ने बताया कि कार और मैजिक की टक्कर में कई लोग चोटिल हुए थे। गौरतलब है कि बस्सी चक पर आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में सुधार नजर नहीं आ रहा। लगातार हादसे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती, स्पीड कंट्रोल, संकेतक और अन्य सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

चंबल गार्डन का महापौर ने किया निरीक्षण, जल्द काम पूरा करने के निर्देश



कोटा, समाचार जगत ब्यूरो. कोटा महापौर अनुसुइया गोस्वामी ने आज चंबल गार्डन का निरीक्षण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि गीता के उपदेश 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' की भावना के साथ ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करना सुनिश्चित किया जाए।

'साइबर सिक्योरिटी हैकाथॉन' आज से : डीजीपी राजीव शर्मा करेंगे उद्घाटन

साइबर ठगी से निपटने के समाधान पर होगी चर्चा

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों पर अंकुश लगाने और पुलिस जांच को तकनीक से अधिक प्रभावी बनाने के लिए राजस्थान पुलिस और राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर (आर4सी) की ओर से 'साइबर सिक्योरिटी हैकाथॉन-2026' आयोजित होगा। राजस्थान पुलिस अकादमी में 28 और 29 नवंबर को हैकाथॉन में देशभर से चयनित 37 टीमें 24 घंटे तक लगातार काम कर साइबर अपराधों से निपटने के लिए तकनीकी समाधान और डिजिटल टूल्स विकसित करेंगी।

हैकाथॉन का उद्घाटन 28 नवंबर को सुबह 10 बजे महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा और अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत करेंगे। वहीं, 29 नवंबर को शाम 4 बजे हैकाथॉन का समापन समारोह होगा। इसमें मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) वी.के. सिंह ने बताया कि हैकाथॉन का उद्देश्य पुलिसिंग में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना और साइबर अपराधों के विरुद्ध त्वरित एवं आधुनिक तंत्र विकसित करना है। इस आयोजन में स्टार्टअप और तकनीकी संस्थानों को भी अपने साइबर सुरक्षा उत्पाद एवं समाधान प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। पुलिस की इस पहल से विद्यार्थियों, तकनीकी विशेषज्ञों और पुलिस अधिकारियों के बीच सहयोग बढ़ने के साथ साइबर अपराधों की रोकथाम एवं अनुसंधान के लिए नए तकनीकी विकल्प मिलेंगे।

1930 हेल्पलाइन से लेकर मनी रिकवरी तक पर काम : एडीजी वीके सिंह ने बताया कि इसमें तकनीकी मॉडल तैयार करने के साथ-साथ पुलिस के सामने आने वाली वास्तविक समस्याओं के समाधान भी तलाशे जाएंगे। इसमें 1930 साइबर हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों और साइबर ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई, ठगी की रकम की रिकवरी, महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध ऑनलाइन अपराधों की रोकथाम तथा साइबर अपराधों से जुड़े कार्यों के ऑटोमेशन पर विशेष फोकस रहेगा। इसके अलावा साइबर अपराधों की जांच, अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई और साइबर हॉटस्पॉट की पहचान कर प्रभावी प्रवर्तन के लिए तकनीकी उपाय विकसित किए जाएंगे।

होंगे 5 तकनीकी सत्र : दो दिवसीय हैकाथॉन में राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर (आर4सी) की कार्यप्रणाली, साइबर अपराधों से निपटने के प्रभावी उपाय और आधुनिक साइबर सुरक्षा तकनीकों पर विशेषज्ञ सत्र भी होंगे। पहले दिन पांच सत्र होंगे। इनमें 1. 1930 साइबर हेल्पलाइन एवं साइबर अपराधों से बचाव और त्वरित कार्रवाई, 2. महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध ऑनलाइन अपराध, 3. साइबर ठगी की राशि वापस दिलाने की प्रक्रिया एवं शिकायत निवारण मॉड्यूल, 4. साइबर अपराधों से संबंधित प्रक्रियाओं का स्वचालन (प्रोसेस ऑटोमेशन) और 5. साइबर अपराध हॉटस्पॉट पर प्रभावी प्रवर्तन एवं कार्रवाई प्रमुख हैं।

5 तकनीकी चुनौतियों पर होंगे नवाचार : प्रतियोगिता में पांच प्रमुख समस्या क्षेत्रों पर टेक्निकल टीमें रिसर्च करेंगी। इनमें 1.फर्जी वेबसाइट, फिशिंग लिंक और संदिग्ध ऐप के जरिए होने वाली ठगी की पहचान करना 2. टेलीग्राम और सोशल मीडिया पर अवैध गतिविधियों की निगरानी, 3. एआई आधारित जांच सहायक के साथ सीडीआर एवं आईपीडीआर विश्लेषण टूल का विकास, 4. एटीएम एवं कार्ड धोखाधड़ी की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज से संदिग्ध व्यक्ति के चेहरे की स्पष्ट तस्वीर निकालने की तकनीक और 5. वित्तीय अपराधों से जुड़े डिजिटल नेटवर्क एवं धन के लेन-देन की कड़ियों (मनी ट्रेल) का विश्लेषण करने वाला सिस्टम तैयार करना शामिल हैं।

15 टीमों को मिलेंगे पांच लाख के पुरस्कार

हैकाथॉन में जयपुर, सूरतगढ़, पुणे, पंजाब, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, गुजरात, दिल्ली, पटना, तमिलनाडु, आईआईटी मद्रास, नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी सहित कई बड़ी यूनिवर्सिटी की 37 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रत्येक टीम में अधिकतम 4 सदस्य हो सकते हैं। टीमों को 5 में से 1 समस्या का चयन कर तकनीकी समाधान विकसित करना होगा। प्रत्येक प्रॉब्लम स्टेटमेंट कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार 50 हजार, द्वितीय 35 हजार और तृतीय 15 हजार रुपए रखा गया है। इस तरह पांच श्रेणियों में कुल 15 पुरस्कारों के लिए पांच लाख रुपए की राशि निर्धारित की गई है। प्रत्येक साइबर क्राइम पुलिस थाने से 2 पुलिसकर्मी और प्रोबेशनर्स भी हिस्सा लेंगे। साथ ही, जयपुर के 14 इंजीनियरिंग कॉलेजों से 70 साइबर जिज्ञासु छात्र भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि हैकाथॉन के लिए 1 नवम्बर से 24 नवम्बर 2026 तक ऑनलाइन पंजीकरण किया गया। इसमें देशभर से 342 टीमों के 938 प्रतिभागियों ने आवेदन किया। चयन प्रक्रिया के बाद 37 टीमों का चयन किया गया है, जिनके 109 विद्यार्थियों को फाइनल के लिए आमंत्रित

विवि व निजी महाविद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय की दिशा में अनूठी पहल

शेखावाटी विवि के कुलगुरु प्रो. सिंह ने सुनी निजी कॉलेजों की समस्याएं

सीकर,समाचार जगत ब्यूरो. पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबद्ध निजी महाविद्यालयों की समस्याओं को जानने और उनके समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय में सीकर एवं झुंझुनूं जिले के निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों, निदेशकों एवं सचिवों के साथ कुलगुरु प्रो. (डॉ.) युद्धवीर सिंह ने सीधे संवाद किया। दो दिवसीय संवाद के दौरान कॉलेज संचालकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं, व्यावहारिक कठिनाइयां और सुझाव कुलगुरु के समक्ष रखे। कुलगुरु प्रो. (डॉ.) युद्धवीर सिंह ने सभी प्रतिनिधियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।



प्राचार्यों ने खुलकर रखीं मन की बात

संवाद के दौरान निजी महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं, परीक्षा प्रक्रिया, संबद्धता सहित विभिन्न विषयों से जुड़ी समस्याओं को सामने रखा। प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय स्तर पर व्यवस्थाओं को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव भी दिए। कुलगुरु प्रो. सिंह ने कहा कि निजी महाविद्यालय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनकी समस्याओं को समझना और नियमानुसार उनका समाधान करना विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है। उन्होंने कई बिंदुओं पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से आयोजित इस कुलगुरु संवाद कार्यक्रम को संबद्ध निजी महाविद्यालयों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक अनूठी पहल माना जा रहा है। कॉलेज प्रतिनिधियों को अपनी बात सीधे विश्वविद्यालय के शीर्ष प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर मिला। वहीं कुलगुरु प्रो सिंह

चहचहाहट परिवार का उत्सव आज

जयपुर,समाचार जगत न्यूज. स्नेह, सम्मान, आत्मीयता और पारिवारिक एकजुटता की अनूठी मिसाल 'चहचहाहट' परिवार शनिवार को अपने 32 वर्षों के गौरवशाली सफर का उत्सव जयगढ़ की सुरम्य पहाड़ियों में शनिवार को सुबह 6 बजे से मनाएंगा। कार्यक्रम में चहचहाहट परिवार के संस्थापक देवेन्द्र मोहन माथुर का 62वां जन्म दिवस भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। तीन दशकों से अधिक की इस यात्रा में चहचहाहट ने प्रेम, विश्वास, सहयोग और आपसी सद्भाव के माध्यम से एक बड़े परिवार के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।समारोह में राजस्थान मानवाधिकार आयोग के चेयरमैन जस्टिस जीआर मूलचंदानी तथा आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल के चेयरमैन जस्टिस गोवर्धन बारदार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।आयोजन का विशेष आकर्षण प्रत्येक परिवार के मुखिया का सम्मान होगा। इसके माध्यम से परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के योगदान और उनके प्रति सम्मान की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. पीसी जैन एवं समस्त चहचहाहट परिवार की ओर से सभी सदस्यों को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। चहचहाहट परिवार का यह आयोजन रिश्तों की मधुरता, पीढ़ियों के जुड़ाव और सामाजिक आत्मीयता का उत्सव बनेगा।

तीन दिवसीय राज्य स्तरीय स्पोर्ट्स मीट का समापन

खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



बस्सी, समाचार जगत न्यूज. तूंगा के एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल बिहारीपुरा में आयोजित 6वीं राज्य स्तरीय स्पोर्ट्स मीट 2026 का शुक्रवार को उत्साह और खेल भावना के साथ समापन हुआ। 25 नवंबर से शुरू हुए तीन दिवसीय आयोजन में प्रदेशभर के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के 458 विद्यार्थियों एवं 46 एस्कॉर्ट्स ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं में वॉलीबॉल, फुटबॉल, खो-खो, कबड्डी, बास्केटबॉल, योग, शतरंज एवं एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल स्पर्धाएं आयोजित हुईं। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सभी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेजबान विद्यालय इएम आर एस बिहारीपुरा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा तथा विशिष्ट अतिथि जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय प्राचार्य सुरेश कुमार मीणा ने अतिथियों, अधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का आभार जताया। इस दौरान राजस्थान स्टेट इएम आर एस सोसायटी एवं विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे में भारतीय रेल लेखा सेवा दिवस आज

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. उत्तर पश्चिम रेलवे के लेखा विभाग द्वारा प्रधान वित्त सलाहकार बीएल मीणा के मार्गदर्शन में शनिवार को रेलवे ऑफिसर्स क्लब, जयपुर में भारतीय रेल लेखा सेवा दिवस मनाया जाएगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि भारतीय रेल लेखा सेवा दिवस पर मुख्य थीम "उत्कृष्टता की विरासत, सतत परिवर्तन को सक्षम बनाना" रखी गई है। इस विषय पर विशेष परिचर्चा आयोजित की जाएगी, जिसमें सेवारत एवं सेवानिवृत्त आईआरएएस अधिकारियों द्वारा गहन विचार-मंथन किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान रेल वित्त के पृथक्करण (1924) एवं रेल लेखा सेवा की स्थापना (1929) की गौरवशाली परंपरा को नमन करते हुए भारतीय रेल में लेखांकन एवं रेल वित्त की भावी संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

इसके साथ ही रेल लेखा कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, डिजिटल लेखांकन तथा सतत विकास को गति देने वाले दूरदर्शी वित्तीय सुधारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय रेल की लेखा एवं वित्तीय व्यवस्था की गौरवशाली विरासत को स्मरण करने के साथ-साथ आधुनिक तकनीक एवं नवाचार के माध्यम से भविष्य की चुनौतियों के लिए प्रभावी वित्तीय प्रणाली विकसित करने की दिशा में विचारों का आदान-प्रदान करना है।

सुरक्षित मातृत्व अभियान: हाई रिस्क गर्भवतियों की जांच

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. जिले में शुक्रवार को सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के अंतर्गत विभिन्न राजकीय स्वास्थ्य संस्थानों पर गर्भवती महिलाओं के लिए सघन प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच (एएनसी) आयोजित की गई। अभियान के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) की समय पर पहचान की तथा आवश्यक उपचार, चिकित्सकीय परामर्श और नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि शनिवार सुरक्षित मातृत्व अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय रहते पहचान कर संभावित जटिलताओं की रोकथाम करना है। अभियान के दौरान हाई रिस्क श्रेणी में चिन्हित गर्भवती महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में आवश्यक उपचार एवं परामर्श प्रदान किया गया, ताकि गर्भावस्था के दौरान मां और शिशु के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल सुनिश्चित की जा सके।

60 दिवसीय अभियान से तंबाकू मुक्त बनेगा खैरथल

- कोटपा कानून के तहत चालान और जनजागरूकता पर जोर



खैरथल, समाचार जगत ब्यूरो. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर परिषद खैरथल-तिजारा और एसआरकेपीएस राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को नगर परिषद सभागार में 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0' के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई।

सीएमएचओ डॉ. अरविंद गेट की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में 60 दिवसीय अभियान के तहत निर्धारित गतिविधियां पूरी करने और नियमित रिपोर्टिंग के निर्देश दिए गए। डॉ. गेट ने सभी चिकित्सा संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने तथा कोटपा कानून के तहत चालान की कार्रवाई करने को कहा। जिला नोडल अधिकारी डॉ. ललित शर्मा ने तंबाकू से होने वाले गंभीर रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों-युवाओं को इसकी लत से बचाने पर जोर दिया। एसआरकेपीएस के राज्य समन्वयक हिरेंद्र सेवदा ने कोटपा अधिनियम 2003 और तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान व ग्राम पंचायत की जानकारी दी।

पंचायत चुनाव **जयपुर जिले में कांग्रेस के 16, भाजपा के 4 प्रधान बने**

आंधी व शाहपुरा में निर्विरोध निर्वाचित

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. जिले की 22 पंचायत समितियों में प्रधान पद के निर्वाचन के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। घोषित परिणामों के अनुसार इंडियन नेशनल कांग्रेस के 16, भारतीय जनता पार्टी के 4 तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 2 अभ्यर्थी प्रधान पद पर निर्वाचित हुए हैं। आंधी एवं शाहपुरा पंचायत समितियों में प्रधान पद के अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हुए, जबकि शेष 20 पंचायत समितियों में मतदान के माध्यम से निर्वाचन संपन्न हुआ।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि आंधी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 2 से कांग्रेस की माया देवी वर्मा तथा शाहपुरा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 4 से कांग्रेस की संतरा गुर्जर निर्विरोध निर्वाचित हुईं। अमरसर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 13 से कांग्रेस की समोती देवी मीणा 8 मत प्राप्त कर 1 मत के अंतर से, आमेर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 21 से कांग्रेस की कलावती 17 मत प्राप्त कर 14 मतों के अंतर से तथा बस्सी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 25 से कांग्रेस के लालाराम सैनी 21 मत प्राप्त कर 17 मतों के अंतर से निर्वाचित हुए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चाकसू पंचायत समिति के वार्ड संख्या 14 से कांग्रेस की संतोष देवी मीणा 9 मत प्राप्त कर 1 मत के अंतर से, चौमूं पंचायत समिति के वार्ड संख्या 3 से भाजपा के रामगोपाल मीणा 14 मत प्राप्त कर 5 मतों के अंतर से तथा दूदू पंचायत समिति के वार्ड संख्या 3 से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की अयोध्या देवी 9 मत प्राप्त कर 3 मतों के अंतर से निर्वाचित हुईं। गोविंदगढ़ पंचायत समिति के वार्ड संख्या 10 से कांग्रेस की सुमन यादव 12 मत प्राप्त कर 6 मतों के अंतर से तथा जालसू पंचायत समिति के वार्ड संख्या 10 से भाजपा की किशन देवी 8 मत प्राप्त कर 1 मत के अंतर से निर्वाचित हुईं।

उन्होंने बताया कि जमवारामगढ़ पंचायत समिति के वार्ड संख्या 10 से कांग्रेस के दीपक कुमार 18 मत प्राप्त कर 13 मतों के अंतर से, झोटवाड़ा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 7 से कांग्रेस की मोनिका 13 मत प्राप्त कर 11 मतों के अंतर से तथा जोबनेर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 15 से कांग्रेस की कमला देवी 13 मत प्राप्त कर 7 मतों के अंतर से निर्वाचित हुईं। किशनगढ़ पंचायत समिति के वार्ड संख्या 9 से कांग्रेस के मदन उर्फ पप्पू 11 मत प्राप्त कर 5 मतों के अंतर से तथा कोटखावदा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 15 से कांग्रेस की अनोखी देवी 10 मत प्राप्त कर 5 मतों के अंतर से निर्वाचित हुईं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि माधोराजपुरा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 1 से कांग्रेस की प्रियंका 10 मत प्राप्त कर 6 मतों के अंतर से, मौजमाबाद पंचायत समिति के वार्ड संख्या 6 से भाजपा के नन्दू 10 मत प्राप्त कर 3 मतों के अंतर से तथा फागी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 3 से कांग्रेस के कैलाश चन्द चौधरी 10 मत प्राप्त कर 5 मतों के अंतर से निर्वाचित हुए।

रामपुरा डाबड़ी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 5 से कांग्रेस की गीता मौर्य 8 मत प्राप्त कर 1 मत के अंतर से, सांभरलेक पंचायत समिति के वार्ड संख्या 5 से भाजपा के दशरथ सिंह 10 मत प्राप्त कर 6 मतों के अंतर से तथा सांगानेर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 5 से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की सीमा चौधरी 11 मत प्राप्त कर 7 मतों के अंतर से निर्वाचित हुईं। तूंगा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 2 से कांग्रेस के रामफूल चन्द 11 मत प्राप्त कर 7 मतों के अंतर से निर्वाचित हुए।

वार्षिक समारोह 'गुनगुन' आज

जयपुर,समाचार जगत न्यूज. सी-स्कीम स्थित महावीर पब्लिक स्कूल के फाउंडेशनल स्टेज (प्ले ग्रुप से कक्षा द्वितीय) का वार्षिक समारोह 'फ्लोरेंस-4' शनिवार को महावीर सभा भवन में सुबह 10बजे से दोपहर 12:30 तक आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष समारोह की थीम 'गुनगुन – द बज़ ऑफ इंडिया' रखी गई है। समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी हरिश्चंद्र धाणुका होंगे। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, लोककला, संगीत एवं देश की विविध परंपराओं की मनमोहक झलक प्रस्तुत करेंगे। समारोह का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करना है।

न्यूज गैलरी

महादेव सट्टा मामला : दिल्ली में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली/रायपुर (वार्ता). छत्तीसगढ़ से जुड़े महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए दिल्ली के लग्जरी कैटरर तथा रियल एस्टेट कारोबारी के ठिकानों पर छापेमारी की है।ईडी सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के दौरान मिली जानकारियों के आधार पर ईडी ने यह कार्रवाई की है। जांच एजेंसी को संदेह है कि ऑनलाइन सट्टे से अर्जित करोड़ों रुपये इन कारोबारियों तक पहुंचाए गए और इस रकम का निवेश दुबई के रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स तथा भारत के हॉस्पिटैलिटी कारोबार में किया गया है।ईडी की टीमों ने दिल्ली के पॉश जोरबाग इलाके में रियल एस्टेट कारोबारी के दो मकानों (नंबर 149 और 152) तथा खान मार्केट स्थित उनके व्यावसायिक कार्यालय की तलाशी ली। इसके अलावा कैटरर के कुछ ठिकानों पर भी छापेमारी की। जांच एजेंसी इन ठिकानों से मिले वित्तीय रिकॉर्ड, कंपनियों के दस्तावेज और संपत्तियों से संबंधित कागजात की जांच कर रही है।जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इन कारोबारियों के माध्यम से सट्टे की रकम विभिन्न व्यवसायों में तो निवेश नहीं की गयी।सूत्रों के मुताबिक, जांच अब सट्टे के नेटवर्क से आगे बढ़कर उससे जुड़े कारोबारी रिश्तों और संपत्तियों तक पहुंच गई है। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महादेव ऑनलाइन सट्टे से अर्जित रकम किन व्यक्तियों और कंपनियों के माध्यम से आगे भेजी गई तथा उसका इस्तेमाल कहां किया गया।

वांगचुक का शांति बॉन्ड पर हस्ताक्षर से इनकार

श्रीनगर (वार्ता). जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब में लेह में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश हुए। उन्होंने अनौपचारिक रूप से स्पष्ट किया कि शांति बनाए रखने के लिए किसी भी तरह का बॉन्ड, यहां तक कि अंतरिम शांति बॉन्ड भी हस्ताक्षर करने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि उन्होंने ऐसा कुछ भी कहा या किया नहीं है जिससे शांति भंग होने की आशंका हो।लेह प्रशासन ने वांगचुक को कल तलब किया था और उनसे पूछा था कि आगामी लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी) चुनावों के मद्देनजर शांति बनाए रखने के लिए उन्हें बांड भरने के लिए बाध्य क्यों न किया जाए।वांगचुक ने बताया कि उन्हें चुनाव अवधि के दौरान शांति बनाए रखने के लिए बांड भरने के संबंध में अपना पक्ष स्पष्ट करने के लिए तलब किया गया था। इसके बाद वह कल लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट डेलेक्स नामग्याल के समक्ष पेश हुए।गत 25 नवंबर को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 126 और 130 के तहत जारी नोटिस में 23 नवंबर को लेह के एनडीएस मेमोरियल पार्क में एक सभा के दौरान वांगचुक की ओर से कथित तौर पर दिए गए बयानों का उल्लेख किया गया था। नोटिस के अनुसार, वांगचुक ने कथित तौर पर सरकारी कर्मचारियों से चुनाव अवधि के दौरान सामूहिक अवकाश पर जाने की अपील की थी।

विद्युत मंत्रियों का दो दिवसीय सम्मेलन नई दिल्ली में शुरू

विद्युत क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर राज्यीय सहयोग जरूरी : नागर

समाचार जगत ब्यूरो



नई दिल्ली. विद्युत मंत्रियों का दो दिवसीय सम्मेलन नई दिल्ली में शुरू हुआ। 27-28 नवंबर, 2026 को आयोजित इस सम्मेलन में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के विद्युत मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और विद्युत नियामक भाग ले रहे हैं। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल कर रहे हैं। सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व ऊर्जा मंत्री स्वतंत्र प्रभार हीरालाल नागर ने किया।यह सम्मेलन भारत के विद्युत क्षेत्र की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं और उनके कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियों पर केंद्र और राज्यों के बीच विचार-विमर्श का मंच है। इसमें ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, विद्युत अवसंरचना और क्षेत्रीय सुधारों में तेजी लाने पर विशेष रूप से चर्चा की जा रही है।

सम्मेलन में ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर ने कहा कि सभी राज्यों के ऊर्जा मंत्रियों की इस बैठक में राज्यों में पावर जनरेशन से लेकर ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियाँ के लिए जो टारगेट दिए गए हैं, उनके ऊपर प्रेजेंटेशन होनी है कि किस तरह से इस क्षेत्र की मजबूती के लिए प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बैठक के दौरान राज्यों द्वारा विद्युत क्षेत्र की मजबूती और भविष्य में जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों पर विस्तार से चर्चा होनी है। चुकीं विद्युत उत्पादन और वितरण में सभी राज्यों का सहयोग जरूरी है इसलिए इस बैठक का काफी महत्व है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार पड़ोसी राज्यों के साथ एमओयू करके सोलर सिस्टम लगाना चाहती हैं इसलिए इस बैठक के दौरान उससे जुड़े हुए मसलों पर भी महत्वपूर्ण चर्चा होनी है। उन्होंने कहा कि देश में जो आवश्यकता है उसे ध्यान में रखते हुए आने वाले समय में बिजली की कितनी कमी होगी और बिजली की उपलब्धता कितनी होगी, उस पर राज्य अपनी कार्ययोजना बनाएँगे, ताकि आवश्यकता की पूर्ति के लिए उनके पास संसाधन उपलब्ध हों। नागर ने कहा कि हमने वर्ष 2025-26 में 931 करोड़ का लाभ अर्जित किया है।

विद्युत क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र और राज्यों के बीच मिलकर काम करने की आवश्यकता

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री खट्टर ने कहा कि विद्युत क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र और राज्यों के बीच मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने विद्युत उत्पादन क्षमता के विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण और राष्ट्रीय ग्रिड को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारी विकास यात्रा के अगले चरण में विद्युत क्षेत्र की योजना बनाने के लिए अधिक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें विद्युत उत्पादन, ऊर्जा भंडारण, पारेषण और वितरण को एक ही प्रणाली के परस्पर जुड़े घटकों के रूप में ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाएं। उन्होंने राज्यों से स्मार्ट मीटर लगाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे उपभोक्ताओं को कई महत्वपूर्ण लाभ मिलेंगे। मनोहर लाल ने कहा कि राज्यों के सहयोग और विद्युत मंत्रालय की विभिन्न पहलों के परिणामस्वरूप बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) लंबे समय के बाद लाभ की स्थिति में पहुंची हैं। बैठक के दूसरे दिन 28 नवंबर को आयोजित होने वाले प्रमुख सत्रों में नियामक मंच और राज्य विद्युत नियामक आयोगों (एसईआरसी) के साथ संयुक्त सत्र शामिल होगा। इस सत्र में राज्य के विद्युत मंत्री, एसईआरसी के अध्यक्ष, राज्यों के विद्युत/ऊर्जा सचिव और मंत्रालय के अधिकारी विद्युत क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

आयुर्वेद कॉलेजों को प्रभावी चिकित्सा के साथ सेवा करनी चाहिए : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली (वार्ता). राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि आयुर्वेद कॉलेजों को प्रामाणिक और प्रभावी आयुर्वेद के जरिए समाज की सेवा करनी चाहिए।

उन्हें ऐसी शिक्षा देनी चाहिए जिससे मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में सक्षम विशेषज्ञ तैयार हो सकें।राष्ट्रपति ने शुक्रवार को केरलम के त्रिशूर में वैद्यरत्नम आयुर्वेद कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद के क्षेत्र में केरलम का योगदान केवल इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य ने आयुर्वेद की पारंपरिक शिक्षा और चिकित्सा ज्ञान की समृद्ध परंपरा को भी सहेजा है। वैद्य परिवारों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी मिले चिकित्सा ज्ञान और प्रामाणिक आयुर्वेदिक औषधियां तैयार करने की परंपरा आज भी जारी है।मुर्मु ने कहा कि आयुर्वेद का प्रामाणिक साहित्य केवल संस्कृत तक सीमित नहीं रहा है। केरलम में मलयालम और मणिप्रवालम भाषाओं में भी इस विषय पर मौलिक रचनाएं और टीका लिखी गई हैं।

आज इंडिया गठबंधन करेगा बड़ा मंथन

परिसीमन बिल पर कांग्रेस का 'सियासी दांव-पेंच'! सोनिया के घर बनी रणनीति

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली. संसद के आगामी विशेष सत्र से पहले देश की सियासत में परिसीमन विधेयक को लेकर हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की अहम बैठक शुक्रवार को सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर हुई। बैठक में परिसीमन विधेयक के विरोध, महिला आरक्षण और विपक्षी इंडिया गठबंधन की एकजुटता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। पार्टी की चिंता केवल परिसीमन विधेयक तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्षी गठबंधन के भीतर एकजुटता बनाए रखना भी कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। सूत्रों के मुताबिक, आगामी संसद सत्र में सरकार की रणनीति का मुकाबला करने और विपक्षी सांसदों को एक साझा रुख पर लाने को लेकर चर्चा हुई। राजद और एनसीपी जैसे सहयोगी दलों के बदलते रुख के बीच कांग्रेस अपने गठबंधन को मजबूत बनाए रखने की कोशिश में जुटी है। बैठक के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में अन्य विपक्षी दलों के साथ संयुक्त बैठक होगी। इसमें परिसीमन विधेयक, महिला आरक्षण और संसद सत्र की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।गोगोई ने कहा कि कांग्रेस की मांग स्पष्ट है। लोकसभा में मौजूदा सीटों की संख्या बरकरार रखी जाए और इसी संख्या के आधार पर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। साथ ही अगले 25 वर्षों तक लोकसभा में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधित्व का अनुपात भी पहले जैसा बनाए रखा जाए। गौरव गोगोई ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि महिला आरक्षण के मुद्दे की आड़ में सरकार परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ाना चाहती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्ष की चिंताओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। गोगोई का आरोप था कि पहले मतदाता सूची के जरिए मतदान के अधिकार को प्रभावित करने की कोशिश हुई और अब परिसीमन के जरिए राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर असर डालने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े इन मुद्दों पर अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

डीएमके और एनसीपी समेत सहयोगियों पर टिकी निगाहें

इंडिया गठबंधन की आगामी बैठक में किन-किन दलों की भागीदारी होगी, इसे लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं। डीएमके और एनसीपी- षरद की मौजूदगी को लेकर पूछे गए सवाल पर गोगोई ने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों को बैठक की सूचना भेजी गई है। सभी दलों से संसद सत्र की रणनीति, भाजपा की नीतियों और विपक्ष की आगे की कार्ययोजना पर विचार साझा करने का आग्रह किया गया है।

आपत्तिजनक बयान देने पर विधायक बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ गलता गेट थाने में मुकदमा दर्ज

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. धर्म के आधार पर भेदभाव करने एवं आपत्तिजनक बयान देने को लेकर कोर्ट के आदेश से गलता गेट थाना पुलिस ने हवामहल क्षेत्र से विधायक व अन्य के विरुद्ध विभिन्न अपराधों में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच सीआईडी सीबी को सौंपी जाएगी। इस संबंध न्यायिक अधिकारी के चचेरे भाई याकूब खान ने कोर्ट में परिवाद पेश किया था कि 10 दिसंबर 2025 को मीणा कॉलोनी, बांसबदनपुरा स्थित प्लॉट नंबर 12 पर न्यायिक अधिकारी द्वारा मकान खरीदने को लेकर विवाद हुआ था।

आरोप है कि विधायक बालमुकुंद आचार्य प्रशासन के साथ वहां पहुंचे और भीड़ एकत्रित कर ली। भीड़ के सामने आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। हिंदुओं के क्षेत्र से पलायन जैसी बातें कहकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने, धर्म के आधार पर भेदभाव करने, एकता व अखंडता को क्षति पहुंचाने का आरोप भी लगाया गया।

घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पुलिस के रिपोर्ट दर्ज नहीं करने पर कोर्ट ने एफआईआर दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए थे।



भव्य योजना के तहत भेजे केन्द्र सरकार को प्रस्ताव

902.64 करोड़ की लागत से विकसित होंगे रीको के आधुनिक औद्योगिक पार्क

समाचार जगत न्यूज



जयपुर. प्रदेश में औद्योगिक निवेश एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के तहत गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने बूंदी एवं बालोतरा में प्रस्तावित औद्योगिक पार्कों की आर्थिक व्यवहार्यता का समुचित आकलन करने तथा इनके विकास संबंधी प्रस्ताव 30 नवम्बर तक केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए। बैठक में रीको ने दो नए औद्योगिक पार्क विकसित करने के प्रस्ताव प्रस्तुत किए। बूंदी जिले में लाखेरी के समीप खरायता में 370.05 एकड़ क्षेत्र में 468.49 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से औद्योगिक पार्क विकसित करने का प्रस्ताव है। वहीं बालोतरा जिले में पचपदरा रिफाइनरी के समीप बोरावास-कलावा द्वितीय चरण में 311.28 एकड़ क्षेत्र में 434.15 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से औद्योगिक पार्क विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला ने बताया कि प्रस्तावित औद्योगिक पार्कों में उद्यमियों को सड़क,बिजली, पानी और भंडारण सहित आवश्यक आधारभूत सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने की योजना है। साथ ही, 'प्लग एंड प्ले' व्यवस्था के तहत उद्योग शुरू करने के लिए तैयार आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा श्रमिक आवास एवं हरित क्षेत्र विकसित करने का भी प्रस्ताव है। इससे उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने में आसानी होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की भव्य योजना के तहत देशभर में 100 आधुनिक औद्योगिक पार्क विकसित करने का लक्ष्य है। योजना के अंतर्गत राज्य सरकार अथवा अधिकृत संस्था द्वारा विकसित किए जाने वाले औद्योगिक पार्कों के लिए प्रति एकड़ अधिकतम एक करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। चयनित औद्योगिक पार्कों को अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद दो वर्ष की अवधि में विकसित किया जाना है। बैठक में वन,पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य तथा राजस्व एवं उपनिवेशन विभागों के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख शासन सचिव हेमंत कुमार गेरा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **त्रिशला गोधा** द्वारा समाचार जगत, 11 जवाहर लाल नेहरू मार्ग, विद्याश्रम स्कूल के सामने, संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। **संपादक :** शैलेन्द्र गोधा* । **फोन :** 3509888 (संपादकीय) : **फैक्स :** 0141-2708088
e-mail: samacharjagat@gmail.com, sjnews@samacharjagat.com
* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी